Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 63
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी 2025
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगीः प्रधानमंत्री

भारत पहुंचा एचएमपीवी केंद्र बोला, चिंता न करें

पीटीआई। नई दिल्ली

कर्नाटक, तमिलनाडु और गुजरात में सोमवार को पांच शिशुओं में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई, जो भारत में इस वायरस से संक्रमण के पहले दर्ज मामले हैं। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि वह श्वसन संबंधी बीमारियों में किसी भी संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। एचएमपीवी वैश्विक स्तर पर श्वसन संबंधी बीमारी पैदा करने वाला वायरस है। हाल में चीन में इसके प्रकोप की खबरों ने दुनिया का ध्यान खींचा। यह एक वायरल रोगजनक है जो सभी आयु वर्ग के लोगों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है।

कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र की सरकारों ने आश्वस्त किया है कि घबराने की जरूरत नहीं है। वहीं दिल्ली सरकार ने राजधानी के सभी अस्पतालों को श्वसन संबंधी बीमारियों में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। देश में अब तक सामने आए एचएपीवी के तीन मामलों में से दो का पता भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा कर्नाटक में कई श्वसन वायरल रोगजनकों की नियमित निगरानी से चला। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि तीन महीने की बच्ची को ब्रोंकोन्यूमोनिया की शिकायत थी और उसे बेंगलुरु के बैपटिस्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसके एचएमपीवी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। मंत्रालय के मुताबिक बच्ची को पहले ही छुट्टी दे दी गई है।

मंत्रालय ने बताया कि ब्रोन्कोन्यूमोनिया से पीड़ित आठ महीने के एक शिशु को तीन जनवरी को बैपटिस्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद उसके एचएमपीवी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। जानकारी के मुताबिक, वह अब संक्रमण से उबर चुका है। मंत्रालय ने रेखांकित किया कि यह उल्लेखनीय है कि दोनों मरीजों ने कोई अंतरराष्ट्रीय यात्रा नहीं की थी। अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती दो महीने के बच्चे के भी एचएमपीवी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। राजस्थान के डूंगरपुर का रहने वाला यह बच्चा 24 दिसंबर 2024 को श्वसन संक्रमण के लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती हुआ था। अहमदाबाद नगर निगम के चिकित्सा अधिकारी भाविन सोलंकी ने बताया कि शुरुआत में बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया था लेकिन अब उसकी हालत स्थिर है। तमिलनाडु के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया (शेष पृष्ठ 9)

नक्सलियों ने वाहन उड़ाया, आठ जवानों समेत नौ की मौत

पायनियर समाचार सेवा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को नक्सलियों ने एक वाहन को बारूदी सुरंग में विस्फोट कर उड़ा दिया, जिसमें जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के आठ जवान और एक चालक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले दो वर्षों में राज्य में सुरक्षा बलों पर माओवादियों का यह सबसे बड़ा हमला है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने बताया कि कुटरू थाना क्षेत्र के अंबेली गांव के पास दोपहर करीब 2.15 बजे नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर एक वाहन को उड़ा दिया। यह घटना तब हुई जब दंतेवाड़ा जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवान नक्सल विरोधी अभियान के बाद अपनी एसयूवी कार से लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि सभी आठ डीआरजी जवानों और वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

डीआरजी राज्य पुलिस की एक इकाई है और इसमें ज्यादातर स्थानीय आदिवासियों और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को भर्ती किया जाता है। आईजी ने बताया कि घटनास्थल पर अतिरिक्त बल भेजा गया है और शवों को बाहर निकाला जा रहा है। सुंदरराज ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया है। आईजी ने कहा कि ए डीआरजी जवान नारायणपुर, दंतेवाड़ा और

बीजापुर में नक्सलियों द्वारा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के वाहन को विस्फोटक से उड़ा देने के कारणआठ जवानों और एक नागरिक चालक की मौत की मौत हो गई।

बीजापुर की सीमाओं पर सुरक्षा कर्मियों की संयुक्त टीमों द्वारा तीन दिनों तक चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में शामिल थे। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक चले अभियान में पांच नक्सली मारे गए और डीआरजी का एक हेड कांस्टेबल शहीद हो गया।

अधिकारी ने बताया कि अभियान के बाद दंतेवाड़ा से डीआरजी के जवान अपने बेस पर लौट रहे थे, तभी कुटरू इलाके में यह हमला हुआ। जिस इलाके में विस्फोट हुआ वह राजधानी रायपुर से करीब 400 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल में एक बड़ा गड्ढा हो गया है, जो 10 फुट से ज्यादा गहरा है। उनके मुताबिक, हमले में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा वाहन का एक हिस्सा पास के एक पेड़ पर भी लटका हुआ देखा गया। दक्षिण बस्तर क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कमलोचन कश्यप ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि नक्सलियों द्वारा वाहन को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल की गई शक्तिशाली बारूदी सुरंग 60-70 किलोग्राम वजन की थी और इसे बहुत पहले लगाया गया था। हालांकि, फोरेंसिक कर्मी घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बारूदी सुरंग पुरानी थी और इसे बहुत पहले लगाया गया था क्योंकि इससे जुड़ा तार जमीन के काफी नीचे फंस गया था और इसके ऊपर मिट्टी की परत पर घास उग आई थी। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल की तलाशी के दौरान, लगभग 150 मीटर लंबा तार बरामद किया गया जो बारूदी सुरंग से जुड़ा था। घटना पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में जारी नक्सल विरोधी अभियान से नक्सली हताश हैं और इसलिए इस तरह की कायरतापूर्ण हरकत कर रहे हैं।

ईसी दिल्ली में मतदाता नामांकन की कराएगा जांच

● अचानक पंजीकरण में बृद्धि के मद्देनजर चुनाव आयोग ने दिया आदेश

राजेश कुमार। नई दिल्ली

सत्तारूढ़ आप द्वारा पात्र महिला नागरिकों को 2100 रुपये देने की महिला सम्मान योजना की घोषणा से राष्ट्रीय राजधानी में मतदाता सूची में नामांकन में 'अचानक' वृद्धि देखी गई है। हेरफेर को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच चुनाव आयोग (ईसी) ने अधिकारियों को वास्तविक लोगों की पहचान करने के लिए नए मतदाता पंजीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन का सर्वेक्षण और सत्यापन करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे पिछले 20 दिनों में नए नामांकन के लिए अभूतपूर्व संख्या में 5.1 लाख फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। चुनाव आयोग प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए फील्ड जांच और व्यक्तिगत सुनवाई सहित सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं को अनिवार्य करता है। विशेष रूप से, लिंग अनुपात भी

855 प्रति 1000 से बढ़कर 859 से 1000 हो गया, जो 4 प्रतिशत की वृद्धि है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक बयान के अनुसार, पिछले 20 दिनों में नए मतदाता पंजीकरण के लिए 5.1 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, 29 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2024 तक पुनरीक्षण अवधि के दौरान 1,35,089 नए मतदाता बने। पंजीकृत किए गए, 69,177 नाम हटा दिए गए, और 83,825 मतदाता सूची में सुधार किए गए। राष्ट्रीय राजधानी में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 29 अक्टूबर, 2024 को 1,53,57,529 की तुलना में 1,55,24,858 हो गई है, जो 1.09 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि दर्शाती है। इनमें 83.49 लाख पुरुष, 71.73 लाख महिलाएं और 1261 ट्रांसजेंडर हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद से दिल्ली मतदाता सूची में 8,06,739 मतदाताओं की वृद्धि देखी गई है। लोकसभा चुनाव से पहले 22 जनवरी 2024 को दिल्ली में कुल मतदाताओं की संख्या 1,47,18,119 थी। 16 दिसंबर, 2024 से नए मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 की अभूतपूर्व भीड़ देखी गई है; इस तिथि से अब तक दिल्ली में 5.1 लाख से अधिक फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। यह मसौदा प्रकाशन दिनांक 29.10.2024 के बाद से 3.08 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने के बाद है। दिल्ली के सीईओ ने कहा, फॉर्म-6 की अभूतपूर्व वृद्धि की यह प्रवृत्ति और वह भी एसएसआर-2025 (28.11.2024) में निर्धारित दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि के 20 दिनों के बाद, अप्रत्याशित है और इसकी अधिक जांच की जरूरत है। दिल्ली सीईओ कार्यालय ने कहा कि सभी चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक फॉर्म का कड़ाई से मतदान करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सीईओ कार्यालय ने कहा, वास्तविक पात्र व्यक्तियों की पहचान(शेष पृष्ठ 9)

कांग्रेस का हर महीने 2,500 की वित्तीय सहायता देने का वादा

नई दिल्ली में कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में योजना का ऐलान किया।

नई दिल्ली (पायनियर समाचार सेवा)। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को प्यारी दीदी योजना की घोषणा की, जिसके तहत उसने सत्ता में आने पर राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में इस योजना का ऐलान किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, दिल्ली प्रभारी काजी मोहम्मद निजामुद्दीन, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा, राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक तथा पार्टी के कई (शेष पृष्ठ 9)

एचएमपीवी वायरस की चिंता के बीच सेंसेक्स ने लगाया 1,258 अंक का गोता

पीटीआई। मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 1,258 अंक का गोता लगा गया। एनएसई निफ्टी भी लुढ़क कर 23,700 अंक के नीचे आ गया। कारोबारियों के अनुसार, कंपनियों के तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों को लेकर चिंता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी के बीच चौतरफा लिवाली से बाजार नुकसान में रहा। इसके अलावा नए एचएमपी वायरस को लेकर चिंता, रुपए की विनिमय दर में गिरावट तथा एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से भी कारोबारी धारणा पर असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स ।,258.12 अंक यानी 1.59 प्रतिशत का गोता लगाकर 78,000 अंक के नीचे 77,964.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह ।,441.49 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 388.70 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,616.05 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका में नई आर्थिक नीतियों को लेकर अनिश्चितता के बीच उभरते बाजारों में गिरावट आई है। फेडरल रिजर्व का भविष्य में नीतिगत दर में कटौती को लेकर आक्रामक रुख, 2025 में मुद्रास्फीति में वृद्धि के संशोधित अनुमान और डॉलर की मजबूती, सब ने मिलकर बाजार धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। बाजार में तेज गिरावट का प्राथमिक कारण ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर चिंता है। सेंसेक्स में शामिल तीस शेयरों में टाटा स्टील, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, जोमैटो, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलांयस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। केवल दो शेयर टाइटन और सन फार्मा लाभ में रहे। स्वस्तिका इनवेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को जोरदार गिरावट आई। निफ्टी और बैंक निफ्टी दोनों अपने 200 डे मूविंग एवरेज (डीएमए) से नीचे आ गए। बिकवाली का कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर चिंता है।

एनसीआर में बारिश की फुहारों ने ठंड के कहर को और गहरा किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी और गुरुग्राम के कई हिस्सों में बारिश हुई, जिससे क्षेत्र में शीत लहर की स्थिति के बीच तीव्र ठंड बढ़ गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को लगातार अगले तीन दिनों के लिए कोहरे का पीला अलर्ट जारी किया, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी 9.6 डिग्री सेल्सियस के न्यूनतम तापमान के साथ ठंड से ठिठुर रही है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार की सुबह तापमान में गिरावट और तीखी हवाओं के साथ कठोर मौसम और शीत लहर की स्थिति का सामना करना पड़ा। आईएमडी ने कहा कि इसके अलावा, पश्चिमी विक्षोभ के बाद सुबह के समय शहर के कई इलाकों में बारिश हुई।

बारिश से पहले, कई इलाके मध्यम और हल्के कोहरे की चपेट में थे, जिससे दृश्यता कम हो गई, जिससे रेल, हवाई और सड़क यातायात प्रभावित हुआ। कोहरे की चादर छंट गई, जिससे सुबह की दृश्यता में सुधार हुआ। सुबह 5.30 से 8.30 बजे के बीच नजफगढ़ में 2.5 मिमी, पीतमपुरा में 2 मिमी, पालम में 1 मिमी और पूसा में 0.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक, सुबह साढ़े पांच बजे पालम एयरपोर्ट पर न्यूनतम दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई।. कोहरे के बावजूद, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन सामान्य रहा, रनवे पर दृश्यता 1,000 से 2,000 मीटर के बीच रही। कम दृश्यता प्रक्रियाएं प्रभावी थीं, क्योंकि सामान्य दृश्यता 600 मीटर दर्ज की गई थी। सैटेलाइट इमेजरी से पता चला कि उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में कोहरा है, साथ ही हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल छाए हुए हैं, जो बारिश की संभावना का संकेत दे रहे हैं। राजधानी में घने कोहरे के कारण शुक्रवार, शनिवार और रविवार को सुबह दृश्यता शून्य हो गई, जिसके कारण उड़ानें रद्द की गईं और मार्ग परिवर्तन किए गए तथा ट्रेनें विलंबित हुईं। शनिवार को अभूतपूर्व नौ घंटे तक शून्य दृश्यता रही।

अभिभाषण बगैर विस से बाहर निकले तमिलनाडु के राज्यपाल

कुमार चेल्लपन। चेन्नई

डीएमके सरकार और राज्य के राज्यपाल के बीच टकराव सोमवार को और गंभीर हो गया, जब आरएन रवि बजट सत्र 2025 को संबोधित किए बिना विधानसभा से बाहर चले गए। भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी राज्यपाल सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान न बजाए जाने से नाराज थे। जनवरी 2022 के बाद से तमिलनाडु विधानसभा में इस तरह की यह चौथी घटना है। राजभवन ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, तमिलनाडु विधानसभा में आज एक बार फिर भारत के संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे संविधान में निहित पहला मौलिक कर्तव्य है। इसे सभी राज्य विधानमंडलों में राज्यपाल के अभिभाषण के आरंभ और अंत में गाया जाता है। आज सदन में राज्यपाल के आगमन पर केवल तमिल थाई वाज़्थुगा गाया गया। राज्यपाल ने सदन को आदरपूर्वक उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई। उन्होंने राष्ट्रगान गाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता और माननीय अध्यक्ष हैं, से उत्साहपूर्वक अपील की। हालाँकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। यह गंभीर चिंता का विषय है. संविधान और राष्ट्रगान के प्रति इस तरह के निर्लज्ज अनादर में भागीदार न बनने के कारण, राज्यपाल ने गहरी पीड़ा में सदन छोड़ दिया।'

कांग्रेस (द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के सहयोगी) के सदस्यों ने राज्यपाल की कार्रवाई के विरोध में बहिर्गमन किया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के सूत्रों ने कहा कि पार्टी विधायकों द्वारा वॉकआउट नई दिल्ली में हाई कमान के निर्देश के बाद किया गया। तमिलनाडु सरकार द्वारा राष्ट्रगान बजाने से इनकार करना राजभवन और द्रमुक के नेतृत्व वाली सरकार के बीच बार-बार होने वाले विवाद का मुद्दा बन गया है। द्रमुक प्रमुख ने पहले भी कई बार यह जाहिर किया है कि पार्टी राज्यपाल पद के खिलाफ है। यह लगातार चौथी बार है जब राज्यपाल सत्र का अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से चले गए।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने की इस्तीफे की घोषणा

पीटीआई। टोरंटो

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने नेतृत्व को लेकर बढ़ते असंतोष को देखते हुए सोमवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की और वित्त मंत्री के अचानक चले जाने के बाद उनकी सरकार के भीतर बढ़ती उथल-पुथल का संकेत दिया। ट्रूडो ने कहा कि यह उनके लिए स्पष्ट हो गया है कि वह 'आंतरिक लड़ाई के कारण अगले चुनाव के दौरान नेता नहीं बन सकते।' उन्होंने लिबरल पार्टी का नया नेता चुने जाने तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की योजना बनाई। उन्होंने कहा, 'मैं किसी भी लड़ाई से आसानी से पीछे नहीं हटता, खासकर हमारी पार्टी और देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण लड़ाई से पीछे नहीं हटता। लेकिन मैं यह काम इसलिए करता हूं क्योंकि कनाडाई लोगों के हित और लोकतंत्र की भलाई कुछ ऐसी चीज है जिसे मैं प्रिय मानता हूं।'

मामले से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि संसद, जो 27 जनवरी को फिर से शुरू होने वाली थी, 24 मार्च तक निलंबित रहेगी। यह समय लिबरल पार्टी के नेतृत्व की दौड़ के लिए अनुमति देगा। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की क्योंकि वे इस मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं थे। सभी तीन मुख्य विपक्षी दलों ने कहा है कि वे संसद के फिर से शुरू होने पर अविश्वास मत में लिबरल पार्टी को गिराने की योजना बना रहे हैं, इसलिए स्थायी प्रतिस्थापन चुनने के लिए वसंत चुनाव लगभग सुनिश्चित था। कनाडा की लिबरल पार्टी हमारे महान देश और लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण संस्था है। ट्रूडो ने कहा, एक नया प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी का नेता अपने मूल्यों और आदर्शों को अगले चुनाव में ले जाएगा। मैं आने वाले महीनों में उस प्रक्रिया को सामने आते देखने के लिए उत्साहित हूं।' कंजर्वेटिव पार्टी के 10 साल के शासन के बाद ट्रूडो 2015 में सत्ता में आए और शुरुआत में देश को उसके उदारवादी अतीत में वापस लाने के लिए उनकी सराहना की गई थी।

क्षेत्राधिकार की बहस में चार घंटे सड़क पर पड़ा रहा शव

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

उदासीनता का एक गंभीर प्रदर्शन करते हुए, एक 27 वर्षीय दुर्घटना पीड़ित का शव चार घंटे से अधिक समय तक सड़क पर पड़ा रहा, क्योंकि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की पुलिस क्षेत्राधिकार को लेकर बहस कर रही थी। यह दुखद घटना दोनों राज्यों के बीच की सीमा पर हुई, जिससे दुखी परिवार के सदस्य और गुस्साए स्थानीय लोग जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ के रहने वाले राहुल अहिरवार मजदूर के रूप में काम की तलाश में दिल्ली जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। शाम करीब सात बजे सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और मध्य प्रदेश के हरपालपुर पुलिस को सूचना दी। अधिकारी पहुंचे लेकिन कार्रवाई करने से इनकार कर दिया, यह दावा करते हुए कि साइट उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के महोबकंठ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आती है।

पीड़ित के एक रिश्तेदार रामदीन ने कहा, जब हमने हरपालपुर पुलिस को फोन किया, तो वे आए और कहा कि यह उनकी जिम्मेदारी नहीं है। वे यह कहते हुए चले गए कि यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश पुलिस के अधीन है। उन्होंने कहा, जब हमने महोबकंठ पुलिस को फोन किया, तो उन्होंने भी यह कहते हुए मदद करने से इनकार कर दिया कि यह मध्य प्रदेश का अधिकार क्षेत्र है। इस बीच, मेरे चचेरे भाई का शव सड़क पर पड़ा था, और हम रो रहे थे और असहाय थे।' कार्रवाई न होने से क्षुब्ध ग्रामीणों ने शव को दुर्घटनास्थल पर छोड़कर विरोध स्वरूप सड़क जाम कर दी। तस्वीरों में अहिरवार के शोक संतप्त परिवार के सदस्य उसके शव के पास बैठे हुए, फूट-फूट कर रोते हुए दिखाई दे रहे हैं। रामदीन ने कहा, 'राहुल की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी और वह काम के लिए दिल्ली जा रहा था। ये सिर्फ लापरवाही नहीं है; यह अमानवीय है।' जैसे-जैसे घंटों बीतते गए और किसी (शेष पृष्ठ 9)

'दूसरों को बचाने के लिए जिंदा रहना पड़ा था'

● उड़ान आईसी814 के कैप्टन देवी शरण 40 साल की सेवा के बाद एयर इंडिया से सेवानिवृत्त

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन एयरलाइंस की उड़ान संख्या आईसी-814 के कैप्टन रहे देवी शरण विमानन कंपनी से सेवानिवृत्त हो गए हैं। उन्होंने चार दशक तक इंडियन एयरलाइंस की सेवा की। शरण (65) ने चार जनवरी को मेलबर्न से दिल्ली तक ड्रीमलाइनर विमान की कमान संभाली थी। यह उनकी आखिरी उड़ान थी। शरण ने सेवानिवृत्ति के मौके पर अपने संदेश में अपने शानदार और यादगार करियर के लिए एयर इंडिया के

क्रू मेंबरों के साथ कैप्टन देवी शरण।

अपने मित्रों और सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। शरण ने उन यात्रियों का भी आभार जताया, जिन्होंने वर्षों तक उन्हें (शरण) विमान संचालन का मौका दिया। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें शरण के विमानन कंपनी के साथ बिताए गए दिनों की झलकियां दिखाई गई हैं। कंपनी ने इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा, आसमान सिर झुकाता है, रनवे विमान आईसी-814 के कैप्टन को सलाम करता है।

शरण ने कहा, मैं जब अपने जीवन के एक नए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत कर रहा हूं, मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ जिंदगी की कुछ और खूबसूरत यादों को सहेजना चाहता हूं। कमर्शियल पायलट की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है। 31 जुलाई 2024 को कंधार हाईजैक प्रकरण को याद करते हुए शरण ने कहा, मुझे दूसरों को बचाने के लिए जिंदा रहना पड़ा था। उन्होंने कहा था कि उन्हें ऐसे आतंकवादियों से निपटना पड़ा था जिन्हें विमानन से जुड़ी हर बात पता थी। काठमांडू से दिल्ली आने वाली इंडियन एयरलाइंस की उड़ान संख्या आईसी-814 का 24 दिसंबर 1999 को अपहरण कर लिया गया था। जब विमान 26,000 फुट की ऊंचाई पर था तब कैप्टन शरण को विमान में नकाबपोश आतंकवादी की मौजूदगी का पता चला था, जिसके हाथ में एक हथगोला (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी, 2025

नोएडा में फॉर्च्यूनर से स्टंट करने वाले 4 युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

● सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-126 थाना क्षेत्र में फॉर्च्यूनर गाड़ी से स्टंट करते युवकों का वीडियो सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर रविवार को वायरल हुआ था। वीडियो में दिखने वाले चारों युवकों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने फॉर्च्यूनर को भी सीज कर दिया गया है।

वीडियो वायरल होने के बाद कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत इन पर 33 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। वाहन पर स्टंट करने वाले आरोपियों की पहचान वैभव जैन, विशाल ठाकुर, विकास कुमार और ध्रुव कुमार के रूप में हुई है। सभी शादीशुदा है और अलग-अलग कंपनियों में काम करते हैं। जांच के दौरान पता चला कि जो वीडियो शनिवार को वायरल हुआ था उसको बीते साल अक्टूबर में बनाया गया था। वीडियो बनाते समय एक अन्य युवक भी गिरफ्तार हुए युवकों के साथ था। बाद में उस युवक से चारों की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी बात पर उसने वीडियो को वायरल कर दिया। 28 सेकेंड के वायरल वीडियो में एक युवक गाड़ी की बोनट पर बैठा है, जबकि बाकी दो युवक गाड़ी की खिड़कियों से लटकते हुए रील बना रहे हैं। कार की सभी लाइटें जल रही हैं। कार के अंदर बैठा चालक वाहन को सड़क पर गोल-गोल घुमा रहा है। फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सत्तारूढ़ पार्टी का झंडा भी लगा हुआ है। यूजर ने वीडियो में कमिश्नरेट पुलिस के अधिकारियों को टैग कर स्टंट करने वाले युवकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आपरेशन तलाश : चार दिन में 1000 अपराधियों का सत्यापन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस ने आपरेशन तलाश के तहत चार दिन में 1000 अपराधियों का सत्यापन किया। ये अपराधी चोरी और छिनैती से संबंधित है। जो पिछले पांच साल से एक्टिव रहे। इसमें 566 अपराधी अन्य जनपद व बाहरी प्रदेश के है। ऐसे अपराधियों की वर्तमान स्थित का सत्यापन करने के लिए नोएडा पुलिस ने वहां की पुलिस से पत्राचार किया है। इसकी रिपोर्ट भी जल्द अन्य जन पदों से आ जाएगी।

इसके अलावा जनपद में 149 आपराधी मिले। इनके खिलाफ धारा 170/126/135 बीनएनएस, 129 बीएनएसएस व गुंडा एक्ट में कार्रवाई की गई। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि ठंड के साथ कोहरा बढ़ने से छिनैती और चोरी की घटना बढ़ने की आशंकाहै। इसी को लेकर नोएडा पुलिस ने चार यानी 2 से 5 जनवरी तक आपरेशन तलाश चलाया। सभी थानों को अलर्ट किया गया और पांच में इन मामलों से जुड़े अपराधियों का सत्यापन के निर्देश दिए गए।

साफ-सफाई से असंतुष्ट सीईओ ने सीनियर मैनेजर का रोका वेतन, कंपनी ब्लैक लिस्ट

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में लगे अवैध विज्ञापन होर्डिंग्स को हटाने के निर्देश

● अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि के साथ तीन कंपनियों पर 4 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम। (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में साफ-सफाई व्यवस्था से असंतुष्ट दिखने पर नोएडा प्राधिकरण सीईओ ने सीनियर मैनेजर गौरव बंसल जन स्वास्थ्य को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करते हुए अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए। एक कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए तीन कंपनियों पर 4 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने नोएडा ग्रेटर नोएडा पर लगे सभी अवैध विज्ञापन होर्डिंग्स को तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ लोकेश एम ने नोएडा क्षेत्र में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान नोएडा एक्सप्रेस पर सेक्टर-16ए की तरफ ग्रीन बेल्ट में जगह-जगह कू? के ढेर मिले। लॉजिक्स मॉल के बाहर ग्रीन बेल्ट में गंदगी मिली। सीईओ ने मैकेनिकल स्वीपिंग एजेंसी लॉयन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। डीएससी मार्ग पर छलेरा के सामने ग्रीन बेल्ट और यू टर्न का सौंदर्यीकरण करने के लिए कहा गया। सेक्टर-35 के सामने मुख्य मार्ग पर केसी ड्रेन में सिल्ट जमी मिली। सेक्टर-62 मेट्रो स्टेशन के नीचे कंस्ट्रक्शन मलबा मिलने पर सीईओ ने मैकेनिकल स्वीपिंग एजेंसी नार्थ इंडिया डेवलपर्स पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। फोर्टिस अस्पताल के सामने खराब एंबुलेंस को हटाने के लिए कहा। सेक्टर-63 में कूड़ा मिला। जिसके बाद सीईओ ने एमबीसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने का निर्देश दिया।

नोएडा के सेक्टर-63 के भूखंड संख्या जी-204 और सी-203 के सामने अन्य स्थानों पर पज़ल पार्किंग बनाने के लिए कहा गया। ताकि लोग सड़क पर वाहन खड़ा नहीं करें। निरीक्षण में सोम बाजार में कूड़े के ढेर मिले। जिसे एजी इन्वायरों इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने नहीं उठाया था। सीईओ ने कंपनी पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

योगी से नोएडा में एम्स स्थापना की फोनरवा ने रखी मांग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा वासियों की समस्याओं को लेकर सोमवार को फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस मौके पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने सीएम के समक्ष नोएडा वासियों की समस्याओं के साथ नोएडा में आधारभूत संरचना संबंध अवगत कराया। सीएम ने पदाधिकारियों को आश्वस्त करने के साथ अधिकारियों को निर्देश दिए।

योगेंद्र शर्मा ने बताया कि नोएडा में एक उच्च-स्तरीय ट्रामा सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता है। ट्रामा सेंटर न केवल गंभीर दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में मरीजों की जान बचाने में सहायक हैं। नोएडा की जनसंख्या 10 लाख से अधिक है। नोएडा, उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख औद्योगिक और आवासीय शहर है। शहर की तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और इसके निवासियों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को देखते हुए, यहां एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना बेहद ज़रुरी है। नोएडा, यूपी का प्रमुख औद्योगिक और आवासीय केंद्र है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विभिन्न सेक्टरों में हाउसिंग और इंडस्ट्रियल प्लॉट की योजनाएं लेकर आता है। हालांकि, वर्तमान में इन योजनाओं का आवंटन मुख्यत: नीलामी प्रक्रिया और एकमुश्त भुगतान के आधार पर किया जाता है।

अभद्र टिप्पणी करने वाले की मांगी जानकारी

नोएडा। यूपी के सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी के बारे में नोएडा पुलिस ने पश्चिम बंगाल पुलिस से जानकारी मांगी है। कुछ दिन पहले ही नोएडा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था।

सीएम और किसानों के बीच 45 मिनट हुई वार्ता

नोएडा। नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण के किसानों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि आपके हर मुद्दे को गंभीरता से लिया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। सीएम ने किसानों से करीब 45 मिनट तक बातचीत की। उनकी सभी मांगों को सुना। ये मुलाकात लखनऊ में हुई। इसमें भारतीय किसान परिषद अखिल भारतीय किसान सभा और किसान एकता संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर ख़लीफ़ा, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के साथ राष्ट्रीय लोकदल के विधायक राजपाल बालियान प्रतिनिधि मंडल के रूप में आंदोलन रत किसानों के 10 प्रतिशत आबादी प्लाट एवं नए अधिग्रहण कानून, 2013 को लागू करने के मुद्दों सहित अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने बातचीत के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने नए कानून के बारे में एक ऐसी लैंड पुलिंग नीति के संबंध में जल्द फैसला लेने का आश्वासन दिया है। जिसमें किसानों को लैंड पुलिंग के तहत विकसित प्लाट मिलेगा एवं सर्किल रेट का रिवीजन होकर बाजार भाव पर भूमि की खरीद हो सकेगी। इस तरह की नीति आने से किसान विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार हो सकेंगे।

शीतलहर : गाजियाबाद में 8वीं तक के स्कूल बंद

● जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने 6 जनवरी से 11 जनवरी तक कक्षा 8 तक अवकाश की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में आज शीतलहर जैसा मौसम है। सुबह से धूप नहीं खिली है, जहां दिन मे धूप नहीं खिलने से धुंध रहने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। आज सोमवार सुबह तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया, दिन में अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री पहुंचने का अनुमान है। रात में 9 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से सर्द हवाएं चली, तेज हवाओं से लगातार पूरे एनसीआर मे ठिठुरन बढ़ी हुई है।

कड़ाके की सर्दी व शीतलहर के चलते गाजियाबाद डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने कक्षा एक से 8 वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। डीआईओएस डॉ धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि 6 जनवरी से 11 जनवरी तक कक्षा 8 तक के स्कूलों में शीतलहर के चलते अवकाश रहेगा। यह आदेश सभी विद्यालयों में लागू होगा। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक पूर्व में ही शासन के आदेशानुसार अवकाश चल रहा है। वहीं कक्षा 9 से ऊपर तक सभी स्कूल 9 बजे से ही खुलेंगे।

शनिवार को दिन भर गाजियाबाद में शीतलहर जैसा मौसम रहा। जहां पूरे दिन धूप नहीं निकली। दिन में भी धुंध छाई रही। रविवार को सुबह कोहरा रहा, दोपहर को धूप खिली। लेकिन शाम 3 बजे फिर धुंध छा गई। आज मौसम विभाग ने एक मिलीमीटर बारिश की संभावना जताई है। वहीं 7 जनवरी को 2 मिमी बारिश का अनुमान जताया गया है।

शराब के नशे में पैदल यात्री मेट्रो पिलर से टकराया, मौत

नोएडा। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात को एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति शराब के नशे में धुत्त होकर छीजारसी कॉलोनी के पास पैदल ही सड़क पर जा रहा था। चलते-चलते वह मेट्रो के पिलर से जा टकराया। इस घटना में उसके नाक और मुंह में गंभीर चोट आई। उसके नाक से अत्यंत रक्तस्राव शुरू हुआ। किसी राहगीर ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

भतीजी की हत्या करने वाला फूफा गिरफ्तार

● नए साल पर वैशाली मेट्रो के पास के एक पार्क में चाकू से 7 वार करके दिया था वारदात को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना कौशांबी की वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास बने पार्क में नए साल के पहले दिन सुबह मिले युवती के शव का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतका के रिश्ते में फूफा ने ही उसकी हत्या की थी। चाकू के 07 वार से युवती की मौत हुई थी। वार इतनी बेरहमी से किए गए थे कि खुद आरोपी का हाथ कट गया था।

मुठभेड़ के बाद पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया है कि उसके अपनी भतीजी से संबंध थे और अब वह शादी का दबाव बना रही थी। जबकि युवती की शादी फरवरी में तय हुई थी।

गाजियाबाद में एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया पहली जनवरी की सुबह वैशाली मेट्रो स्टेशन के पास बने पार्क थाना कौशांबी क्षेत्र में 25 साल की एक युवती का शव मिला था। युवती पर चाकू से कुल सात वार किए गए थे। जिसमें से दो गर्दन, तीन छाती और दो पीठ पर थे। पुलिस की जांच में सामने आया था कि मृतक के रिश्ते के फूफा नीरज ने उसकी हत्या की है। पुलिस की कई टीम नीरज को तलाश रही थी। सोमवार की सुबह नीरज हत्या किए जाने वाले चाकू को छुपाने के लिए आया। इसी दौरान उसकी पुलिस से मुठभे ? हो गई। नीरज के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में नीरज ने बताया कि उसके मृतका से संबंध था और वह शादी का दबाव बना रही थी। खुद नीरज शादीशुदा है उसके तीन लड़कियां और एक बेटा है इसी लिए उसकी हत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में बोर्ड के मेधावी छात्रों का सम्मान

गाजियाबाद। स्ट्रांग भारत फाऊंडेशन ट्रस्ट की ओर से 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल और सादतपुर में अलग-अलग होने वाले इस कार्यक्रम में दसवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों को प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र और पटका देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अरविंद कुमार राजपूत ने कहा कि छात्र राष्ट्र की शक्ति और भविष्य है और छात्रों को सम्मानित करना गौरव की बात है। इस अवसर पर छात्रों के माता-पिता, शांति निकेतन स्कूल के प्रशासक अतुल बंसल व समाज के गणमान्य व्यक्ति जैसे सीताराम गोस्वामी, राजेश जायसवाल, शशिभूषण आदि उपस्थित रहे ।

चोरी के लाखों के माल के साथ दो गिरफ्तार

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक थाने की एसओ प्रीति गर्ग की टीम ने मुखबिर की सूचना के बाद दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करके उनके पास से लाखों के माल के अलावा असलाह भी बरामद कर लिया। इस संदर्भ में एसीपी वेब सिटी लिपि नगायच ने बताया कि क्रासिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने जिन दो अपराधियों को जेल भेजा है उनके नाम रवि निवासी बागू और प्रवचन उर्फ प्रवीन निवासी भीमनगर क्रासिंग रिपब्लिक हैं। इनके ऊपर विभिन्न थानों में संगीन मामलों के कई अभियोग पंजीकृत हैं।

हिंडन चौके के पास तड़के पलटा ट्रक, लाग जाम

गाजियाबाद। तड़के चार बजे के आस-पास हिंडन् चौकी के पास बने यू टर्न के निकट माल से भरा ट्रक पलट गया। इस हादसे में किसी को जानलेवा चोट तो नहीं आई लेकिन वाहन चालक व हैल्पर की जान पर खतरे के बादल जरूर मंड़राते हुए नजर आये। इस हादसे के बाद वहां पर जाम की स्थिति बन गई। बता दें कि इस यू टर्न के पास इस प्रकार के हादसों का घटित होना आम बात हो गई है।

तनाव के चलते महिला ने की आत्महत्या

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव में रहने वाली एक 28 वर्षीय महिला ने मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगा लिया। गंभीर हालत में उसके घर वालों ने उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि छलेरा गांव में रहने वाली फरहा पत्नी नाजिम उम्र 28 वर्ष ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उन्होंने बताया कि अत्यंत गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि उपचार के दौरान .डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

नोएडा में पूर्व डीजीपी की पत्नी से धोखाधड़ी

नोएडा। नोएडा में जमीन को लेकर किए गए फर्जीवाड़ा में कोर्ट के आदेश के बाद थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने 2 लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित सेक्टर-36 निवासी ममता सिंह है। दरअसल साल 2011 में आरोपी राम कुमार ने ममता सिंह से संपर्क किया। बताया कि उसके पास नगला नगली में एक कृषि भूमि है।

जमीन की जानकारी मिलते ही ममता ने अपने पति से इस बारे में बात की। उन्होंने जमीन के विषय में आरोपी राम कुमार से फोन पर बात की। बता दें पीड़िता के पति असम पुलिस में पूर्व डीजीपी के पद पर रह चुके है। बातचीत के बाद आरोपी ने ममता और उनके पति को नगला नगली के अंदर की जमीन दिखाई। इस दौरान जमीन पर ही उनकी मुलाकात रविंदर चौहान से कराई गई। बताया कि ये जमीन रविंदर की है। आरोपियों ने पीि?त को झांसे में लिया और बताया कि वे रजिस्ट्री से संबंधित सभी काम आसानी से करवा देंगे। आपको सिर्फ रजिस्ट्री के कागज पर साइन करने आना होगा। इसके बाद ममता और उनके पति वापस असम चले गए।

जीडीए कैंप में पाएं मनचाही स्कीम में आशियाना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विभिन्न योजनाओं में अनावंटित फ्लैटों को 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना में शामिल किया गया है। इस योजना से अब तक गाजियाबाद में सैकड़ों लोग की आशियाने की तलाश पूरी हो चुकी है। चाहें तो आप भी ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए जीडीए अपने विभिन्न योजनाओं में कैंप का आयोजन कर लोगों को घर के नजदीक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। फिलहाल जीडीए का कैंप इंद्रप्रस्थ आवासीय योजना में शुरू हुआ है। कैंप में मेंटेनेंस चार्ज जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

जीडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि इंद्रप्रस्थ योजना में लगाए गए कैंप के जरिए जीडीए आवंटियों के सीध संवाद स्थापित कर रहा है ताकि आवंटियों की समस्या का निराकरण मौके पर ही कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह बहुउद्देश्यीय सोमवार से शुरू हो चुका है। कैंप में आवंटी जहां अपना बकाया मेंटेनेंस चार्ज जमा कर सकते हैं वहीं 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना के तहत विभिन्न योजना में उपलब्ध फ्लैटों की जानकारी प्राप्त करने के साथ मौके पर ही बुकिंग भी कर सकते हैं। इंद्रप्रस्थ आवासीय योजना में शुरू किए गए कैंप की जानकारी हर घर तक पहुंचाने के लिए योजना और आसपास के क्षेत्र में लाउड स्पीकर के जरिए लगातार एनाउंसमेंट की जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोग कैंप का लाभ उठा सकें और छोटी परेशानियों के लिए उन्हें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण तक न जाना पड़े। कैंप के माध्यम से नागरिकों को सुविधा प्रदान करते हुए, जीडीए जनता से सीधा लोक संवाद स्थापित कर योजना से जुड़े हर प्रश्न और समस्या का समाधान करने के प्रयास में जुटा है। इसके अलावा जीडीए के मुख्य अभियंता ने मावी चौक से जल निगम के मेन होल नंबर 78 तक सीवर लाइन डालने के कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की। निरीक्षण के दौरान चीफ इंजीनियर ने काम में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण में मुख्य अभियंता के साथ अधिकारी और संबंधित ठेकेदार भी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मना गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व

● इंदिरापुरम स्थित गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे में विशेष कीर्तन का आयोजन किया गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के सभी गुरुद्वारों में सोमवार को गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। इंदिरापुरम स्थित शक्ति खंड के गुरु सिंह सभा गुरुद्वारे में विशेष कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली और पंजाब से आई कीर्तन मंडली ने अपनी प्रस्तुति से संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्तजन कीर्तन पर झूमते हुए गुरु महाराज की महिमा का गुणगान करते नजर आए।

भं

गुरुद्वारे में सुबह से गुरु गोविंद सिंह के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। लोगों ने गुरुद्वारे में आयोजित लंगर का प्रसाद ग्रहण किया और एक-दूसरे की मंगल कामनाएं कीं। भव्य सजावट और शांतिपूर्ण माहौल ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सुबह से शाम तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संगत ने गुरु महाराज को याद किया और उनके उपदेशों का अनुसरण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे आयोजन में विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। इंदिरापुरम, वैशाली सेक्टर एक, वसुंधरा, लाजपत नगर, श्याम पार्क, राजेंद्रनगर, शालीमार गार्डन, जनकपुरी में गुरु की याद में लंगर व कर्तिन हुआ।

शक्तिखंड के प्रधान गुरुद्वारा गुरप्रीत सिंह रम्मी ने बताया कि गुरूद्वार में सुबह से 11 बजे से ही शबद कीर्तन शुरू हो गया था। रात तक श्रद्धालुओं कीर्तन में भाग लिया। उन्होंने बताया कि कीर्तन के लिए दिल्ली के पंजाब के गुरूदासपुर, होशियारपुर, अमृतसर से कीर्तन की मंडली बुलाई गई है। लंगर में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद लिया। लंगर दोपहर एक बजे शुरू होकर शाम पांच बजे तक चला। इस मौके पर जसवीर सिंह रेखी, मनवीर सिंह भाटिया, दलजीत सिंह, एसवी सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शीशमहल पर खर्च किए 75-80 करोड़ : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष बोले, खर्च एक संख्या है, असली लागत का तो कोई अंदाज ही नहीं है

● पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास से संबंधित 139 सवाल उठाएं

नई दिल्ली में सोमवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के बीच एक बार फिर भाजपा ने फ्लैगस्टाफ रोड स्थित पूर्व सीएम आवास (शीश महल) को लेकर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भगवा पार्टी ने सोमवार को दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास से संबंधित 139 सवाल उठाएं हैं। उनके काले कारनामों को उजागर किया है। इन आरोपों पर आम आदमी पार्टी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2022 की कैग रिपोर्ट में शीश महल पर 33.86 करोड़ रुपए खर्च का हवाला दिया गया है, लेकिन वास्तविक लागत उससे कहीं अधिक है। उन्होंने दावा किया, यह रिपोर्ट वर्ष 2022 तक के व्यय से संबंधित है। 2023 और 2024 के व्यय के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है। सचदेवा ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, अगर बंगले में मौजूद वस्तुओं की सूची को शामिल किया जाए तो वास्तविक लागत 75-80 करोड़ रुपये तक है। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने केजरीवाल पर हमला तेज कर दिया है और उन पर 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले में बड़े पैमाने पर किए गए मरम्मत और साजो सामान के काम में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। इस बंगले में केजरीवाल अपने मुख्यमंत्री पद के कार्यकाल के दौरान रह रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा था कि उन्होंने दिल्ली के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के बजाय शीश महल बनवाया। सचदेवा ने आरोप लगाया, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 139 सवाल उठाए हैं और केजरीवाल के काले कारनामों का बहुत बारीकी से ब्योरा दिया है। बंगले की मरम्मत का काम दिल्ली शहरी कला आयोग और दिल्ली नगर निगम की अनुमति के बिना किया गया।

भाजपा नेता ने पूछा, एक मुख्यमंत्री ने अनधिकृत तरीके से बंगला बनवाकर दिल्ली को क्या संदेश दिया। अगर बंगले की वास्तविक लागत निर्धारित करनी है तो लोक निर्माण और अन्य विभागों के खातों की जांच करनी होगी। लोक निर्माण विभाग ने बंगले के निर्माण के लिए सरकारी एजेंसी के रूप में काम करने के बजाय केजरीवाल को खुश करने के लिए निजी संगठन के रूप में काम किया। यहां एक प्रारम्भिक टिपण्णी आवश्यक है जिस तरह पीडब्लूडी अधिकारियों ने हर नियम हर कानून को इस आवास को बनवाने के लिए तोड़ा वह साफ करता है की यह एक भ्रष्टाचार में गिव एंड टेक का मामला है। ऐसा लगता है कि मुख्य मंत्री एवं संबंधित मंत्री ने भी अफसरों के अनेक भ्रष्टाचारों पर इसी तरह आंखें मूंदी होंगी।

1984 के सिख दंगा पीड़ितों तक न्याय की राहत पहुंची

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1984 के दंगा पीड़ित परिवारों को नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। जिसके बाद उन्होंने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उन्हें न्याय दिलवाने पर आभार प्रकट किया। सचदेवा ने कहा है कि कांग्रेस के शासन में वर्ष 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के परिजनों तक आज न्याय की एक राहत पहुंची तो उनके चेहरे की मुस्कान उनके प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति सम्मान साफ दर्शा रही थी। सचदेवा ने कहा कि सज्जन कुमार के जेल जाने से सिखों को पहला संतोष मिला था, अब नौकरी मिलने से दूसरी राहत मिली और शीघ्र जगदीश टाइटलर के जेल जाने से पूरा संतोष मिलेगा।

दिल्ली अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम को उपराज्यपाल की मंजूरी

● आप सरकार के 6 वर्षों के विलंब से बनाए गए इन नियमों से, असहाय लोगों को धोखाधड़ी वाली योजनाओं से बचाया जा सकेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली सरकार के वित्त विभाग के दिल्ली अनियमित जमा योजना प्रतिबंध नियम, 2024 की अधिसूचना को मंजूरी दे दी है।

यह पहल अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 की धारा 38 के मद्देनजर की गई है। इसमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय की सलाह पर स्वयं सहायता समूहों के लिए भी विशेष प्रविधान किया गया है। नियमों की अधिसूचना से यह सुनिश्चित होगा कि असहाय लोगों की बचत पर डाका डालने के लिए जालसाज किसी भी तरह कि झूठी योजनाओं का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम,2019, को राजपत्र अधिसूचना के तहत 31 जुलाई 2019 को लागू किया था।

इसका मकसद व्यवसाय के लिए सामान्य रूप से संचालित योजनाओं को छोड़कर, अनियमित जमा योजनाओं को प्रतिबंधित करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना था, जिससे जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा की जा सके। अधिनियम की धारा 38(1) के अनुसार, राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की सरकार को केंद्र सरकार के परामर्श से अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए नियम जारी करना आवश्यक है।

नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में हुआ वोटर घोटाला : आतिशी

प्रेसवार्ता के दौरान सीएम आतिशी भाजपा के नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी से आहत हो गईं और उनकी आंखें नम हो गईं। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में वोटर घोटाले का आरोप लगाया जहां से आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल आगामी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। आप लगातार मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगा रही है। वहीं मुख्यमंत्री आतिशी, भाजपा के नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी पर आंखें नम हो गई

आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले कुछ दिनों में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में 10 प्रतिशत नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और 5.5 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इस मामले में निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया और कहा कि आयोग की भूमिका संदिग्ध है क्योंकि उन्होंने मामले की जांच नहीं की है। उन्होंने कहा, मैंने नई दिल्ली विधानसभा में हुए इस घोटाले के संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखा है और हमारी चिंताओं के समाधान के लिए समय मांगा है।

संवाददाता सम्मेलन में मौजूद आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा एवं संजय सिंह ने भी इसी तरह के दावे दोहराए। आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने दावा किया कि उनकी पत्नी अनीता सिंह का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन दायर किया गया था। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोपों को लेकर 11 दिसंबर को निर्वाचन आयोग से मुलाकात की। फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही मतदाताओं के नाम कथित रूप से हटाए जाने का मामला विवादास्पद मुद्दा बन गया है। पिछले चुनाव में 70 में से 62 सीटें जीतने के बाद आप का लक्ष्य लगातार तीसरी बार सत्ता में आना है।

किराड़ी में किया स्कूल का उद्घाटन

● आधुनिक सुविधाओं से लैस 68 कक्ष वाले स्कूल का दो पालियों में होगा संचालन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को किराड़ी में एक सरकारी स्कूल का उद्घाटन किया और इसे क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। इस स्कूल में 68 कक्ष हैं और यह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैंस है। स्कूल का संचालन दो पालियों में होगा। प्रत्येकपाली में लगभग 2,000 छात्र पढ़ाई करेंगे। स्कूल में आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें जीव विज्ञान और कंप्यूटर शामिल हैं। स्कूल में लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है।

उद्घाटन समारोह में आतिशी ने कहा, एक समय यह ऐसा अविकसित क्षेत्र माना जाता था, जहां स्कूल, उचित जलापूर्ति और सीवर प्रणाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब किराड़ी में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा, इस विश्व स्तरीय स्कूल की स्थापना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सिसोदिया के घर सीबीआई छापा मारेगी : केजरीवाल

नई दिल्ली। आप प्रमुख नेता अरविंद केजरीवाल ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देते हुए सोमवार को दावा किया कि सीबीआई अगले कुछ दिनों में पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया के घर पर छापेमारी करेगी। केजरीवाल ने ऐसे समय में यह आरोप लगाया है जब दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले माह चुनाव हैं। निर्वाचन आयोग चुनाव का ऐलान करने वाला है।

विधानसभा चुनाव के लिए तीन प्रमुख राजनीतिक दल आप , भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी नए साल के पहले सप्ताह में यहां के लोगों को दो बार संबोधित किया है।

नौ बांग्लादेशियों को वापस भेजा गया

● पुलिस द्वारा चलाए गए सत्यापन अभियान के दौरान पकड़े गए थे

पुलिस हिरासत में अवैध बांग्लादेशी नागरिक।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे नौ बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेज दिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश के इन नागरिकों को पुलिस द्वारा चलाए गए सत्यापन अभियान के दौरान पकड़ा गया।

मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्त एम. हर्षवर्धन ने बताया कि जनवरी में वापस भेजे गए नौ बांग्लादेशी नागरिकों में वे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें जामा मस्जिद और नबी करीम इलाकों में सत्यापन अभियान के दौरान पकड़ा गया था।

पुलिस उपायुक्त ने कहा, इनमें मोहम्मद इमान हुसैन शामिल है, जिसने एक एजेंट को पैसे देकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था, तथा मोहम्मद शर्मिन परवेज भी, जिसका वीजा अक्टूबर 2024 में समाप्त हो गया था। अन्य लोग वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी यहां रुके रहे और भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल करने का प्रयास कर रहे थे।

उन्होंने कहा, जनवरी के पहले सप्ताह में 14 अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया, जबकि पिछले साल पांच को निर्वासित किया गया था।

डीटीसी बस कंडक्टर ने चालक के शराब पीने पर की हत्या

● आरोपी ने बाद में पीड़ित के शव के साथ पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम के बस कंडक्टर ने शराब पीने के दौरान चालक को गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में पीड़ित के शव के साथ पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार रात उत्तरी दिल्ली जिले के अलीपुर इलाके में हुई जब एक वैन के अंदर एक साथ शराब पीने के दौरान दिल्ली परिवहन निगम के दो कर्मचारियों योगेश और मंजीत के बीच बहस हो गई। पुलिस ने बताया कि विवाद बढ़ने पर नशे में धुत योगेश ने मंजीत की छाती में गोली मार दी। इसके बाद वह शव के साथ वैन चलाकर अलीपुर पुलिस थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अपराध कबूल करने वाले आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी और पीड़ित, दोनों मोहम्मदपुर गांव के निवासी थे, करीबी दोस्त माने जाते थे। पुलिस यह पता लगाने के लिए योगेश से पूछताछ कर रही है कि किस वजह से बहस शुरू हुई जो उसने मंजीत को गोली मार दी।

पार्किंग ठेकेदारों के अधिक राशि वसूलने पर लगेगी रोक

● एमसीडी ने विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित मोबाइल एप्लिकेशन एमसीडी पार्किंग बनाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम आम लोगों को सुविधाजनक पार्किंग मुहैया करवाने के लिए विशेष पहल शुरू की है। विभिन्न एमसीडी अधिकृत पार्किंग स्थलों पर ठेकेदारों द्वारा मनमाना किराया वसूलने की शिकायतों को एमसीडी ने गंभीरता से लिया है। इस समस्या को हल करने के लिए निगम ने एक विशिष्ट क्यूआर कोड आधारित मोबाइल एप्लिकेशन एमसीडी पार्किंग तैयार किया गया है। इसे आरपी सेल, एमसीडी क्षेत्र में चलने वाली सभी पार्किंग स्थलों पर शुरू किया गया है।

इस नयी व्यवस्था में, यात्रियों को अपने मोबाइल में एंड्रॉइड पर प्लेस्टोर से उपरोक्त एप्लिकेशन इंस्टॉल करना होगा। इस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से वाहन चालक अपने वाहन के लिए पार्किंग स्थल पर भुगतान किए जाने वाले सटीक पार्किंग शुल्क का पता चल जाएगा। क्यूआर कोड सभी पार्किंग स्थलों पर उपलब्ध होगा। एप्लिकेशन को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

भलस्वा के लोगों को फिर से सता रहा उपेक्षा का डर

विधानसभा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो।

दिसंबर 2022 के एमसीडी चुनावों के दौरान किए गए वादों ने दिल्ली के उत्तर-पश्चिम जिले में कचरे के विशाल पहाड़ की ढलान पर स्थित भलस्वा गांव के लोगों के बीच बेहतर जीवन की उम्मीदें फिर से जगा दी थीं। तब से दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन भलस्वा के लोग बढ़ती हुई स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच बदतर हालात का सामना कर रहे हैं।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ने राजधानी के तीन लैंडफिल स्थलों को प्रमुख चुनावी मुद्दा बना दिया था। लेकिन, भलस्वा के लोगों को अफसोस है कि चुनाव के बाद उन्हें कोई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को नहीं मिला क्योंकि राजनीतिक दलों के सारे वादे धरे के धरे रह गए। भलस्वा में रहने वाले अंकित कुमार (22) ने अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में कहा, हम कई वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं। यहां कोई भी सुरक्षित नहीं है, यहां तक कि जानवर भी नहीं। गायों के पेट में केवल प्लास्टिक है। अंकित हाल ही में तपेदिक (टीबी) से ठीक हुए हैं। क्षेत्र के पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी खतरों की ओर इशारा करते हुए अंकित कुमार ने कहा, चुनाव के समय नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे, जिन्हें चुनाव के तुरंत बाद वह भूल गए। हाल ही में पानी की एक पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन यही एकमात्र बदलाव है जो दिखाई दे रहा है। भलस्वा के दृश्य स्वयं ही सब कुछ बयां कर रहे हैं। यहां चारो तरफ फैला कचरे का अंबार जहां तहां देखा जा सकता है। यद्यपि साइट पर भारी मशीनरी काम करती देखी जा सकती है, लेकिन लोगों का दावा है कि यह सफाई के एक स्थाई प्रयास से बहुत दूर है।

● विशाल कचरे के पहाड़ से क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का करना पड़ रहा सामना

संक्षिप्त समाचार

विस अध्यक्ष ने ख्वाजा गरीब नवाज के दर पर भेजी चादर

नई दिल्ली। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने विधानसभा से ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें उर्स के लिए चादर भेजी। इस अवसर पर दिल्ली उर्स कमेटी के चैयरमैन एफ आई इस्मायली, शाहिद अंसारी के साथ कई जायरीन भी उपस्थित थे। गोयल ने चादर पेश करते हुए कहा की उन्होंने ख्वाजा गरीब नवाज से दिल्ली वालों के लिए अमन चैन की दरख्वास्त की है। साथ ही ख्वाजा साहब ने जीवनभर धर्म, जाति, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर सिर्फ लोगों की भलाई, खुशहाली और भाईचारे के लिए ही सोचा और काम किया। दिल्ली सरकार हर वर्ष अजमेर जाने वाले जायरीनों के लिए बुराडी में उर्स कैम्प का इंतजाम करती है। जहां जायरीनों को सब प्रकार की सुविधा मुफ्त मिलती है।

रमेश बिधूड़ी के खिलाफ युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। प्रदेश युवा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के संदर्भ में विवादित टिप्पणी करने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता रमेश बिधूड़ी के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन किया तथा उनके आवास के गेट पर कालिख से महिला विरोधी शब्द लिख दिया। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकरा के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ता साउथ एवेन्यू स्थित बिधूड़ी के आवास पर पहुंचे और उनके खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखीं थीं , जिन पर रमेश बिधूड़ी शर्म करो लिखा हुआ था। युवा कांग्रेस की ओर से जारी वीडियो के मुताबिक, संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं ने बिधूड़ी के आवास के बाहर लगे नेमप्लेट पर जूते भी मारे।

संगम विहार में युवक को गोली मारी, दो हिरासत में

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के संगम विहार इलाके में कथित तौर पर गोली लगने से 22 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया और इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे संगम विहार निवासी नासिर खान को सोहेल (22) और राहुल (24) ने गोली मार दी जो उसकी गर्दन पर लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। नासिर के करीबी रिश्तेदार आसिफ खान ने कहा कि जिस समय घटना हुई, वह नासिर से मिलने गए थे।

दिल्ली में पीएम2.5 के स्तर में लगातार दूसरे साल वृद्धि : सीएसई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो।

राजधानी दिल्ली लगातार प्रदूषित हो रही है और साल दर साल प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण पर काम कर रही देश की अग्रणी गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली की हवा में पार्टिकुलेट मैटर 2.5 (पीएम2.5) के स्तर में वर्ष 2022 के बाद से लगातार दूसरे वर्ष लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। सीएसई ने साल 2024 में हवा में पीएम2.5 के स्तर का विश्लेषण किया और इसकी तुलना पिछले सालों से की। पंजाब, हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी में पराली जलाने की घटनाओं में 37 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, दिल्ली का वार्षिक पीएम 2.5 स्तर 2024 में लगातार दूसरे साल बढ़ा। सीएसई की नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

थिंक टैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की वार्षिक पीएम 2.5 सांद्रता 2024 में बढ़कर 104.7 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर हो गई जो 2023 के स्तर से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यह राष्ट्रीय स्तर पर वायु गुणवत्ता मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से भी दोगुना है। इसमें कहा गया कि 2024 का औसत अभी भी 2018 में दर्ज सबसे अधिक 115.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 9.6 प्रतिशत कम है, लेकिन यह 2021-2023 के तीन साल के औसत से तीन प्रतिशत अधिक है, जो 2018 और 2022 के बीच मिली सफलता के निष्प्रभावी होने का संकेत देता है।

● पराली जलाने की घटनाओं में 37 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद राजधानी में बढ़ा प्रदूषण

रिपोर्ट में कहा गया कि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 2024 में पराली जलाने की कुल वार्षिक घटनाओं में 37.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। पराली जलाने के मामलों में पंजाब में 75 प्रतिशत और हरियाणा में 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सीएसई में रिसर्च एंड एडवोकेसी की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉयचौधरी ने कहा कि पीएम 2.5 के स्तर में वृद्धि को मौसम संबंधी कारकों के कारण होने वाली वार्षिक असामान्यता के रूप में नहीं देखा जा सकता तथा इसमें लगातार वृद्धि क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली ने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पूर्व में किए गए प्रयासों से मिली सफलता को निष्फल कर दिया है। वाहन, उद्योग, खुले में कूड़ा जलाना, ठोस ईंधन का उपयोग, निर्माण और धूल के स्रोतों सहित प्रदूषण के स्थानीय और क्षेत्रीय स्रोतों ने पिछले दशक में हुई दीर्घकालिक प्रगति को कमतर कर दिया है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी , 2025

'ग्रीन कॉरिडोर से बदलेगी ग्रामीण अंचल की तस्वीर'

पर्यावरण मंत्री ने कहा, जंगल सफारी परियोजना से क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का रहेगा प्रयास

● पर्यटन की दृष्टि से क्षेत्र में सृजित होंगे रोजगार के नए अवसर

गांवों में धन्यवादी दौरे को संबोधित करते मंत्री राव नरबीर सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम जिला में अरावली पर्वत श्रृंखला में बनने जा रही दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी व ग्रीन कॉरिडोर से क्षेत्र के ग्रामीण अंचल की तकदीर व तस्वीर बदलने जा रही है। कैबिनेट मंत्री सोमवार को बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव अकलीमपुर, टीकली, गेरतपुर बास व सकतपुर में अपने धन्यवादी दौरे में बोल रहे थे।

मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के विकसित होने पर पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी वहीं दूसरी ओर पर्यटन की दृष्टि से क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। राव ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इस परियोजना से सम्बंधित क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिले। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के ध्येय के साथ प्रदेश के सभी क्षेत्रों का चहुमुखी विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिले में विकास की गति को बरकरार रखते हुए नए आयाम दिए जा रहे हैं। जिससे विकास कार्यों और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में गुरुग्राम को विश्व में एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी तथा नेक नीति को लेकर हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस विश्वास के साथ हरियाणा की जनता ने भाजपा सरकार को तीसरी बार सेवा का मौका दिया है। उन उम्मीदों पर खरा उतरते हुए सरकार प्रदेश के हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी व समाज के अंतिम व्यक्ति को लेकर जनकल्याणकारी नीतियों को अमलीजामा पहनाएगी। विकास कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि आमजन की मूलभूत सुविधाओं के लिए होने वाले विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। केंद्र व हरियाणा सरकार लोगों का चहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास करने में जुटी हुई है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार और सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने लगातार योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को सशक्त करने का काम किया है।

भाजपा सरकार के कार्यकाल में गरीब, महिला, किसान सबका उत्थान हुआ है और युवा साथियों को बिना खर्ची पर्ची के नौकरी मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल ईंजन की सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है, जिससे आज की युवा पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होने वाला है।

अपहरण व हत्या के मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना बीपीटीपी की टीम ने वर्ष 2020 के एक हत्या व अपरहण के मामले फरार चल रहे आरोपी गिननाम को गांव अलीपुर बुजुर्ग से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी गिननाम वासी गांव अलीपुर बुजुर्ग सम्भल उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इस मामले में चार आरोपी वीरपाल, रमेश, राम बहादुर और बुला को वर्ष 2020 में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में थाना बीपीटीपी में वीरेन्द्र वासी गांव नगरिया नादिर शाह जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश की शिकायत पर उसकी पत्नी गीता का परिवारजन (गीता के) द्वारा 16 मई 2019 को अपहरण करने पर संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया गया था। गीता के परिवारजन द्वारा अपहरण के उपरांत गीता की हत्या कर दी गई थी। मामले में कार्यवाही करते हुए फरीदाबाद पुलिस द्वारा आरोपी वीरपाल (मृतक लड़की गीता पिता), रमेश, राम बहादुर व बुला को वर्ष 2020 में ही गिरफ्तार कर लिया था।

सड़क पार करते समय गाड़ी की टक्कर से पहलवान की मौत

● खेत से घर लौट रहा था 19 साल का विवेक, कोहरे के चलते हुआ हादसा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोहना में सड़क पार करते समय एक युवा पहलवान की गाड़ी की टक्कर लगने से मौत हो गई। वह खेत से घर लौट रहा था। कोहरे के बीच जैसे ही वह सड़क पार करने लगी तो गाड़ी की उसे टक्कर लगी।

जानकारी के अनुसार सिलानी गांव निवासी 19 वर्षीय पहलवान विवेक एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी में पढ़ता था। विवेक के चाचा विनोद के मुताबिक रविवार की देर रात वह खेत में पानी देकर घर लौट रहा था। कोहरा अधिक था। उसे कोई गाड़ी आती नहीं दिखाई दी। जब वह सड़क पार कर रहा था तो एक गाड़ी की उसे टक्कर लगी। वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही गिर गया। दूसरी तरफ वाहन चालक गाड़ी लेकर फरार हो गए। विवेक को परिजनों ने गुरुग्राम मेदांता मेडिसिटी में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोहना थाना पुलिस भी इस घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। सोहना थाना प्रभारी जसवंत सिंह के मुताबिक मृतक युवक के चाचा के बयानन पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

दिल्ली में नहीं बनेगी आप-दा सरकार: विजय

● दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने के लिए गुरुग्राम के कार्यकर्ता करेंगे मेहनत

● आम आदमी पार्टी के झूठे वायदों पर जनता नहीं करेगी भरोसा

विजय परमार।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री एवं नगर निगम के वार्ड-32 से भावी पार्षद उम्मीदवार विजय परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। देश की जनता को भाजपा के वायदों पर भरोसा है। इसलिए हर राज्य में भाजपा की सरकारें बनती आ रही हैं। अब निकट भविष्य में दिल्ली में भी चुनाव होने हैं। इस बार दिल्ली में आप-दा सरकार को जनता चलता करेगी और भाजपा की मजबूत सरकार बनाएगी। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने के लिए गुरुग्राम के कार्यकर्ता भी मेहनत करेंगे।

विजय परमार ने कहा कि दिल्ली में आप-दा सरकार ने विकास के नाम पर सिर्फ वायदे किए, कुछ काम नहीं किए। जनता परेशान है। दिल्ली की लाइफ लाइन यमुना को साफ करने का जो वायदा किया था, उस पर काम नहीं किया गया। आम आदमी पार्टी की सरकार में आज भी यमुना मैली ही है। विजय परमार ने कहा कि जो काम दिल्ली सरकार को करना था, वह काम सरकार कर नहीं पाई।

सिर्फ एलजी के नाम पर दोषारोपण करने में सरकार लगी रही है। झोंपड़ियों में रहने वालों को वोट बैंक आप-दा सरकार समझती है, उनके लिए सरकार ने कभी कुछ किया नहीं। बेघरों को घर देने की पहल भी प्रधानमंत्रीमोदी ने की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का समग्र विकास करने के लिए अब जरूरी है कि भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली में भी सरकार बने। दिल्ली की जनता सरकार बदलने के लिए तैयार है। समस्याओं से दिल्ली की जनता त्रस्त है। विजय परमार ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने में गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं की भी भूमिका रहेगी।

पोक्सो एक्ट मामले में आरोपी का सहयोग करने वाला पिता गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के मामले में आरोपी का सहयोग करने वाला पिता को गिरफ्तार किया है। जिसे अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत भेज दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 5 जुलाई 2024 को नाबालिग लड़की ने महिला थाना एनआईटी में पोक्सो एक्ट की धाराओं के अंतर्गत शिकायत दी गई थी। जिसपर महिला थाना पुलिस ने मामला पंजीकृत करके अनुसंधान आरम्भ किया गया।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने पीड़िता के साथ अपने पिता अर्जुन के सामने मांग में सिंदूर भरकर शादी कर ली तथा उसे अपने घर डबुआ में रखा। मामले में आगे कार्यवाही करते हुए महिला थाना की टीम ने आरोपी का सहयोग करने के मामले में पिता अर्जुन को धारा 17 पोक्सो एक्ट के अंतर्गत गिरफ्तार किया है।

'रैन बसेरों में हो गर्म पानी, शौच व स्नानघर की सुविधाएं'

● उपायुक्त ने रविवार रात को रैन बसेरों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

गुरुग्राम में रैन बसेरे में सुविधाओं का निरीक्षण करते डीसी अजय कुमार।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रविवार रात को निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में बनाए गए रैन बसेरों का निरीक्षण कर उनमें उपलब्ध सुविधाओं का जायजा किया। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने रैन बसेरे में सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि आगंतुकों को गर्म पानी, शौच व स्नानघर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। इससे लोगों को रैन बसेरों में ठहरने पर लाभ मिलेगा।

डीसी ने स्वयं सेवी संस्थाओं व अन्य सामाजिक लोगों से अपील कर कहा कि बढ़ती ठंड को देखते हुए बेघर लोगों को रैन बसेरों में ठहरने के लिए प्रेरित करें। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान रैन बसेरों में ठहरे लोगों से फीडबैक लिया और उन्हें कंबल भी वितरित किए।

उपायुक्त ने मुख्य रूप से गुरुग्राम रेलवे रोड, भीम नगर, कादीपुर स्थित रैन बसेरों का जायजा लिया। उपायुक्त के इस निरीक्षण दौरे में रेडक्रॉस व नगर निगम अधिकारियों की टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। रैन बसेरों के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अधिक भीड़ वाली जगहों पर अस्थाई रैन बसेरों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य फ्लाई ओवर व चौक चौराहों पर निगम अपने स्तर पर पुराने आंकड़ों व औसत के अनुसार स्थान चिन्हित कर अस्थाई रैन बसेरे बनाकर लोगों को लाभ देना सुनिश्चित करे।

इस दौरान निगम के सिटी प्रोजेक्ट ऑफिसर महेंद्र कुमार को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि रैन बसेरों में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका भी विशेष ध्यान सभी अधिकारी रखें। रैन बसेरा में साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था के साथ-साथ शौचालय भी साफ-सुथरे रहें, इस ओर विशेष ध्यान दिया जाए। सर्दी के मौसम को देखते हुए रैन बसेरों में कंबल आदि की व्यवस्था भी पर्याप्त संख्या में की जाए।

सार्वजनिक स्थानों पर रैन बसेरों के सूचना बोर्ड लगाएं: रैन बसेरे का निरीक्षण करते हुए डीसी ने कहा कि शहर में सभी सार्वजनिक स्थानों पर रैन बसेरे से संबंधित जानकारी देते साइनेज व सूचना बोर्ड लगाए जाएं। सभी रैन बसेरों के आस-पास बोर्ड भी लगाएं, ताकि लोगो को रैन बसेरे की जानकारी उपलब्ध हो सके। इसके साथ रैन बसेरों के नोडल अधिकारी जब रात को निरीक्षण के लिए निकले तो अपने साथ गाड़ी में कम्बल जरूर रखें ताकि खुले में बाहर सोने वाले व्यक्ति को त्वरित राहत दी जा सके।

आने वाले समय में अग्रिम भूमिका में होगा खादर क्षेत्र: खेल मंत्री

● बोले, गांव की कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए कराया जा रहा सड़कों का निर्माण

● करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि राज्य सरकार गांव के प्रत्येक विकास और भव्यता के लिए संकल्पित है। इसी के चलते आज खादर क्षेत्र के गांवों में करोड़ों रुपए के शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। खेल मंत्री खादर क्षेत्र के गांव कुलैना, भोलडा और सोलडा में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के शिलान्यास करने के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

गौतम ने गांव कुलैना में करीब 42 लाख रुपए की लागत से बनने वाली व्यायामशाला, 21 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बारात घर और 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाली चौपाल के निर्माण कार्यों के शिलान्यास किए। इसके अलावा उन्होंने गांव भोलडा में करीब 18 लाख रुपए से बनने वाली फिरनी के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं उन्होंने गांव सोलडा में करीब 37 लाख रुपए की लागत से बनाई जाने वाली फिरनी, पशु अस्पताल की चार दिवारी, करीब 14 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले खेतों के रास्ते, करीब 33 लाख रुपए की लागत से सोलडा मोड से थंथरी गांव के पैंटून पुल तक जाने वाले रास्ते सहित अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

खेतों में जलभराव का होगा समाधान: गौरव

राज्य मंत्री गौरव गौतम ने खादर क्षेत्र के दौरे के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा ग्रामीणों की समस्या के अनुरूप भोलड़ा गांव के खेतों में भरे के पानी का मौके पर जाकर जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने जिला प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उन्हें निर्देशित करते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान करवाएं, ताकि खेतों में जल भराव के कारण फसल खराब न होने पाए। खेल मंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर ग्रामीणों को खेतों में जल भराव की समस्या से निजात दिलाएं। गांव खादर क्षेत्र के गांव भोलडा के आस-पास के खेतों में माइनर के ओवरफ्लो होने से जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है। इस मौके पर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने विभागीय अधिकारियों के साथ जलभराव के खेतों का बारीकी से निरीक्षण किया और सभी को आश्वस्त किया कि ग्रामीणों की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करवा दिया जाएगा।

सड़क पर जल्दी करने की बजाय घर से समय पर निकलें: डीसीपी ट्रैफिक

फरीदाबाद। सर्दी में बढ़ती धुंध व कोहरे के करण दृश्यता कम होने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ना हो कोई सड़क हादसा सभी का सफर रहे सुरक्षित, इसके लिए डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर ने यातायात पुलिस को निर्देश दिए हैं कि सभी कॉमर्शियल वाहनों व निजी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई जाए ताकि जीरो विजिबिलिटी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यातायात थाना प्रबंधक विनोद कुमार की टीम के अलावा यातायात पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। कोहरे या धुंध में आगे चलने वाले वाहन का आभास हो सके। ऐसे खराब मौसम में जल्दबाजी का सफर नुकसानदायक हो सकता है। वाहन चालक ऐसे खराब मौसम में सड़क पर जल्दबाजी करने की बजाय घर से समय पर निकले, ताकि सुरक्षित मंजिल पर पहुंच सके। ट्रैफिक पुलिस कोहरे के मौसम में सफर के दौरान सावधानी बरतने बारे समय समय पर जागरूक करती रहती है। थोड़ी सावधानी/ सतर्कता से से वाहन चालक ना केवल स्वयं को बल्कि अन्य वाहन चालकों को भी सुरक्षित रख सकता है। वर्तमान मे व आने वाले दिनों में कोहरे व धुंध के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो रही है। कई बार दृश्यता काफी (0-5 मीटर) कम हो जाती है ऐसे में सभी वाहन चालकों को सड़कों पर वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी व सतर्कता बरतनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर प्रसाद बांटते पूर्व पार्षद जसवंत सिंह।

गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर बांटा प्रसाद

फरीदाबाद। गुरू गोबिन्द सिंह जी ने हमेशा शांति व भाईचारे की अलख जगाई जो आज भी समाज में विद्यमान है यह बात निर्वतमान पार्षद सरदार जसवन्त सिंह ने सिखों के दसवें गुरू गोबिन्द सिंह जी के जन्मदिवस पर फ्रूट गार्डन एनएच-5 में ब्रेड-पकोड़े का प्रसाद वितरित करने के दौरान उपस्थित श्रृद्धालुओं से कही। इस मौके पर निर्वतमान पार्षद सरदार जसवन्त सिंह ने कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह ने हमेशा मर्यादित तथा शुभ आचरण करने,देश से प्रेम करने व दीन दुखियों की सहायता करने की सीख दी थी। आज के समय में गुरू गोबिन्द सिंह का जीवन हमारे लिए बेहद प्रांसगिक है और आज उनकी शिक्षाएं हमारे जीवन को एक आर्दश मार्ग पर ले जाने में अति सहायक साबित हो सकती है। इस मौके पर सुनील अभी, साहिल भांबरा, सुमित अभी,रणजीत सिंह, आरके मलिक, बिंटू मनचंदा, राजकुमार, हनी, दलजीत सिंह, शैंकी, राणा व अक्षय मनचंदा उपस्थित थे।

गुजरात ले जाई जा रही शराब से भरा ट्रक पकड़ा

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा। ट्रक में 170 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब भरी थी। अपराध शाखा फर्रूखनगर की टीम ने यह उपलब्धि हासिल की। अपराध शाखा फर्रुखनगर के इंचार्ज उप-निरीक्षक दीपक कुमार की टीम ने अपने विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से प्राप्त सूचना पर कार्यवाही की। अवैध शराब से भरे एक ट्रक को उसके चालक आशिक निवासी गांव बघौला जिला नूंह सहित नजदीक सैनिक पेट्रोल पंप एनएच-48 गुरुग्राम से काबू किया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी युवक के कब्जा से 170 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद करने पर उसके खिलाफ थाना बिलासपुर में एक्साइज एक्ट की सम्बन्धित धाराओं के तहत केस दर्ज किया। आरोपी से पुलिस पूछताछ में पता चला कि उसके कब्जा से बरामद हुआ ट्रक व उसमें भरी हुई शराब को फरीदाबाद से गुजरात ले जाया जाना था। पुलिस ने उसका प्लान फेल कर दिया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी से अन्य साथी आरोपियों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है।

गुरुग्राम को स्वच्छ बनाने में दें योगदान: डा. बलप्रीत

गुरुग्राम। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी बड़े कचरा उत्पादकों अर्थात बीडब्ल्यूजी के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना अनिवार्य है। इसके तहत बीडब्ल्यूजी अपने परिसर में उत्पन्न कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी निभाएं। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि नियम के तहत बीडब्ल्यूजी अपने यहां से निकलने वाले कचरे को गीले, सूखे व घरेलू हानिकारक श्रेणियों में अलग-अलग करें तथा अलग-अलग ही उसका निस्तारण सुनिश्चित करें। गीले कचरे से अपनी सुविधानुसार खाद या बायोगैस बनाएं तथा सूखा व हानिकारक कचरा संबंधित रिसायकर्ल के माध्यम से निस्तारित कराएं। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूजी कचरा प्रबंधन के लिए किसी भी एजेंसी की सहायता ले सकते हैं, बशर्ते वह एजेंसी ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना सुनिश्चित करती हो। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम द्वारा बीडब्ल्यूजी के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया हुआ है, जिस पर अभी तक 1049 बीडब्ल्यूजी अपना पंजीकरण करा चुके हैं। शेष बचे बीडब्ल्यूजी भी अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराएं।

बिल्डर व आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनवाते मंत्री राजेश नागर।

बीपीटीपी बिल्डर व आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि कई मुद्दों पर सहमत

● मंत्री राजेश नागर के आवास पर हुई थी बैठक, बाकी मामलों पर चंडीगढ़ में की जाएगी बात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मंत्री राजेश नागर के निवास भतोला पर बीपीटीपी बिल्डर और निवासियों के बीच बैठक हुई। जिसमें दोनों ने अपने अपने पक्ष रखे लेकिन संतुष्टि नहीं हुई। जिस पर नागर ने अब दोनों पक्षों को चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करने का निर्णय लिया है।

आज की बैठक में बीपीटीपी के निदेशक मानक मणि और बीपीटीपी के विभिन्न सोसाइटीज प्लॉट्स सेक्टर 75, ग्रैंड्यूरा सेक्टर 82, पार्क प्राइड सेक्टर 76 के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। जिसमें बिजली, पानी, सफाई, पार्क, सड़क आदि में से कुछ पर सहमति बन गई और कुछ के लिए बिल्डर ने दो महीने का समय मांगा है। लेकिन बीपीटीपी की सोसाइटीज में क्लब बनाने, रखरखाब का चार्ज न बढ़ाए जाने आदि पर बात नहीं बन सकी। जिस पर मंगलवार को चंडीगढ़ में मंत्री राजेश नागर की उपस्थिति में वार्ता होगी और हल भी निकलेगा।

गौरतलब है कि अपने निवास पर खुले दरबार में लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान मंत्री राजेश नागर ने बीपीटीपी निदेशक मानिक मणि को फोन कर आज अपने निवास पर तलब किया था। जिसमें कई मुद्दों पर बात बन गई। लेकिन बाकी बचे मुद्दों पर आला अधिकारियों की मौजूदगी में चंडीगढ़ बुलाया गया है।

एचएमवीपी वायरस से उद्योगों के लिए सतर्कता जरूरी: मैनी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नए वायरस एचएमवीपी के भय के बीच दिल्ली-एनसीआर के उद्योगों पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि एचएमवीपी वायरस के प्रसार और इसके प्रभाव को लेकर अभी तक पूरी जानकारी नहीं है। फिर भी हमें सतर्कता और सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

दीपक मैनी।

महामारी के समय सीखे गए सबक और सुरक्षा उपायों को पुनः लागू करना अब उद्योगों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। मैनी ने कहा कि चीन में हाल ही में सामने आए नए वायरस एचएमवीपी ने दुनियाभर में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। भारत में भी इसका एक मरीज सामने आया है। इससे आमजन से लेकर उद्योग जगत में भी चिंता देखी जा रही है। कोरोना महामारी के अनुभवों को देखते हुए इस नए वायरस के प्रसार को लेकर हर कोई सतर्क है। उन्होंने कहा कि चीन से कच्चे माल और उत्पादों की आपूर्ति में रुकावट आ सकती है।

एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में एमडीयू को मिला 35वां स्थान

● कुलपति प्रो. राजबीर सिंह के नेतृत्व में महर्षि दयानंद विवि ने की उल्लेखनीय प्रगति

● नई एजुकेशन पॉलिसी एनईपी 2020 का 2024-25 से होगा क्रियान्वयन

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

पिछले छह वर्षों में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भविष्य के लिए रोड मैप के तहत विश्वविद्यालय के समग्र विकास की योजना है। नई एजुकेशन पॉलिसी-एनईपी 2020 का क्रियान्वयन सत्र 2024-25 से प्रभावी ढंग से किया गया।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने 7 जनवरी 2019 को विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का अतिरिक्त प्रभार संभाला था। 21 फरवरी 2020 को उन्होंने इस विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति पद का पदभार ग्रहण किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने एमडीयू एक्ट 1975 के प्रावधानों के तहत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह को 21 फरवरी 2023 से 3 वर्ष की कार्य अवधि के लिए कार्यकाल में विस्तार दिया था।

नैक से वर्ष 2019 में ए-प्लस ग्रेडिंग प्राप्त की: कुलपति के कार्यकाल में मदवि ने नैक से वर्ष 2019 में ए-प्लस ग्रेडिंग प्राप्त की है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में वर्ष 2019 से लेकर 2023 तक निरंतर देश के श्रेष्ठ 100 विश्वविद्यालयों की सूची में स्थान प्राप्त किया। वहीं, हरियाणा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में मदवि प्रथम स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय का औषध विज्ञान विभाग राष्ट्र के श्रेष्ठ 50 औषध विज्ञान संस्थानों की सूची में शामिल रहा। एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में एमडीयू को पूरे भारत में राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 35वां रैंक प्राप्त हुआ।

लोहगढ़ में बनेगा बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल व सीएम नायब सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में हुई परियोजना विकास समिति की बैठक

● पहले चरण में 74 करोड़ रुपये की लागत से होगा किले का जीर्णोद्धार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लोहगढ़ परियोजना विकास समिति की बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सिंह।

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को लोहगढ़ परियोजना विकास समिति की बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। समिति का गठन यमुनानगर जिले के लोहगढ़ में बनने वाले विश्वस्तरीय बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक के विकास की देखरेख के लिए किया गया है।

हरियाणा सरकार ने लोहगढ़ में बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक की प्रगति की निगरानी के लिए लोहगढ़ परियोजना विकास समिति का गठन किया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समिति के मुख्य संरक्षक, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इसके अध्यक्ष हैं।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक का निर्माण मुख्य रूप से उनकी जीवनी पर केंद्रित होना चाहिए, जिसमें उनकी बहादुरी और बलिदान की वीरगाथा की झलक हो। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि स्मारक में बाबा बंदा सिंह बहादुर सहित देश भर में मुगलों के खिलाफ अन्य सिख गुरुओं द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों को समर्पित एक संग्रहालय का भी निर्माण होना चाहिए।

स्मारक के डिजाइन का उद्देश्य जनता, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को वीर बाबा बंदा सिंह बहादुर के इतिहास और वीरतापूर्ण योगदान के बारे में शिक्षित करना होना चाहिए। स्मारक की स्थापना में अतीत में प्रचलित रहे पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट को भी बढ़ावा देने की ओर भी ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

बैठक में बताया गया कि पहले चरण में लगभग 74 करोड़ रुपये की लागत से किले के जीर्णोद्धार और संवर्धन, किलेनुमा दीवार का निर्माण, प्रवेश द्वार, नानकशाही सिक्का का निर्माण, साइट का भूनिर्माण और स्मारक का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, एक अत्याधुनिक संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा, जिसमें बाबा बंदा सिंह बहादुर की जीवन गाथा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभव तैयार किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र के पिपली में बनेगा सिख संग्रहालय

सिख संग्रहालय की स्थापना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि यदि हरियाणा में कोई ऐसा स्थान है जहां गुरुओं के चरण सबसे अधिक पड़े हैं तो वो कुरुक्षेत्र है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिपली में तीन एकड़ भूमि पर सिख संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित एक भव्य संग्रहालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरित यह संग्रहालय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के भंडार के रूप में कार्य करेगा। बैठक में पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा, कंवर पाल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नायब सैनी ने जारी किया कुरुक्षेत्र विवि का कैलेंडर

● पंचांग में वर्षभर की गतिविधियों को किया गया है समाहित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का वार्षिक एवं धरोहर हरियाणा संग्रहालय का कैलेंडर जारी किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा उपस्थित थे।

यह जानकारी कुवि के लोक संपर्क विभाग के निदेशक डॉ महा सिंह पुनिया ने दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सामान्य शाखा द्वारा जारी किया गया दीवार कैलेंडर एवं धरोहर हरियाणा संग्रहालय द्वारा तैयार किया गया टेबल कैलेंडर आज हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने निवास स्थान चंडीगढ़ में जारी किया। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय के धरोहर हरियाणा संग्रहालय की ओर से हर वर्ष टेबल कैलेंडर जारी किया जाता है।

इस वर्ष भी धरोहर कैलेंडर को मुख्यमंत्री ने जारी कर विश्वविद्यालय की सभी गति गतिविधियों को कैलेंडर के माध्यम से प्रचार एवं प्रसार करने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने की बात कही। उन्होंने कहा कि विवि संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में धरोहर कैलेंडर के माध्यम विश्वविद्यालय एवं धरोहर संग्रहालय की साल भर की गतिविधियों को समाहित किया गया है। इसके साथ ही धरोहर हरियाणा संग्रहालय के 12 चित्र भी जारी किए गए हैं। डॉ महासिंह पूनिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों कैलेंडर हर वर्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल द्वारा जनता को समर्पित किए जाते हैं, उसी कड़ी में आज चंडीगढ़ में विश्वविद्यालय के दोनों कैलेंडर जारी कर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को समर्पित किए।

जींद में सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

जींद। माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रही नोएडा की दो महिलाओं की यहां हुए एक सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग जख्मी हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। लुदाना चौकी के जांच अधिकारी बिजेंद्र सिंह ने सोमवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के कटरा स्थित वैष्णा देवी से वापस लौटते समय राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर रविवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर भिड़ताना के पास सड़क की रेलिंग तोड़कर नीचे खेतों में जा गिरी। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद कार सवार चारों लोग गाड़ी में बुरी तरह से फंस गए जिन्हें मुश्किल से निकाला गया।

इन सभी को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उत्तर प्रदेश में नोएडा निवासी 35 वर्षीय सुप्रिया और 22 वर्षीय सुषमा को मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल 38 वर्षीय अर्जुन और 22 वर्षीय सैफ को उपचार के लिए पीजीआई, रोहतक रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

एसीबी में नियुक्तियों पर नहीं चलेगी सिफारिश, नियम बदले

● अब पोर्टल पर ऑनलाइन करना होगा आवेदन, योग्यता के आधार पर होगी तैनाती

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो में अब किसी भी मौखिक या लिखित सिफारिश के आधार पर तैनाती नहीं होगी। इसके लिए इच्छुक कर्मचारियों को बकायदा ऑनलाइन आवेदन करना पड़ेगा। एसीबी ने अब तैनातियों के लिए साइट ओपन कर दी है। एसीबी में इससे पहले अधिकारियों तथा नेताओं की कथित सिफारिश के आधार पर पुलिस कर्मियों की तैनाती हो जाती थी। अब एसीबी में नियुक्तियों को लेकर नियम बदले दिए गए हैं।

एसीबी प्रवक्ता ने सोमवार को जारी जानकारी में बताया कि एक वेब पोर्टल विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य योग्य पुलिस कर्मचारियों को एसीबी में प्रतिनियुक्ति पर लेने का है। जो पुलिस कर्मचारी अपनी स्वेच्छा से प्रतिनियुक्ति पर आना चाहते है वह इस पोर्टल पर सीधे एप्लाई कर सकते है। इस पोर्टल के बारे जानकारी सभी फील्ड यूनिट्स तक पहुंचाने के लिये ए.सी.बी. द्वारा एक पत्र पिछले महीने पुलिस महानिदेशक हरियाणा को लिखा गया था। पुलिस महानिदेशक कार्यालय द्वारा इस पत्र को सभी जिला पुलिस अधीक्षकों व पुलिस आयुक्तों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिये अब प्रेषित किया गया है।

पंजाब और हरियाणा में कड़ाके की ठंड जारी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा के कई स्थानों पर सोमवार को भी ठंड की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर जिले में बल्लोवाल सौखड़ी सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पंजाब के अन्य स्थानों पर न्यूनतम तापमान अमृतसर में 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस, पटियाला में 8.4 डिग्री, पठानकोट में 9.3 डिग्री, बठिंडा में 7.4 डिग्री और गुरदासपुर में 8.0 डिग्री सेल्सियस रहा। हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 9.4 डिग्री, करनाल में 8.5 डिग्री, नारनौल में 7.5 डिग्री, भिवानी में 10.0 डिग्री और सिरसा में 12.0 डिग्री दर्ज किया गया।

एएमओ की भर्ती परीक्षा पर हरियाणा के युवाओं ने उठाए सवाल

● दर्जनों युवाओं का दावा, टॉपरों को किया बाहर तो कम अंक वाले बनेंगे अफसर

● एचपीएससी की भर्ती प्रक्रिया फिर से विवादों में

● न आरटीआई में मिल रहा जवाब, न दिखा रहे उत्तर पुस्तिकाएं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा निकाली गई आयुर्वेदिक मेडिकल अफसर की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए हरियाणा के विभिन्न जिलों से चंडीगढ़ पहुंचे दर्जनों युवाओं ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में घोटाले का आरोप लगाया है। उक्त युवाओं को आरोप है कि विभिन्न परीक्षाओं के टॉपरों को जानबूझकर भर्ती परीक्षा में फेल कर दिया गया है।

युवाओं ने हरियाणा के राज्यपाल व राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इस भर्ती घोटाले की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। इस मामले में दायर याचिका पर हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी।

प्रदेश में युवाओं की भर्तियों के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली श्वेता ढुल्ल ने सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एचपीएससी द्वारा करीब 12 साल बाद 805 आयुर्वेदिक मेडिकल अफसरों के पदों पर भर्तियां शुरू की गई हैं। जिसमें कम अंक वालों को चयन कर दिया गया है और

अधिक अंक वालों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इसके लिए 18 हजार अभ्यर्थियों ने पहला पेपर दिया जो 100 अंकों का ऑब्जेक्टिव पेपर था। इसका परिणाम 9 अक्टूबर 2024 को जारी किया गया।

इसमें 25 प्रतिशत अंक वाले को ही अगले पेपर में बैठने का मौका दिया गया। इसके बाद 17 नवंबर को सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट लिया गया। जिसका परिणाम तीन दिसंबर को जारी किया गया। इसमें 35 प्रतिशत अंक लेने अनिवार्य थे। उन्होंने कहा कि सौ सवालों में से एक भी सवाल हरियाणा से संबंधित नहीं था। दूसरे पेपर में 912 अभ्यर्थियों को पास दिखाया गया। इस पेपर में हरियाणा के यूनिवर्सिटी टॉपर, गोल्ड मेडलिस्ट, पीजी स्कॉलर, कालेजों में पढ़ा रहे प्रोफेसर तक को फेल दिखा गया है। डॉ. कविता कुमारी नामक एक ऐसी महिला को फेल दिखाया गया जो कई परीक्षाओं में टॉप के अलावा इस समय आईआईटी दिल्ली से पीएचडी कर रही है। ऐसे बच्चों को फेल दिखाया गया है जिन्होंने स्क्रीनिंग टेस्ट में 80 प्रतिशत तक अंक हासिल किए हैं।

महज 25 से 30 अंक लेने वालों को पास दिखाया गया है। श्वेता ढुल्ल के साथ यहां पहुंची डॉ. तमन्ना लोहचब पीजीआईएमएस की टॉपर रही है। डॉ.स्वाति रहेजा के स्क्रीनिंग टेस्ट में 75.81 प्रतिशत अंक आए हैं। डॉ.अंकित लाकड़ा, डॉ. हार्दिक, डॉ. अभिलाषा कई परीक्षाओं में टॉप कर चुके हैं। एएमओ की परीक्षा में फेल हुए अभ्यर्थियों ने कहा कि उनकी मांग पर एचपीएससी द्वारा न तो उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जा रही हैं और न ही आरटीआई में कोई जवाब दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने एएमओ परीक्षा में घोटाले का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल, दो फरार

● सीआईए इंचार्ज को भी लगी गोली, बुलेट प्रुफ जैकेट ने बचाई जान

● अंधेरे में फरार हुए दो बदमाशों की धरपकड़ के लिए चल रही छापेमारी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से गोलियां चलीं। क्रॉस फायरिंग में 2 बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। इस मुठभेड़ में सीआईए इंचार्ज को भी गोली लगी है, लेकिन बुलेट प्रुफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई। पुलिस ने घायल बदमाशों को नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया है। इनके 2 साथी अंधेरे का फायदा उठा कर भाग गए।

पकड़े गए एक आरोपी का पिछले दिनों पलवल में जमीन विवाद में झगड़ा हो गया था। जिसके बाद इनके खिलाफ हसनपुर थाने में केस दर्ज हुआ था। सोमवार को आरोपी शिकायतकर्ताओं की हत्या करने के लिए पहुंचे थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया। गिरफ्तार बदमाशों के पास से पुलिस ने 2 देसी कट्टा, पांच कारतूस व चली हुई गोलियों के 3 खोल और एक बाइक बरामद की है। दोनों पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, फिरौती आदि के 32 मुकदमे दर्ज हैं।

डीएसपी क्राइम मनोज वर्मा ने बताया ने मुठभेड़ के बारे में बताते हुए कहा कि सोमवार सुबह 2-3 बजे सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया के नेतृत्व में पुलिस की टीम गश्त पर थी। उसी समय सूचना मिली कि मुंडकटी-सेवली रोड पर एक प्लाट में बने कमरे में तीन-चार युवक हैं। उनके पास अवैध हथियार हैं और किसी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इनमें एक राजस्थान का बदमाश है, जिस पर काफी मुकदमे दर्ज हैं।

पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी के संविदा कर्मचारियों की हड़ताल

चंडीगढ़। पंजाब रोडवेज और पेप्सू सड़क परिवहन निगम के संविदा कर्मचारियों ने नौकरी नियमित करने सहित अन्य मांगों को लेकर सोमवार को तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के कारण राज्य भर में विभिन्न बस अड्डों पर यात्री फंसे रहे। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पंजाब रोडवेज और पेप्सू सड़क परिवहन निगम (पीआरटीसी) की लगभग 2,800 बसें सड़कों से नदारद रहीं। पंजाब रोडवेज, पनबस, पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष रेशम सिंह गिल ने कहा कि हड़ताल में करीब 8,000 संविदा कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

आठ से 13 जनवरी तक फरीदाबाद आएंगे कश्मीरी युवा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वतन को जानो पांचवे कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन बुधवार 8 जनवरी से 13 जनवरी तक सतयुग दर्शन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भुपानी में किया जाएगा जाएगा। यह जानकारी नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा अधिकारी प्रियंका मलिक ने दी। प्रियंका ने बताया कि माय भारत नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से अयोजित पांचवे कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत फ़रीदाबाद में कश्मीरी युवाओं का दल 8 से 13 जनवरी तक रहेगा। कश्मीर के 6 जिलों श्रीनगर, बड़गांव, अनंतनाग, पुलवामा, कुपवाड़ा और बारामूला के 132 प्रतिभागी जिले में पहुंच रहे हैं।

बच्चियों का अश्लील वीडियो बनवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

● महिला व उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 58 थाना इलाके की राजीव कालोनी में एक महिला अपनी कुछ साथियों के साथ मिलकर नाबालिग बच्चियों से अश्लील वीडीयो बनवाने का गिरोह चलाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपी महिला बच्चियों से लोगों को वीडियो कॉल कराती और अश्लील हरकत के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठने का काम करती हैं। एक बच्ची ने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी महिला व उसके साथी फिलहाल फरार हैं।

पीड़िता बच्ची ने पुलिस को दी शिकायत में बताया वह दो भाई बहन हैं। पीड़िता की उम्र 14 साल है। छठी तक पढ़ाई के बाद बच्ची ने स्कूल छोड़ दिया। उनके पड़ोस में संगीता नाम की महिला रहती है। उनकी बेटी पीड़िता की दोस्त है। बच्ची अपनी सहेली से मिलने उसके घर जाती रहती थी। एक दिन वह अपनी सहेली से मिलने संगीता के घर गई थी। आरोपी महिला अपने कमरे में सन्नी नाम के युवक के साथ वीडियो कॉल पर बात कर रही थी। महिला ने बच्ची को भी उसी कमरे में एक कुर्सी पर बैठा लिया और सन्नी के साथ वीडियो कॉल पर महिला ने अश्लील हरकतें शुरू कर दी।

महिला ने बच्ची को कहा कि तू भी इसी तरह से कर इसके बदले में तुझे चार हजार रुपये मिलेंगे। ये बात किसी को मत बताना। बच्ची डर गई और कमरे से भागकर बाहर आ गई। कुछ दिन बाद आरोपी महिला ने बच्ची को अपने घर बुलाया। वहां सन्नी नाम का युवक पहले से मौजूद था। महिला ने कहा तुम दोनों आराम से बात करो। महिला ने कमरे का दरवाजा बंद कर दिया। आरोप है कि सन्नी ने बच्ची के साथ कमरे में गलत काम किया।

बच्ची ने शोर मचाया तो आरोपी महिला ने दरवाजा खोल दिया। सन्नी मौके से भाग गया।

महिला के पास और भी बच्चियां होने का दावा

बच्ची का कहना है वह डर के कारण अपने घर आ गई और सारी बात अपनी मां को बता दी। उसकी मां काफी डर गई और बदनामी के कारण चुप रही। नवंबर माह में आरोपी महिला ने बच्ची को एक बार फिर अपने पास बुलाया और कहा तू अपनी फोटो सन्नी के पास भेज दे। कारण पूछने पर महिला ने कहा तू उसकी गर्लफ्रेंड बन जा। बच्ची की मां ने पूरी बातचीत अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली। बच्ची व उसकी मां का कहना है कि आरोपी महिला के संपर्क में कई सारी नाबालिग बच्चियां हैं। महिला अपनी कुछ साथियों के साथ मिलकर पूरे रैकेट को चलाती है।

‘ मामला उनके संज्ञान में आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। मामला संवेदनशील होने के कारण वह पूरे केस पर नजर बनाए हुए हैं। रैकेट में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

कुलदीप सिंह, डीसीपी एनआईटी

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार ने आयोजित की ब्रह्मसरोवर की परिक्रमा

● गीता मनीषी के सानिध्य में 8 व 9 जनवरी को गीता ज्ञान संस्थानम् में आयोजित होगा खिचड़ी उत्सव

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी की प्रेरणा से श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा ब्रह्मसरोवर की मासिक परिक्रमा आयोजित की गई। इस अवसर पर राजेंद्र चोपड़ा, विकास छाबड़ा, सुनील वत्स, नवीन भारद्वाज, जयभगवान शर्मा और रामकुमार शर्मा द्वारा गाए गए राधा और कृष्ण भाव के भजनों से ब्रह्मसरोवर का वातावरण गुंजायमान हो गया। कृपा बनी रहे प्रभु, आपकी हर हाल में... भजन पर श्रद्धालु जमकर थिरके।

परिक्रमा का शुभारंभ सरवेश्वर महादेव मंदिर के सामने से मुख्यातिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील राणा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। ठाकुर जी की पालकी के साथ आयोजित परिक्रमा में विजय नरूला, धर्मपाल शर्मा, सुनील छाबड़ा, पंकज भारद्वाज, रमाकांत शर्मा, केसी कत्याल, वेदप्रकाश गर्ग, अनिल शर्मा, अशोक कौशल, तरूण धमीजा, कृष्ण कुमार पुंडरी, गीता ज्ञान संस्थानम के मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा व सुरेंद्र शर्मा बारना सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सरकारी व निजी नशा मुक्ति केंद्रों में दी जा रही सुविधाओं का डीसी ने लिया जायजा

● नशा मुक्ति का प्रयास कर रहे लोगों का बढ़ाया मनोबल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोमवार को जिले में स्थित नशा मुक्ति केंद्रों का जिला उपायुक्त अजय कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी और निजी नशा मुक्ति केंद्रों में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और वहां उपचार ले रहे व्यक्तियों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया। उपायुक्त ने नशे के शिकार अन्य लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह भी इन व्यक्तियों से प्रेरणा लें और नशा मुक्ति की दिशा में कदम बढ़ाएं।

उपायुक्त ने अपने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले सेक्टर-31 स्थित सरकारी पॉलीक्लिनिक के नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया। यहां उन्होंने केंद्र की सुविधाओं और उपलब्ध उपचार सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही यहां अन्य मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने निजी नशा मुक्ति केंद्रों का भी निरीक्षण किया। इसमें लाइसेंस प्राप्त जिले के सेक्टर-46, 47, 62 और पटेल नगर में स्थित नशा मुक्ति व रीहेबिलिटेशन सेंटर(पुनर्वास केंद्र) शामिल हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Vandana Lakhi & Mr. Brijesh Kumar Lakhi are claiming to be the owners of Residential Plot bearing No. 058, area measuring 109.50 sq. mtrs., situated in Block-B, of Sector 49, NOIDA, District Gautam Budh Nagar U.P.; vide Transfer cum Sale Deed dt. 19.04.2018 executed by Mr. Pradeep Hora vide Doc. No.1952. The above Owners have informed that Original documents of the said property like Allotment Letter, Possession Letter, Lease Deed dt. 04.01.2000 (Doc.No.23/24), Regd. GPA dt. 04.01.2000, ATS dt. 04.01.2000, Regd. Will dt. 04.01.2000, Transfer Memorandum dt. 05.12.2003 and Transfer Deed dt. 08.12.2003 (doc. no.13229) are lost & not traceable. All persons are hereby informed that above mentioned owners want to mortgage the said property to our client. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

Public Notice

This is to inform the general public that **Mrs. Harjinder Kour** is the GPA Holder of Built-Up First Floor Front Side without roof right, with Two bike parking space at ground floor, Built on Property bearing plot no. 2, area measuring 50 Sq. Yds, out of Khasra no. 58/15, situated at village Hastsal Delhi, Colony Shakti Vihar in Block-B, Mohan Garden Extn, Uttam Nagar, New Delhi – 110059. She is in possession through Notarised GPA, ATS & Will dated 19.09.2024 Mrs. Prena Meena Alias Prema Meena in favour of Mrs. Harjinder Kour in respect of the said Floor.

Mrs. Harjinder Kour intends to transfer the ownership of aforementioned Property by way of Sale Deed to **Mr. Ashish**. Subsequently, **Mr. Ashish** is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in**

सार्वजनिक सूचना

मैं रूप नारायण गर्ग पुत्र श्री जगदीश प्रसाद, निवासी मकान नंबर 316/1, मोहल्ला पुरानी मंडी, नारनौल, हरियाणा घोषणा करता हू कि मैं फ्लैट नंबर 9-ओ, पॉकेट 2, कोंडली घरौली, नई दिल्ली का एकमात्र मालिक हू। उपरोक्त संपत्ति का मूल मांग पत्र दिल्ली में कहीं खो/गुम हो गया है। 08/12/2023 को एलआर नंबर: 1214163/2023 के तहत पुलिस स्टेशन अपराध शाखा, दिल्ली में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

PUBLIC NOTICE

In the matter of **Goldenbridge Global Trade Private Limited** having its registered office at 3rd Floor, Orchid Centre, Near Iilm Institute, DLF QE, Gurgaon, Haryana-122002, seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the special resolution passed at the Annual General Meeting / Extra ordinary general meeting held on **13/09/2024** to enable the company to change its Registered office from **"State of Haryana" to "State of Delhi".** the Registered office at **Unit No. 302, 3rd Floor, Living Style Mall, Jasola, Sector-6, Kalindi Kunj Road, New Delhi-110025** within **Fourteen days** from the date of publication of this notice.

Sd/-
YMAMMUHAMMET OMADOV
DIRECTOR
DIN- 10563266

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that, Mrs. Rani W/o Mr. Manoj Gupta, R/o Street No. 4, Near Balaji Public School, A.D., Nagar (Hari Vihar), Ballabgarh, District Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004, who is the owner of the property i.e. Property ID No.1B814637, area measuring 150 sq. yds., out of Khasra No.55, Killa No.12/1, 12/2, Situated at Waka Mauja Unchagaon (Vijay Nagar), Adarsh Nagar, Tehsil Ballabhgarh; (hereinafter referred to as "the said property", having purchased the same by virtue of Sale Deed dt. 26.06.2023 executed by Mrs. Santosh (Doc. No. 2585). The said Property has been mortgaged by the owner with Tata Capital Limited. Some Property Paper regarding this property i.e. 1. Original Sale Deed dt. 28.06.1993 executed by Mr. Dayachand in favour of Mr. Subedar Singh (Doc. No. 1346), 2. Original Sale Deed dt. 04.04.1997 executed by Mr. Subedar Singh in favour of Mr. Chanderpal (Doc. No. 140), 3. Original Sale Deed dt. 03.11.2008 executed by Mr. Subedar Singh in favour of Mr. Chanderpal (Doc. No. 9479) havebeen lost by the owner and is not traceable and if anybody found the same and such document is in his/her possession then kindly return to the address mentioned below and if any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, charges, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA (Advocate) Chamber no. 55, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi-54 Mob. No. 9873150663

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Bhagat Dass S/o Yawan Das Sahu R/o A 201-228/06, Forth Floor, New Panchwati Colony, Bhatia Mod GT Road, Ghaziabad, U.P.-201001 have changed my name from Bhagat Dass to Bhagat Das Sahu. Henceforth I would be known by the name of Bhagat Das Sahu for all future purposes.

PD(1200)A

I, Kamlesh W/o Ajay Kumar R/o Flat -A-8, Block-C, Yadav Park, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041 have changed my minor son's name from Kanishk to Kanishq for all future purposes.

PD(1201)A

PUBLIC NOTICE

On behalf of M/S MAXHEIGHTS TOWNSHIP & PROJECTS PVT. LTD having its registered office at 408, 4th floor, RG Trade Tower, Netaji Subhash Place, Pitampura, New Delhi-110034, the general public is hereby informed that on the basis of application/documents submitted by Sh. Atul Verma S/o. Late Sh. Khyali Ram Verma R/O. House No. 2023, Sector-46, Gurgaon-122003, the Developer M/s Maxheights Township & Projects Pvt. Ltd is Substituting, in place of late Sh. Khyali Ram Verma, the name of following Class 1 Legal heirs of Late Sh. Khyali Ram Verma, qua allotment of Flat No . I-023, 2nd Floor, Maxheights Metro View Apartments, Sector-35, Sonipat,

1. Seema (Wife)
2. Manju Verma (Daughter)
3. Renu Verma (Daughter)
4. Atul Verma (Son)

If any person has any objection/claim on the said property or against the said substitution, they may file his/her claim/objection within 15 days to the company, and thereafter no objection/ claim will be entertained in this regard.

Kshitij Sharda Advocate
Date :06.01.2025 D/1516/2008

PUBLIC NOTICE

Reg: First Floor Front side without roof rights referred to as "said floor" of part of Property bearing No. I-121, area measuring 82.7739 sq.mtrs. i.e. 99 sq.yds. out of 150 sq. yds. , falling in Khasra No. 16/16, Situated in the area of Village Mirzapur, Delhi State, Delhi Colony known as Mahavir Enclave, New Delhi; "hereinafter referred to as "said property".

Be it known to all that our clients, Mr. Ghanshyam Mandal and Mrs. Sarsawati Kumari (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said floor from Mrs. Kirti Jain and Mr. Manirajan Ramaswamy (hereininafter called the "Seller"). In this connection, the seller have informed the purchaser that they are the joint owners of the said property. The seller have further informed the purchaser that the said property was owned by Mrs. Kirti Jain (60%) and Mrs. Aparna Ramaswamy (40%) vide Sale Deed executed by Mrs. Pushpa Rana in their favour. The said Deed is registered as Document No.963, Book No.1, Vol No. 10306, pages 88-93, on 07/02/2020 (SRO-IX). Later on, Mrs. Aparna Ramaswamy expired and her share in the said property was inherited by her legal heirs viz., Mr. N Ramaswamy and Mr. Manirajan Ramaswamy. Subsequently, Mr. N Ramaswamy executed a Relinquished Deed in favour of Mr. Manirajan Ramaswamy in respect of his share in the said property. The said Deed is registered as Doc No.10918, Book No.1, Vol No. 11686, pages 72-76 on 17/09/2022 (SRO-IX). Thus, Mrs. Kirti Jain and Mr. Manirajan Ramaswamy became the joint owners of the said property. The seller have also informed the purchaser that the said floor is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said floor.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the aforesaid floor is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the seller to the said floor shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.

Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF, Defence Colony,
New Delhi -110024

ग्रामीण भारत महोत्सव

मोदी का संबोधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण भारत महोत्सव में कहा कि ग्रामीण समृद्धि राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक है। नई दिल्ली में आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव, 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रेरणादायक भाषण देते हुए ग्रामीण विकास का परिवर्तनकारी महत्व उजागर किया। इस आयोजन में 'विकसित भारत 2047 हेतु समृद्ध ग्रामीण भारत का निर्माण' थीम के अंतर्गत ग्रामीण भारत की दृढ़ता और समृद्धि को रेखांकित किया गया। यह भारत को उसकी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में विकसित राष्ट्र बनाने पर लक्षित है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि सरकार के इरादे, नीतियां तथा निर्णय ग्रामीण भारत में नई ऊर्जा भर रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्यरक्षा, कृषि, मूल ढांचागत संरचना तथा गांवों में जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण उपलबिधयां रेखांकित कीं जिन्होंने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है। कोविड-19 वैश्विक महामारी पर भारत की प्रतिक्रिया बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय गांवों ने अंतिम व्यक्ति तक वैक्सीन की पहुंच सुनिश्चित कर दुनिया में व्याप्त संदेहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय समावेशी विकास नीतियों को दिया जो समाज के हर वर्ग की जरूरतें पूरी करती हैं। ग्रामीण भारत महोत्सव, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धियां उजागर करते हुए भविष्य में प्रगति की आशाजनक तस्वीर पेश की। इन उपलब्धियों के प्रशंसनीय होने के बावजूद गहन परीक्षण से कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं जिनकों समग्र व टिकाऊ ग्रामीण परिवर्तन के लिए परिभाषित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने

1.5 लाख से अधिक 'आयुष्मान आरोग्य मंदिरों' की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन के विस्तार पर स्वास्थ्यरक्षा उपलब्धियों के रूप में जोर दिया। यह प्रगति महत्वपूर्ण पहलों का परिणाम है, पर प्रशिक्षित स्वास्थ्यरक्षा पेशेवरों को जोड़े रखना, सीमित ढांचागत संरचना तथा सुदूर गांवों में इंटरनेट पहुंच में निरंतरता की कमी समतापूर्ण स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था पहुंचाने में बाधा बनती है। कृषि भी ग्रामीण विकास प्रयासों के केन्द्र में है। पीएम-किसान के अंतर्गत वित्तीय सहायता और कृषि कर्जों के विस्तार ने किसानों की बड़ी सहायता की है। इसके बावजूद कृषि क्षेत्र में ढांचागत समस्यायें बनी हुई हैं जिनमें मानसून की अनुमान से परे प्रकृति, फसल विविधीकरण का कम प्रचार तथा बाजार की अस्थिरता शामिल हैं। विवादास्पद कृषि सुधारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों से भी ज्यादा समावेशी नीतियों तथा सभी पक्षों से प्रभावी संवाद की आवश्यकता उजागर होती है। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण गरीबी में तेजी से आई कमी को रेखांकित करते हुए कहा कि यह 2012 में 26 प्रतिशत से घट कर अब 5 प्रतिशत से नीचे चली गई है। निश्चित रूप से यह प्रगति महत्वपूर्ण है, पर ग्रामीण असमानता तथा हाशियाकृत समुदायों के समावेशन पर लगातार ध्यान देना विकास पहलों के लिए जरूरी है। केवल गरीबी के आंकड़े वंचना से पैदा व्यापक चुनौतियों को अभिव्यक्ति नहीं देते हैं क्योंकि इनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्यरक्षा तथा सामाजिक प्रगति को सीमित महत्व मिला है। ढांचागत कमियां अक्सर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को प्रभावित करती हैं जिनमें अधूरे सड़क संपर्क, डिजिटल नेटवर्कों की कमी तथा बिजली सप्लाई के व्यवधान शामिल हैं। इसके साथ ही अधिकांश ग्रामीण भारत कृषि पर अत्यधिक निर्भर है जिससे निपटने के लिए आर्थिक विविधीकरण तथा विनिर्माण व सेवा क्षेत्रों में ज्यादा रोजगार सृजन की आवश्यकता है। भारत के ग्रामीण विकास के प्रति प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण निश्चित रूप से प्रशंसनीय है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लाखों 'दीदियों' ने उल्लेखनीय योगदान दिया है जिन्होंने बैंकिंग स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं को आम जनता तक पहुंचाने के साथ अपनी आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित की है। ग्रामीण विकास पर प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण आगे बढ़ाने के लिए संकुचित राजनीति से ऊपर उठ कर इसका व्यापक समर्थन किया जाना चाहिए।

भारत को विश्व गुरु बनाने का मार्ग

'मंदिर-मस्जिद विवाद' जैसे विभाजनकारी विमर्शों से पैदा खतरा उजागर कर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारत की बहुआयामी पहचान बनाने पर जोर दिया है।

सुखदेव सिंह
(लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं।)

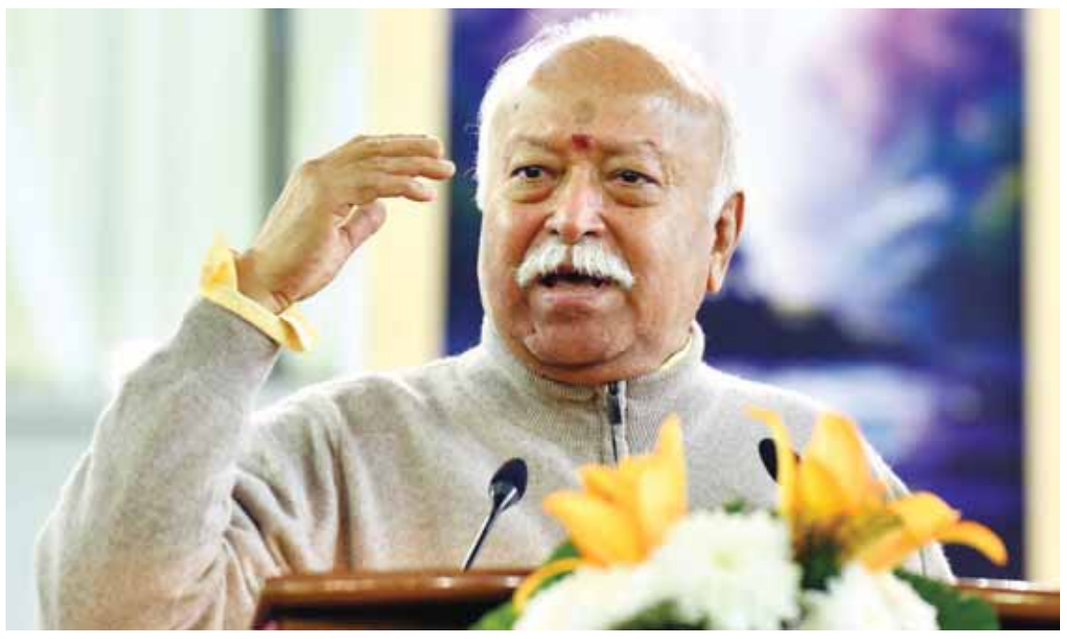

मोहन भागवत की विद्वतापूर्ण टिप्पणी भारत की विविधतापूर्ण यात्रा में एकता का महत्व उजागर करती है। यही विश्व गुरु बनने की भारत की यात्रा है। उन्होंने राजनेताओं तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय एकजुटता की नीव के रूप में विविधता को मजबूत करने का आह्वान किया है। समावेशन तथा परस्पर सम्मान को गले लगा कर भारत सचमुच वैश्विक आदर्श अपना सकता है जो दुनिया का नेता और विश्व गुरु बनने के लिए आवश्यक है।

'भारत-विश्व गुरु' विषय पर आयोजित सहजीवन व्याख्यानमाला श्रृंखला में भाषण देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 'मंदिर-मस्जिद' विवादों की हालिया घटनाओं पर अपनी चिन्ता प्रकट करते हुए कहा, 'राम मंदिर के बाद कुछ लोग सोचते हैं कि वे नए स्थानों पर ऐसे मुद्दे उठा कर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं।' उन्होंने यह आदत अस्वीकार करते हुए कहा कि 'यह स्वीकार्य नहीं है।' ज्ञानवापी मस्जिद पर अपनी टिप्पणी की याद दिलाते हुए कहा कि 'हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशने की क्या जरूरत' इस प्रकार उन्होंने एक प्रवृत्ति के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, 'वर्चस्व के दिन बीत गए हैं। अब जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है जो सरकार चलाते हैं।' 'प्रभुत्व की भाषा' पर सवाल उठाते हुए उन्होंने भारतीय समाज के बहुलतावादी चरित्र को स्वीकार किया जहां 'परंपरा' लोगों को अपने संबंधित विश्वासों का पालन करते हुए सद्भावना से रहना सिखाती है। भारत और दुनिया के बीच तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि एकता के सिद्धान्तों में समानता है, जबकि भारत में 'विविधता एकता का आभूषण है और हमें इसका सम्मान करते हुए इसे स्वीकार करना चाहिए।' अतीत के बोझ के रूप में घृणा, ईर्ष्या, शत्रुता और संदेह को अस्वीकार करते हुए उन्होंने 'बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक' विचारपद्धति को भी अस्वीकार कर दिया। उन्होंने जोर दिया, 'यहां सभी समान हैं।' विश्व गुरु बनने के लिए भारत को ऐसे लोगों का राष्ट्र बनना चाहिए जो जाति और धार्मिक मतभेदों से ऊपर हों। अपने भाषण से संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अनेक चीजों पर निशाना लगाया है। उन्होंने 200 मिलियन मुसलमानों के साथ भारत में ईसाइयों, सिखों व अन्य की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए भू-राजनीतिक यथार्थ भी स्वीकारा है। ऐसे में 'हिंदू' शब्द को अरबी-फारसी तथ संस्कृत 'सिंधु' से जुड़ा स्वीकारना चाहिए जिसमें 'हिंदुस्तान' का अर्थ हिंदुओं, यानी सिंधु नदी के किनारे रहने वाले लोगों से है। यह ऐतिहासिक संदर्भ बताता है कि यूनानी 'सिंधु' का उच्चारण 'इंडस' करते थे तथा बाद में 'हिंद' या 'हिंदू' बन गया 'अल-हिंद' अरबी ईरानी की देन है। यूनानी भारत को 'लैंड ऑफ इन्कस' कहते थे, जबकि अरबी बोलने वाले इस क्षेत्र को 'हिंदुस्तान' कहते थे। इसमें पुराने पंजाब को ऐसे भौगोलिक क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है जहां हिंदु या सिंधु के किनारे रहने वाले लोग रहते हैं। इसे हिंदुस्तान कहते हैं जहां प्राचीन वेदों और पुराणों की अवधारणाओं के साथ अनेक धार्मिक विश्वास, जैसे शैव, बौद्ध, जैन और सिख मौजूद हैं। इस प्रकार 'हिंदू' एक भौगोलिक व सांस्कृतिक पहचान बन जाती है जो व्यापारियों या हमलावरों के रूप में आए मुसलमानों, ईसाइयों व यहूदी, आदि अन्य लोगों से स्वदेशी लोगों की पहचान अलग करती है। हालांकि, इस क्षेत्र में अन्य लोगों का प्रवेश शुरुआती चरण में धार्मिक विरोध तक संकुचित नहीं था। इसका संबंध केवल पहचान के संप्रेषणात्मक 'संकेत' से था। संवाद मुख्यत: समानताओं और भिन्नताओं पर केन्द्रित था। 'अन्य' देशों से आए लोग धीरे-धीरे हिंदुस्तान या भारत के लोग बन गए, यहां स्थाई रूप से बस गए तथा सिंधु नदी के किनारे वाली भूमि में उन्होंने विविधता में अपना योगदान दिया।

चूंकि 'हिंदूवाद' का कोई निश्चित संस्थापक या एक अकेला पवित्र ग्रंथ नहीं था, इसलिए इस धर्म को 'हिंदूवाद' कहा गया। यह केवल सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहारों का एक रूप बना रहा जहां लोग अपनी धार्मिक पूजा पद्धतियों के बावजूद एक प्रकार से व्यवहार करते थे। 'हिंदू' और 'हिंदुस्तान' जैसे शब्द उस समय तक भौगोलिक-सांस्कृतिक व्यवहारों के प्रतीक बने रहे जब तक बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में औपनिवेशिक शासकों का विरोध करने के लिए इनको धार्मिक व राष्ट्रीय पहचान के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया। यह मुसलमानों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में तुर्की के आटोमन सुल्तान के समर्थन में चलाए 'खिलाफत आंदोलन' की भी प्रतिक्रिया थी। भारतीय राष्ट्रीय पहचान अनेक प्रकार से हिंदू राष्ट्रीय पहचान तथा इस्लामी राष्ट्रीय पहचान के हिस्सों को मिला कर बनाई गई जिसने लोगों को धार्मिक आधार पर बांट दिया। इस विभाजन को औपनिवेशिक ब्रिटिश शासकों ने अनेक प्रकार से बढ़ावा दिया जिसकी परिणति 1947 में भारत के विभाजन के रूप में हुई। इस प्रकार स्वतंत्र भारत एक संप्रभु राष्ट्र बना, हालांकि यह संघीय रूप से एकजुट सांस्कृतिक राष्ट्र-राज्यों का समुच्चय था। इस संघीय राजनीतिक संरचना ने 'धार्मिक राष्ट्रों' का मुद्दा हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। इसके बावजूद भारत में हाशिये पर पड़े कुछ टकरावों से 'विविधता में एकता' की परीक्षा होती रही। समाज की आंतरिक संरचना व गतिशीलता तथा राज्य के बीच टकराव व एकजुटता जारी रही। समाज या राज्य के और जटिल होने के साथ ही टकराव-एकजुटता का स्तर बदलता रहा। ऐसे में देश और उसकी जनसंख्या की बेहतरी के लिए राजनीतिक संचालकों को अपनी शक्ति का प्रयोग सांगठनिक सिद्धान्त के रूप में 'जबरन एकरूपता' के खिलाफ 'विविधता' के पक्ष में मोड़ना चाहिए। लेकिन हिंदू भौगोलिक-सांस्कृतिक पहचान के बजाय हिंदू धार्मिक पहचान तथा हिंदू राष्ट्र-राज्य पर जोर देने के कारण हाल में 'मंदिर-मस्जिद' विवादों में तेजी आई है। संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह दृष्टिकोण सही है कि इससे एकता और एकजुटता को खतरा पैदा हो सकता है।

जितनी जल्दी पहचानों के विचारक यह बात समझ लेंगे, उतना ही शताब्दियों से एकसाथ रहने वाले लोगों के लिए बेहतर होगा। संभवत: मोहन भागवत ने इसे ठीक-ठीक समझ लिया है। उन्होंने 'एक देश एक जनता' नारे को हल्का करते हुए कहा है कि 'बिना मुसलमानों के हिंदुत्व अधूरा है।' हिंदू और मुसलमान एक दूसरे से अलग पर पूरक हैं। हिंदुस्तान, इंडिया या भारत जैसी विविधताओं से भरी भूमि में केवल समावेश की विचारधारा और व्यवहार का चयन करने से ही यह विश्व गुरु बन सकता है। विश्व गुरु बनने के अनुभव में ज्यादा विविधता को शामिल किया जाना चाहिए। विश्व, यानी ब्रह्मांड समानताओं और भिन्नताओं का एक नेटवर्क है, इसके बावजूद उसने धरती पर जीवन को जन्म दिया। ऐसे में विचार करना होगा कि क्या 'भिन्नता' विविधता को खतरे में डालती है। मोहन भागवत की विद्वतापूर्ण टिप्पणी भारत की विविधतापूर्ण यात्रा में एकता का महत्व उजागर करती है। यही विश्व गुरु बनने की भारत की यात्रा है।

भारत के बहुलतावादी ढांचे को स्वीकार कर उन्होंने 'मंदिर-मस्जिद' विवाद जैसे विभाजनकारी विमर्शों पर सद्भावना को महत्व दिया है तथा धार्मिक वर्चस्व की अवधारणा को खारिज किया है। भागवत ने 'हिंदू' तथा 'हिंदूवाद' के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल को तलाश कर उसकी एकमात्र धार्मिक पहचान के बजाय भौगोलिक व सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने राजनेताओं तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय एकजुटता की नीव के रूप में विविधता को मजबूत करने का आह्वान किया है। समावेशन तथा परस्पर सम्मान को गले लगा कर भारत सचमुच वैश्विक आदर्श अपना सकता है जो दुनिया का नेता और विश्व गुरु बनने के लिए आवश्यक है।

लाभकारी है शाकाहारी होना

भारत में, शाकाहार को अपनाना विशेष रूप से व्यावहारिक है, क्योंकि यहाँ प्राकृतिक रूप से शाकाहारी खाद्य पदार्थों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

प्रशांत विश्वनाथ
(लेखक, स्तंभकार हैं)

नए वर्ष में नए संकल्पों पर विचार करना स्वाभाविक है। जबकि हममें से कुछ लोग अपने संकल्पों पर कायम रह सकते हैं और कुछ ऐसे भी होंगे जो नहीं रह सकते। हालांकि, निराश होने की कोई वजह नहीं है। नए साल का संकल्प लेना अपने बारे में जागरूकता और बेहतर करने के लिए सचेत निर्णय का एक संयोजन है। यहाँ तक कि एक लक्ष्य निर्धारित करना भी सही दिशा में एक कदम है; यह ज़्यादातर लोगों की तुलना में कहीं ज़्यादा है।

शाकाहारी होना, जिसे कभी एक सीमांत जीवनशैली विकल्प के रूप में देखा जाता था, अब न केवल पश्चिम में बल्कि भारत में भी तेज़ी से बड़ा स्थान ले रहा है। रिपोर्ट बताती हैं कि शाकाहारी आहार से 75 प्रतिशत कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन होता है जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है, साथ ही बहुत कम जल प्रदूषण और वन्यजीवों को नुकसान होता है। फलों और सब्जियों, फलियों और अनाजों को जानवरों से प्राप्त आहार की तुलना में उत्पादन के लिए कम ऊर्जा, भूमि और पानी की आवश्यकता होती है। जबकि आहार उन लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता है जो बदलाव करना चाहते हैं, तथ्य यह है कि शाकाहार केवल आहार के बारे में नहीं है, यह एक ऐसी जीवनशैली है जो लोगों को किसी भी तरह के पशु शोषण से दूर रखती है।

परिवर्तन संगठन जो जनवरी और उसके बाद लोगों को शाकाहारी खाने के लिए प्रोत्साहित करता है- एक सहायक समुदाय बनाने के महत्व को समझता है। भारत में संगठन के प्रमुख प्रशांत विश्वनाथ कहते हैं, हम जानते हैं कि सकारात्मक आदतें बनाने के लिए एक पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। इसलिए हम ब्रांड, रेस्तरां और खुदरा विक्रेताओं के साथ मिलकर काम करते हैं ताकि पौधे आधारित उत्पादों को अधिक सुलभ बनाया जा सके।

भारत से हमारे 11 सेलिब्रिटी राजदूत दिखाते हैं कि वे शाकाहारी भोजन करते हुए भी अपने खेल में शीर्ष पर कैसे हैं। और हमारे साथ शाकाहारी खाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को दैनिक सहायता ईमेल सहित 10 से अधिक नि:शुल्क संसाधन प्राप्त होते हैं। विचार यह है कि पौधे आधारित खाने की ओर संक्रमण को जितना संभव हो उतना मज़ेदार और फायदेमंद बनाया जाए। ब्रांडों के साथ सहयोग करना जनवरी 2024 में, 140 भारतीय फर्मों ने वेगनरी आंदोलन में भाग लिया, नए सामान, विशेष सौदे और मेनू आइटम लॉन्च किए। भारत में 40 से अधिक नए सामान लॉन्च किए गए, जिनमें शाकाहारी अंडे से लेकर करी मील सेट तक शामिल हैं। नेचर बास्केट, अमेजन फ्रेश, हिल्टन होटल्स, बिग बास्केट और हार्ड रॉक कैफे उन फर्मों में से थे जिन्होंने इसमें भाग लिया और अभियान को उम्मीद है कि इस साल कई और भी शामिल होंगे।

वेगनरी के भारतीय राजदूतों में फिल्म स्टार, पेशेवर एथलीट और पर्वतारोही शामिल हैं, जिनमें मल्लिका शेरावत सबसे हाल ही में शामिल हुई हैं। वे इसके बारे में भावुक हैं और उन्होंने सचमुच लाखों लोगों को यह दिखाने में मदद की है कि पौधे आधारित भोजन कितना समृद्ध हो सकता है। वे एक जोरदार और स्पष्ट संदेश देते हैं- पौधे आधारित आहार स्क्रीन पर अच्छा दिखने, आंतरिक रचनात्मकता को चैनल करने और विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए एक बड़ा लाभ है। मुफ़्त संसाधन वार्षिक वेगनरी अभियान जो लोगों को नए साल के आने पर एक महीने के लिए शाकाहारी खाने को प्रोत्साहित करते हैं, वे बदलाव को मज़ेदार और परेशानी मुक्त बनाने के लिए मुफ़्त उपहारों की एक प्रभावशाली सूची के साथ आते हैं। प्रतिभागियों को एक डिजिटल सेलिब्रिटी कुकबुक तक पहुँच प्राप्त होती है, जिसमें भारतीय और वैश्विक हस्तियों की शाकाहारी रेसिपी, एक पूर्ण शाकाहारी स्टार्टर किट, जिसमें पौधे आधारित आहार अपनाने के बारे में किसी भी प्रश्न के व्यापक उत्तर और बहुत कुछ है।

भारत में, शाकाहार को अपनाना विशेष रूप से व्यावहारिक है, क्योंकि यहाँ प्राकृतिक रूप से शाकाहारी खाद्य पदार्थों की एक विस्तृत श्रृंखला है जो सांस्कृतिक रूप से परिचित हैं, और महंगी या विदेशी सामग्री की आवश्यकता को समाप्त करके तैयार करना आसान है। यह सुनिश्चित करने के लिए बस थोड़ी सी योजना की आवश्यकता है कि यह सभी आवश्यक पोषक तत्वों को पूरा करता है। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की सूची हर दिन बढ़ रही है, जो न केवल आपके शरीर को पोषण देने के लिए बल्कि आपके स्वाद को भी प्रसन्न करने के लिए बहुत सारे विकल्प प्रदान करती है। इसलिए, चाहे वह आपके स्वास्थ्य, ग्रह या जानवरों के प्रति करुणा के लिए हो, पौधे आधारित जीवन शैली को अपनाना पहले से कहीं अधिक सुलभ है। सही समर्थन और विकल्पों की प्रचुरता के साथ, बेहतर खाने का चुनाव करना इस वर्ष आपका सबसे पुरस्कृत संकल्प हो सकता है।

आप की बात

अतिक्रमण की समस्या

पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल के पास में स्थित कंकड़बाग में रोड से सटे पुल (रेलवे क्रॉसिंग) को पार करने के लिए बनाया गया यात्री ओवर ब्रिज फुटपाथ पुल जो वहां से पीएमसीएच पटना, साइंस कॉलेज, दिनकर गोलंबर, मछुआ टोली एवं खजांची मार्केट को जोड़ने वाला पुल है। फिर पीएमसीएच, पटना साइंस कॉलेज एवं राजेंद्र नगर पुल से मुख्य सड़क को जोड़ने वाली कंकड़बाग में रोड अगम कुआं, हाजीपुर एवं पटना रेलवे स्टेशन (महावीर मंदिर) को जोड़ती है। स्कूल को पार करके हजारों की संख्या में लोग नौकरी, पैसा, चिकित्सा, पढ़ाई लिखाई एवं अन्य दैनिक कार्यों के लिए जाते हैं। पुल पर सब्जी बेचने वाले, छोटे-छोटे दुकान लगाने वाले का कब्जा है। पुल का सकरा रास्ता है और जैसे ही पुल से लोग जो नीचे उतरते हैं वैसे ही ई रिक्शा वाले पुल के एकदम सटाके गाड़ी लगते हैं। तनिक से भी निकलने का जगह नहीं होता है। यदि कोई यात्री बोलता है तो उसके लिए आए दिन बाहर से होती रहती है। यात्री के साथ भद्र व्यवहार, गाली गलौज मारपीट ई रिक्शा वाले लोग करते हैं। संध्या के समय इसका नजारा देखते ही बनता है जब कुछ ई रिक्शा चालक नशे में धुत होते हैं। यह लोग भांग, चरस, शराब आदि का सेवन किए होते हैं। यदि कोई यात्री या कोई इन्हें रास्ते पर से गाड़ी हटाने के लिए कहता है तो ये लोग उसके साथ मारपीट करते हैं।

-तारामुनी देवी, पटना

यूनियन कार्बाइड का कचरा

दूध के जले, छाछ भी फूंक-फूंक कर पिएं तो अच्छा। कोर्ट के आदेशानुसार यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन से जलवायु दुष्प्रभावित और मानव जीवन के खतरे को सरकार से पूर्व पीथमपुर की जनता ने भांप लिया, क्योंकि 2015 में हुए कचरे निस्तारण से तत्समय लोग परेशान हुए थे। सत्ता, विपक्ष और जन विरोध के मद्देनजर अब सरकार, प्रशासन और वैज्ञानिकों को फूंक -फूंक कर कदम बढ़ाना होंगे क्योंकि भोपाल में 40 साल से लोग पीड़ित हैं। कचरे का निस्तारण जितना जरूरी है, उससे अधिक जरूरी है जनस्वास्थ्य की सुरक्षा, जिसमें कोताही नहीं बरती जाए। संतोषजनक और अनुकूल रिपोर्ट मिलने तक निस्तारण हेतु इंतजार करना उचित होगा। सभी जानते हैं कि रासायनिक कचरा मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। इसके दुष्प्रभाव से लोग कई गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इसलिए कचरे के निस्तारण की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। अच्छा हो कि वैज्ञानिकों की एक टीम यह पता लगाए कि जहां कचरा डाला जा रहा है उसके कितने दुष्प्रभाव होंगे। मानव जीवन अमूल्य है। भोपाल गैस कांड ने अनगिनत लोगों की जान ली थी। अब उसका कचरा किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित न हीं करना चाहिए। सरकार यह सुनिश्चित करे।

-बीएल शर्मा अकिंचन, उज्जैन

बढ़ता शहरीकरण

बढ़ता शहरीकरण समसामयिक चिंतन के प्रमुख विषयों में से एक है। गांव की ओर बढ़ते शहर, फैलता सड़कों का जाल , गगनचुंबी इमारत का जमघट, सिमटते खेत खलिहान, घटते जंगल इत्यादि वो समस्याएं हैं जिनकी ओर कोई गौर करना नहीं चाहता है। विकास का पैमाना शायद अब बदल चुका है जिन पर गांव, खेत-खलिहान अब खरे नहीं उतरते हैं । सड़क बढ़ाने के लिए पेड़ काटे जाते हैं लेकिन कम होती जाती हैं सांसें और लहलहाती फसलों के ऊपर बिछ जाती है डाबर की परत। पक्की सड़क पर विकास तो दिखाई देता है लेकिन बरसात का पानी अब प्यासी धरती को कम नसीब हो पाता है जिस कारणवश गिरता भूजल स्तर भी किसी को दिखाई नहीं देता है। स्वच्छ हवा से ज्यादा स्लो इंटरनेट लोगों के लिए ज्यादा कष्टदायक समस्या बन जाती है। विडम्बना है कि ऐसे अनेक समस्याएं जो भविष्य में और अधिक विकराल रूप ले सकती हैं उनकी ओर जागरूकता का निरंतर अभाव है। सवाल उठता है कि इन समस्याओं के प्रति जागरूकता कैसे उत्पन्न की जाए? व्यक्तिगत स्तर से लेकर सामाजिक स्तर तक जागरूकता व विचार करने की आवश्यकता है। विकास की अंधाधुंध गति को नियंत्रित कर सही दिशा में अग्रसर किया जाए, प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ ना हो तथा प्रकृति व मानव के बीच एक संतुलन स्थापित करके ही कोई भी विकास कार्य किया जाए।

-नितिन रावत, फिरोजाबाद

सत्ता के लिए बंटती रेवड़ी

दिल्ली में आगामी चुनावी माहौल में तेजी से राजनीतिक पारा चढ़ता जा रहा है। सत्तारूढ़ आप और भाजपा के बीच की चुनावी मुकाबले में फिलहाल कांग्रेस तीसरे स्थान पर भी नजर नहीं आ रही है। दिल्ली फतह करने में जुटे केजरीवाल रेवड़ी बांटने पर आमादा हैं। हाल ही में उन्होंने पुजारी-ग्रंथी योजना का ऐलान किया है जो राजनीतिक विवादों में घिरती नजर आ रही है। भाजपा ने इसे अवसरवादी कदम और हिंदू समाज के साथ धोखा बताया है। हिंदू-सिख वोटों को साधने में लगे केजरीवाल सत्ता में आने के बाद इनके क्रियान्वयन को लेकर संतुष्ट नजर आते हैं लेकिन इनकी व्यवस्था कहां से होगी यह देखने वाली बात होगी? बावजूद इसके सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि दिल्ली की जनता क्या सोचती है? डबल इंजन की सरकार या फिर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप पर फिर से अपना विश्वास? इन हालातों में कांग्रेस का संघर्ष सत्ता की बजाय अपना वजूद बचाने का ही होगा। दिल्ली की सत्ता की चाबी अब जनता के हाथ में है और ये चुनाव भारतीय राजनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकते है।

-अमृतलाल मारू रवि, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी 2025

गुरु गोबिंद सिंह ने जातिभेद व छुआछूत को समाप्त करने के लिए की खालसा पंथ की स्थापनाः योगी

● कहा, सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास प्रदान कर रहा प्रेरणा

डीएवी कालेज में आयोजित प्रकाश पर्व में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। गुरु गोबिंद सिंह महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा। महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। सीएम योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया। युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ।

सीएम ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं...' गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छूआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने 'सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे' का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटने के लिए कहा।

कौम की जिंदगी होती है शहीद का बलिदान

● सीएम ने गिनाई यूपी की उपलब्धियां, बोले-तंत्र वही है बस सरकार का चेहरा बदला है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शहीद का बलिदान कौम की जिंदगी होती है। देश, धर्म के लिए बलिदान होने वाली लंबी श्रृंखला सदैव से समाज को नया जीवन देती रही है। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर पीएम मोदी ने आगामी 25 वर्ष का लक्ष्य रखते हुए कहा कि देश को 2047 तक विकसित भारत बनाना है। उन्होंने पंच प्रण की बात कही। इसमें मुख्यत: गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करना, महापुरुषों पर गौरव की अनुभूति, सुरक्षा बलों के जवानों का सम्मान करना है।

मुख्यमंत्री सोमवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने शहीदों के परिजनों सहित उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया।सीएम ने कहा कि जवान सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस समय भी जब माइनस 20,25,10 तापमान है, तब देश की सीमाओं पर भारत मां के जवान दिन रात खड़े होकर, पुलिस बल के जवान निरंतर पेट्रोलिंग में रहकर आमजन के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करते हैं। यदि समाज आर्मी, पैरामिलिट्री, पुलिस बल के जवानों का सम्मान नहीं करेगा या शहीद परिवारों के बारे में नहीं सोचेगा तो इसका मतलब हम राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। सीएम ने कहा कि 1965-1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध में भागीदार, शहीदों के परिजनों, भारतीय सेना के जवानों, देश के अंदर हुए विभिन्न ऑपरेशन में भाग लेने वाले स्मृतिशेष जवानों के परिजनों का यहां सम्मान हुआ। सुरक्षा के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वतंत्रता का अहसास हो, लेकिन हमारी स्वतंत्रता दूसरे की स्वतंत्रता में बाधा न बने।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए गएः केशव

● बुन्देलखण्ड में संचालित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी में 13 हजार से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश राज्य आजीविका मिशन, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रदेश में दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के अंतर्गत आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ी ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह एवं अन्य सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से संगठित करते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न प्रकार की कृषि एवं गैर.कृषि आधारित आजीविका से जोड़ते हुए उन्हें लखपति महिला बनाने हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है, एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जोड़ा जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम एक लाख या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सकारात्मक व प्रभावी कदम उठाए गये हैं। इसी कड़ी में बुन्देलखण्ड में संचालित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। बलिनी आधी आबादी के स्वावलंबन की मिशाल बना गयी है। कम्पनी दुग्ध उत्पादकों से दुग्ध एकत्र करने के बाद उसे संरक्षित कर बेचती हैं। महिलाओं की इस साहसिक पहल ने उनकी आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चलाई जा रही कम्पनी सदस्यों को पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था, कृत्रिम गर्भाधान, गुणवत्तायुक्त पशु आहार आदि सुविधाएं भी मुहैया करा रही है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी की स्थापना 2019 में झांसी में की गयी थी। कम्पनी का उद्देश्य सदस्य उत्पादकों को विशेष रूप से महिलाओं के हितों की रक्षा करना है।

गोवंश को ठंड से बचाने के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंः धर्मपाल सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधानभवन स्थित कार्यालय कक्ष में प्रदेश के गौ आश्रय स्थलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि गो आश्रय स्थलों पर गोवंश के ठंड से बचाव के लिए त्रिपाल अलाव आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। ठंड से किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो। पशुचिकित्साधिकारी गौ आश्रयस्थल पर जाकर गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। केयरटेकर रात्रि में गोआश्रय स्थल पर ही रुके और गौवंश हेतु आवश्यक कार्य सुचारू रूप से पूरे करें।

जनपद के नोडल अधिकारी गौ आश्रय स्थलों का नियमित रूप से निरीक्षण कर चारा, भूस, पानी प्रकाश आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। पशुधन मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए गौ संरक्षण केंद्रों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए और निराश्रित गोवंश को संरक्षित किया जाए। इन कार्यों हेतु ग्राम्य विकास विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाए। चारागाहों भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए मनरेगा से बहुवर्षीय और सीजनल चारा बुआया जाए। सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अवस्थापना संबंधी कार्य माह फरवरी 25 तक पूर्ण कर लिया जाए। कार्यदाई संस्था द्वारा मानक के अनुरूप तथा लेआउट के अनुसार कार्य किया जाए। अवस्थापना संबंधी कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। गोवंश शेड, पानी पीने की चराहिया, खडंजा आदि मजबूत एवम व्यवस्थित तरीके से निर्मित कराया जाए।

बीते दिसंबर माह में प्रदेश को हासिल हुआ 17605.32 करोड़ का राजस्व

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश के मुख्य कर करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह में कुल 17605.32 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दिसम्बर माह में 16628.18 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह में गत वर्ष के इसी अवधि की तुलना में 977.14 करोड़ रुपए राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है।

खन्ना ने बताया कि कर राजस्व के अंतर्गत जीएसटी मद के अन्तर्गत माह दिसम्बर, 2024 में कुल 6342.68 करोड़ रुपए. की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि गत वर्ष इसी माह में प्राप्ति 6239.81 करोड़ रुपए ही थी। वैट के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2024 में 3105.91 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह दिसम्बर 2023 में प्राप्ति 2861.37 करोड़ रुपए रही थी।

वित्त मंत्री ने बताया कि आबकारी के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2024 में कुल 4141.75 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष इसी माह में प्राप्ति 3776.32 करोड़ रुपए रही थी। स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2024 की राजस्व प्राप्ति 2784.94 करोड़ रुपए है जबकि गत् वर्ष माह दिसम्बरए 2023 में प्राप्ति 2445.51 करोड़ रुपए रही थी। परिवहन के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2024 की राजस्व प्राप्ति 805.84 करोड़ रुपए है जबकि गत् वर्ष इसी माह में प्राप्ति 910.05 रुपए करोड़ रही थी। उन्होंने बताया कि कैरेक्टर राजस्व की प्रमुख मद भू.तत्व तथा खनिकर्म के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2024 में प्राप्ति 424.18 करोड़ रुपए है, जबकि गत् वर्ष इसी माह में प्राप्ति 395.12 करोड़ रुपए रही थी।

वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य कर के अंतर्गत जीएसटी एवं वैट मद में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह तक 84030.61 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो माह दिसम्बर तक निर्धारित लक्ष्य का 53.50 प्रतिशत है। आबकारी मद में माह दिसम्बर तक 34545.03 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 59.20 प्रतिशत है।

कांग्रेस नेताओं की अहम बैठक आज

जिला-शहर अध्यक्षों के चयन पर होगी चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेलगवी में कांग्रेस कार्यसमिति की हुई बैठक में संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ग ने कहा कि वर्ष 2025 कांग्रेस संगठन सृजन का वर्ष होगा। कांग्रेस ने तय किया है कि 2025 में ऊपर से नीचे तक संगठन को पूरी तरह से मजबूत करेगी।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश को संगठन के लिहाज से 6 जोन में विभाजित किया गया है उसके प्रभारी राष्ट्रीय सचिव स्तर नेता हैं। इन सभी राष्ट्रीय सचिव गणों ने अपने जोन के सभी जिलों का सतत दौरा किया, बैठक और सम्मेलन में भी किये। इन दौरों से राष्ट्रीय सचिव गणों ने खुद आंकलन कर हर जिले के नेताओं के नामों का चयन किया। इन चयनित सभी कांग्रेसजनों को लखनऊ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर 7 जनवरी से 12 जनवरी 2025 तक आमंत्रित किया गया है। जिनसे प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सभी सचिवगण और अन्य वरिष्ठ नेतागण संगठन के बारे में चर्चा करेंगे। इसके अलावा यह भी किया गया है कि यदि किन्हीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नाम इस चयन प्रक्रिया से छूट गये हैं तो वह भी इस बैठक में आकर सीधे अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। इसी प्रक्रिया के बाद जिला/ शहर अध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी के बारे में निर्णय किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 7 जनवरी को पूर्वांचल जोन, 8 जनवरी को प्रयागजोन, 9 जनवरी को अवध जोन, 10 जनवरी को बुंदेलखंड जोन, 11 जनवरी को ब्रज जोन और 12 जनवरी 2025 को पश्चिमी जोन के जिलों के नेताओं से संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत चर्चा होगी।

भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर हो रही कमीशनखोरीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। हर स्तर पर लूट है। भाजपा सरकार में हर पद और हर पोजीशन की रेट तय है। हर विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है। ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां लूट नहीं हो रही है। भाजपा सरकार का नया परिचय भ्रष्टाचार और संगठित लूट हो गया है।

अखिलेश यादव नव वर्ष के अवसर पर सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में उत्तर प्रदेश सहित झारखण्ड, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान से आये पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर थे। यादव ने सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर जनता के हित और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना ही शुभकामनाओं की सफल सार्थकता होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट की कमाई पर कब्जा करने की लड़ाई चल रही है। खुद भाजपा विधायक और नेता भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगा रहे है। इस सरकार के भ्रष्टाचार ने किसी को नहीं छोड़ा है। महिलाएं, व्यापारी, किसान, नौजवान आम जनता सब त्रस्त हो चुके हैं।

यादव ने कहा कि जनता में भाजपा को लेकर भारी नाराजगी है। भाजपा वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर पीडीए का वोट कटवा कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश करती है। धांधली और षड्यंत्र कर चुनाव जीतना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने गांवों और किसानों की उपेक्षा की। गांवों के लिए कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में लोहिया ग्राम योजना के तहत हजारों गांवों में सड़क, पेयजल तथा अन्य सुविधाओं का विकास किया गया था, लेकिन भाजपा ने द्वेष के चलते गांवों के विकास की सभी योजनाओं को बंद कर दिया। विकास कार्यों को रोक दिया। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 2016 में अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी के नागेपुर गांव को गोद लिया था लेकिन उस गांव का कोई विकास नहीं हुआ। दोबारा उस गांव की सुध भी नहीं ली गई। अखिलेश यादव ने नेताओं, कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सब भाजपा की साजिशों को विफल करने का संकल्प लेकर जायें।

छोटे व्यापारियों के हित में आवाज बुलंद करता रहेगा रालोद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारी की बैठक संपन्न हुई, जिसमें व्यापारियों के समस्याओं व सरकार की व्यापारी हित में योजनाओं पर विशेष तौर पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय लोकदल के नेता अनिल दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा से छोटे व्यापारियों के हित में आवाज बुलंद करता रहा है। एनडीए की सरकार ने अफसर शाही को खत्म करने का काम किया है। आज उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है जिससे व्यापारियों को काफी राहत महसूस हो रही है और आगे भी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल व्यापारियों की समस्या मजबूती से सरकार के समक्ष उजागर कर रहे हैं। साथ ही उनके समाधान के लिए यथासंभव प्रयास किया जा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष व्यापार रोहित अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों की आवास को कमजोर नहीं होने देंगे और आज सरकार द्वारा जिस तरीके से युवा व्यापारियों के हित में योजनाएं चलाई जा रही हैं स्वयं रोजगार के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम किया जा रहा है। बैठक में निर्णय के पश्चात रोहित कुमार सिंह को राष्ट्रीय लोक दल के महानगर अध्यक्ष व्यापार नियुक्त किया गया। बैठक में अतिथि के तौर पर युवा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल व छात्र के प्रदेश अध्यक्ष अमन पांडे जी ने सहभागिता की व अपने विचार प्रकट किया। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महामंत्री रजनीकांत मिश्रा, प्रीति श्रीवास्तव, प्रमोद शुक्ल कोषाध्यक्ष बी एल प्रेमी, मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष राम सिंह पटेल, नेता सम्राट सिंह चौहान, राम शंकर वर्मा, विपिन द्विवेदी, वास्तव प्रिंस कनौजिया मनीष तिवारी, विशाल श्रीवास्तव आदि बैठक में उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता साथियों सहित कांग्रेस में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नीतियों एवं उसकी समावेशी विचाराधार में आस्था जताते हुए तथा कानपुर निवासी एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट में वरिष्ठ अधिकवक्ता अश्वनी त्रिपाठी ने अपने समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाईनिंग प्रभारी नितिन शर्मा के समक्ष कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अजय राय ने एडवोकेट अश्विनी त्रिपाठी के गले में कांग्रेस तिरंगा पट्टिका पहनाकर पार्टी का सदस्यता कार्ड देकर उन्हें विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन, डॉ. सीपी राय, वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. अलीमुल्लाह खान, विजय पाण्डेय, डॉ. अमित कुमार राय आदि मौजूद रहे।

यूपी बना श्रमिक कल्याण का मॉडल राज्य

मनरेगा श्रमिकों का बीओसीडब्लू बोर्ड में पंजीकरण अनिवार्य, अब तक 1.29 लाख श्रमिक पंजीकृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अहम कदम उठाते हुए भवन एवं अन्य सन्निर्माण श्रमिकों और मनरेगा श्रमिकों के पंजीकरण को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों का उत्तर प्रदेश बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड (बीओसीडब्लू) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण हो। जिससे कई भी श्रमिक बीओसीडब्ल्यू बोर्ड की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें।

योगी सरकार का यह कदम न केवल श्रमिकों को योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने में सहायक है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इस दिशा में, मनरेगा योजना के अंतर्गत जॉब कार्ड धारकों को पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम्य विकास मुख्यालय स्तर से जनपदों के अधिकारियों को पंजीकरण के कार्य को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही इसी बकायदा मॉनिटरिंग भी की जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1.29 लाख से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण कराया जा चुका है। शेष श्रमिकों का पंजीकरण शीघ्र कराने के लिए अधिकारी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

योगी सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा है। सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि श्रमिकों के पंजीकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। साथ ही, नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से प्रगति की निगरानी की जा रही है। बीओसीडब्ल्यू बोर्ड के तहत चलाई जा रही योजनाएं श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। इनमें मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना शामिल है, जो महिलाओं और बालिकाओं को स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता प्रदान करती है। कन्या विवाह सहायता योजना गरीब श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक मदद प्रदान करती है। संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि अटल आवासीय विद्यालय योजना उन्हें बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान करती है। निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना दुर्घटनाओं की स्थिति में आर्थिक सहायता प्रदान करती है। महात्मा गांधी पेंशन योजना आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिकों को नियमित पेंशन सुविधा प्रदान करती है। आपदा राहत सहायता योजना प्राकृतिक आपदाओं में श्रमिकों को राहत प्रदान करती है, और गंभीर बीमारी सहायता योजना श्रमिकों को इलाज के लिए वित्तीय सहायता देती है। इसके अतिरिक्त, पंडित दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना श्रमिकों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए विशेष सहायता प्रदान करती है।

श्रमिकों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि श्रमिक अपने अधिकारों और योजनाओं की जानकारी से अवगत हों।

महाकुंभ में पराग के 50 स्टाल लगाए जाएंः मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महाकुंभ मेला 2025 में पराग के 50 स्टाल लगाए जाएं और उत्पादों में गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान रखा जाए। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को पराग के शुद्धए स्वादिष्ट और पौष्टिक दुग्ध उत्पादों जैसे दूध, दही, लड्डू, मक्खन आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सिंह ने कहा कि पराग के उत्पादों की विपणन व्यवस्था और मजबूत की जाए। मार्केटिंग पर और फोकस किया जाए।

पशुधन मंत्री ने ये निर्देश सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए। सिंह ने कहा कि किसानों, पशुपालकों को बकाया दुग्ध मूल्य भुगतान नियमित रूप से किया जाए और 15 जनवरी, 2025 तक सभी बकाये का भुगतान किया जाए। सिंह ने दुग्ध संघ बस्ती, वाराणसी, मथुरा एवं झांसी का दुग्ध मूल्य भुगतान शत.प्रतिशत किये जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए अन्य दुग्ध संघो को शीघ्र ही पूर्ण भुगतान कराये जाने के निर्देश दिये।

दुग्ध विकास मंत्री ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्राविधानित, अवमुक्त, उपयोगित धनराशि, गठन/ पुर्नगठन के सापेक्ष संचालित दुग्ध समितियां, दुग्ध समितियों के भ्रमण, डेयरी प्लांट की उपयोगिता क्षमताए दुग्ध उपार्जनए तरल दुग्ध बिक्री बकाया, दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति आदि बिन्दुओं की गहन समीक्षा की।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी 2025

बीओबी शाखा रूरा ने इंफैंट स्कूल में कराई साइबर अपराध जागरूकता निबंध प्रतियोगिता

● नेट बैंकिग, वाट्सएप बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम बैंकिंग की जानकारी अनजान व्यक्ति के साथ न करें साझाः बीओबी प्रबंधक

● जागरूकता से ही रुकेंगे साइबर अपराधः चौकी इंचार्ज

रूरा कानपुर देहात। नेट बैंकिग, वाट्सएप बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंगएए टी एम बैंकिंग का प्रयोग अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें किसी भी अनजान व्यक्ति की लिंक को न खोलें साथ ही अगर कोई साइबर अपराधी पुलिस वर्दी में वीडियो पर आपको भयभीत करके धन की मांग करता है तो तुरंत उसे ब्लॉक करें और साइबर हेल्प लाइन 1930 एवं पुलिस में शिकायत करें। उक्त बातें बैंक आफ बड़ौदा के प्रबंधक अमित परिहार ने साइबर सुरक्षा निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत करते हुए कही।

विशिष्टि अतिथि राज्य अध्यापक पुरस्कार से अलंकृत शिक्षक नवीन कुमार दीक्षित ने कहा कि भारतीय दंड संहिता में डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था नहीं है फिर भी साइबर अपराधी भोले भाले लोगोंको डिजिटल अरेस्ट के नाम पर भारी भरकम वसूली कर लेते हैं।

विशिष्ट अतिथि रूरा चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने बताया कि लोग दूसरे की फोटो लगाकर और मोबाइल हैक कर घर में किसी को बीमार बताकर व्हाट्सएप मैसेज करके धन की मांग कर लेते हैं और एक आई एप के प्रयोग से आवाज की कापी भी कर लेते हैं ऐसी स्थिति में बिना पूर्ण रूप से संतुष्ट हुए कोई धन न भेजें। अतिथि रूरा चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने बताया कि लोग दूसरे की फोटो लगाकर और मोबाइल हैक कर घर में किसी को बीमार बताकर व्हाट्सएप मैसेज करके धन की मांग कर लेते हैं और एक आई एप के प्रयोग से आवाज की कापी भी कर लेते हैं ऐसी स्थिति में बिना पूर्ण रूप से संतुष्ट हुए कोई धन न भेजें। इस प्रतियोगिता में सुशांत सक्सेना ने प्रथम, जान्हवी अग्निहोत्री ने द्वितीय यश पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आभार प्रदर्शन करते हुए उक्त विद्यालय की प्रधानाचार्य निहारिका अग्निहोत्री ने बच्चों को बताया कि वो साइबर अपराधी की चाल में फसने से कैसे बचीं थीं। बड़ौदा बैंक के प्रयास सराहनीय हैं। इस अवसर पर अर्चना, अनूप द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

मानसिक तनाव में महिला ने लगाई फांसी, मौत

सुमेरपुर। थाना सुमेरपुर क्षेत्र के ग्राम सुरौली बुजुर्ग में रविवार रात एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका का पति हरियाणा में रहकर मजदूरी करता है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर परिजनों को सौंप दियाए जिसके बाद गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया। सुरौली बुजुर्ग निवासी रामबाबू प्रजापति हरियाणा में मजदूरी करते हैं जबकि उनकी पत्नी राधा प्रजापति (42) गांव में दो पुत्रों के साथ रहती थीं। उनका बड़ा पुत्र गोविंद कस्बे में फोटोग्राफी का काम करता है। रविवार रात बच्चों के सोने के बाद राधा ने फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे सुरौली पुलिस चौकी इंचार्ज गुरुचरण सरोज ने बताया कि मृतका के माता.पिता और अन्य परिजनों ने इसे मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या बताया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया जिसके बाद शव का पंचनामा कर परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका अपने पीछे पति और तीन बच्चों को बिलखता छोड़ गई।

डीएम व एसपी ने प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारा में मत्था टेका, दी प्रकाश पर्व की बधाई

लखीमपुर खीरी। सोमवार को श्री गुरूगोविन्द सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी गणेश प्रसाद साहा ने हाथीपुर स्थिति गुरूद्धारा श्री गुरू सिंह सभा पहुंचकर मत्था टेका और जिले की प्रगतिए उन्नति एवं लोककल्याण के लिए अरदास की। इस दौरान उन्हें सरोपा भेंट किया गया। इस मौके पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने गुरू गोविन्द सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ हमें जीवन में करुणाए विनम्रता और समरसता का संदेश देती हैं। उन्होनें कहा कि गुरू गोविन्द सिंह के त्याग बलिदान और देश के लिए समर्पण से प्रेरणा ले और उनके बताए रास्ते पर चले। सिख समाज वीरता और मेहनत का पर्याय है। उन्होनें देश को समृद्ध बनाने में बड़ा योगदान दिया है। डीएम ने सभी को प्रकाशपर्व की बधाई देते हुए कहा कि वाहेगुरु जी की कृपा से सभी जनपदवासियों के घरों में सुख एवं शांति बनी रहे। वाहेगुरु जी का खालसाए वाहेगुरु जी की फतेह!

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कहा कि आपके बीच आकर सुखद अनुभूति हो रही है। गुरु गोविंद सिंह जी महराज के प्रकाश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने जनपदवासियों के मंगल व कल्याण के लिए कामना की। इस मौके पर सरदार कुलवंत सिंह खैराए गुरजीत सिंह जुनैजाए पाल सिंहए जरनैल सिंहए हरजिंदर सिंहए रणजीत सिंहए शीतल सिंह समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुरू गोविन्द सिंह की जयन्ती पर उन्हें किया गया नमन

कानपुर देहात। सोमवार को सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह का जन्मोत्सव सरदार एग्रीकल्चर मशीनरी स्टोर रूरा जिला कानपुर देहात के प्रतिष्ठान में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके प्रदेश कांग्रेस सेवादल के महासचिव रामऔतार दीक्षित व प्रदेश कॉग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना के नेतृत्व में मनाया गया इस अवसर पर पीसीसी सदस्य दिलीप कुमार सिंह मुन्ना ने कहा गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे उनका जन्म पटना साहिब में हुआ था उन्होंने सिख धर्म के लिए व मानवता के लिए जीवन भर संघर्ष किया उनके इस संघर्ष को कभी नहीं भूला सकता इस अवसर पर जिला कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा वह एक महान गुरु तेग बहादुर सिंह के तेजस्वी पुत्र थे इस अवसर पर कॉग्रेस सेवादल प्रदेश महासचिव रामऔतार दीक्षित ने भी उनके महान जीवन पर प्रकाश डाला इस कार्यक्रम में विवेक कुमार पांडेएमहेश तिवारीएसरदार कुलदीप सिंहएसरदार हरजीत सिंहएसरदार गुरमीत सिंहए संजय गुप्ता बृजनंदन पालएसरदार कुलराज सिंहए राजा पालएरमेश श्रीवास्तवए शिवरतन कुशवाहा सरदार दिलप्रीत सिंहएआदि लोगों ने फूलमाला चढ़ाकर नमन किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण ग्रामीण मनरेगा मजदूर मिस्त्री महामेला

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण ग्रामीण मनरेगा मजदूर मिस्त्री महामेला दिनांक 27 जनवरी 2025 को सुबह दिन के 10 बजे से भगवान विश्वकर्मा का हवन पूजन करने के बाद मेला प्रारंभ होंगा। मेले का समापन दिनांक 28 जनवरी 2025 को सांयकाल 5 बजे होंगा। मेले का स्थान मनरेगा मेला स्थल ग्राम सकेथू तहसील व ब्लॉक लखीमपुर जिला खीरी में होंगा। मेले के मुख्य अतिथि सरदार इंद्रजीत सिंह विश्वकर्मा प्रपोत्र पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह भारत सरकार होंगे। मेले में भारत के 40 करोड़ मजदूर मिस्त्रियों, भारत के 14 करोड़ किसानों, 16। करोड़ वैज्ञानिक विश्वकर्मा, अधिवक्तों, पत्रकार बंधुओं, अति पिछड़े अति दलित, आदिवासी, ऐसी पचास जातियों को भारत में अलग थलग पड़ी है। एवं बेरोजगार युवाओं की दीन दशा पर गहन विचार विमर्श किया जायेगा। ठेकेदारी प्रथा जड़ से खत्म करने के लिय भारत के सभी विभागों में पोस्टिंग करवाने, जब से मनरेगा कानून बना है तब से अब तक सभी मनरेगा मजदूरों का सत्यापन करके, आधार से जोड़ने, जिन मनरेगा मजदूर मिस्त्रियों की आयु 60 वर्ष से ऊपर हो गई है। उनको प्रतिमाह 3 हजार रुपए पेंशन देने, पूरे भारत के सभी ग्रामों में जो अंबेडकर पार्क की जगह छोड़ी गई है। उन पार्कों में अंबेडकर जी मूर्ति लगवानेए मजदूर मिस्त्रियोंए तीन एकड़ से कम जोत करों को अंत्योदय कार्ड दिलवाने, पत्रकार बंधुओं, अधिवक्तों को पांच हजार रुपए भत्ता दिलाने, भारत के 35 लाख ग्राम पंचायत सदस्यों व सभा सादों को सांसद विधायाओं की तरीके से भत्ता व निधि दिलाने, भारत की गरीबी व बेरोजगारी जड़ से खत्म करने के लिय 25 सूत्रीय मांगें का ज्ञापन 28 जनवरी 2025 को जिलाधिकारी खीरी के माध्यम से मनरेगा मेला में दिन के 2 बजे ज्ञापन भारत के मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़, भारत सरकार व उप्र के मुख्यमंत्री योगी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल उप्र सरकार को सौंपा जाएगा। मनरेगा मजदूर मिस्त्रियों, वैज्ञानिक विश्वकर्मा, किसानों, अधिवक्तो, पत्रकार बंधुओं, खुदरा व्यापारियों, अति पिछड़े अति दलित ऐसी पचास जातियों के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

एडीएम ने जिला अस्पताल के पुरूष व प्रसूती वार्ड का किया निरीक्षण

फतेहपुर। अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अविनाश त्रिपाठी ने जिला चिकित्सालय पुरूष, जिला चिकित्सालय महिला के प्रसूती वार्ड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रसूती महिलाओं व उनके परिजनों से अस्पताल द्वारा शीतलहर व ठण्ड को दृष्टिगत रखते हुए ठण्ड से बचाव हेतु उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारें में जानकारी प्राप्त की। जिस पर उन लोगों द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई। जिला चिकित्सालय महिला के प्रसूति वार्ड में कुल 34 बेड की क्षमता है। इसके अतिरिक्त 02 प्राइवेट बेड भी उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान मौके पर वार्डों में रूम हीटर जलते हुए पाये गये और प्रत्येक प्रसूति महिलाओं के पास 02-02 कंबल उपलब्ध मिले, जिन वार्डों में रूम हीटर नहीं लगे थे वहां पर लगाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने प्रसूति महिला एडमिट पंजिका व स्टोर रूम में स्टाक रजिस्टर की भी जांच की गई।

क्विक न्यूज

मदद की जगह फरियादी से अभद्रता करने वाला सिपाही निलंबित

सुमेरपुर (हमीरपुर)। एक ओर जहां दबंगों की शिकायत करने वाले एक फरियादी को यूपी 112 पुलिस की मदद मांगना महंगा पड़ गया जब मदद की जगह उसे गालियों से नवाजा गयाएतो वहीं सिपाही को भी शिकायतकर्ता की समस्या हल करने के बजाय उसे गाली देना उस वक्त महंगा पड़ गया जब ऑडियो वायरल होने पर एसपी ने उसे निलंबित कर दिया है। कस्बा सुमेरपुर के देवगांव रोड निवासी धर्मेन्द्र ने यूपी 112 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ शराबियों ने उसके पिता से शराब पीने के लिए पैसे मांगे और उनके साथ अभद्रता करते हुए गला दबाने की कोशिश की। शिकायत के बाद ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने धर्मेन्द्र को जांच के नाम पर घर से दूर बुलाया। जब धर्मेन्द्र ने वहां जाने से मना किया तो पुलिसकर्मी ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उसे गालियां देना शुरू कर दिया। यह पूरी बातचीत धर्मेन्द्र के मोबाइल पर रिकॉर्ड हो गई सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो में पुलिसकर्मी की गाली.गलौज साफसुनाई दे रही है। ऑडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच सुमेरपुर पुलिस को सौंपी गई सोशल मीडिया सेल ने भी इसकी पुष्टि की है पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गाली.गलौज करने वाले सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

आत्महत्या से पहले वीडियो वायरल करने वाले पर मुकदमा दर्ज

सुमेरपुर (हमीरपुर)। तीन दिन पहले सल्फास खाकर आत्महत्या करने वाले युवक राजेश उर्फ कल्लू गुप्ता की मौत के मामले में उसकी पत्नी और सास के खिलाफपुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के बड़े भाई संतोष कुमार गुप्ता की तहरीर पर यह कार्रवाई की गई है। टेढ़ा गांव निवासी राजेश ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। वीडियो में उसने अपनी पत्नी मुस्कान गुप्ता और सास गीता देवी पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की थीए मृतक के भाई संतोष ने कानपुर देहात के पुखरायां कस्बे की गुप्ता गली निवासी पत्नी मुस्कान गुप्ता और सास गीता देवी पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी थी पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ठण्ड लगने से खेतों की देखभाल कर रही महिला की मौत

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के अबियापुर गांव में खेतो की देखभाल करने पर ठंड लगने से मौत हो गई है। मृतक के पुत्र राम पुत्र स्व. रामपाल ने बताया कि रविवार की शाम पांच बजे उसकी माँ गीता देवी उम्र करीब 50 वर्ष खेत में सिचाई की देखभाल हेतु खेते पर देखभाल कर रही थी तभी अचानक ठंड लगने से बेहोश होकर गिर गई खेतो पर काम कर रहे लोग उठाकर उनको निजी अस्पताल ले जा रहे थे रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। मां की मौत की खबर सुनकर बेटा रामए लक्ष्मणए बेटी पूजा, रोली, रचना का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। दरोगा शोभित कटियार ने बताया कि परिजनों की सूचना पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चौकी इंचार्ज ने शिल्प प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

फतेहपुर। शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन कचेहरी चौकी इंचार्ज राजेश सिंह व उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। संचालक पीयूष एवं कमल ने बताया कि यह प्रदर्शनी जन सहयोग एवं विकास संस्थान द्वारा हस्तशिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु जनपद में लगाई गई है जो 10 फरवरी तक चलेगी। सर्दी के मौसम को देखते हुए स्वेटर, जैकेट, साल, कंबल, रजाई, झई फूड, चूड़ियां, पर्दे सहित तमाम अलग-अलग जरूरत की प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें लोगों को एक ही स्थान पर तरह-तरह की सामग्रियां मिलेगी और शुरुआती दौर में छूट भी प्रदान की जाएगी। ताकि लोग आसानी से इस प्रदर्शनी में अपने जरूरत की वस्तुएं खरीद सकें।

समिति ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल व जैकेट

फतेहपुर। युवा विकास समिति द्वारा बिलंदा स्थित गरीब झोपड़िया में रहने वाले ऐसे जरूरतमंद बच्चे जिनके पास सर्दी के मौसम में गर्म कपड़े नहीं हैं। ऐसे 40 बच्चों को निःशुल्क जैकेट उपलब्ध कराई गयी है। संगठन अध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि युवा विकास समिति द्वारा नेकी की दीवार कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों लोगों को ठंड से राहत दिलाने का काम किया जा रहा है। समाजसेवी फिरोज खान द्वारा गरीबों को ठंड से बचाने के काम मे मदद की जा रही है। इस मौके पर संगठन प्रमुख संजय दत्त द्विवेदी, आफ्ताब खान आदि लोग उपस्थित रहे।

चौथे दिन जारी रही पल्लेदारों की हड़ताल, नहीं मान रहे पल्लेदार

सुमेरपुर। नवीन गल्ला मंडी में पल्लेदारों की हड़ताल सोमवार को गल्ला तिलहन व्यापार संघ के साथ हुई वार्ता के बाद भी खत्म नहीं हो सकी। वार्ता विफल होने के कारण हड़ताल के लंबा खिंचने की संभावना बढ़ गई है। हड़ताल से मंडी समिति को राजस्व का नुकसान लगातार हो रहा है। पिछले गुरुवार को पल्लेदार पल्लेदारी की दर बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए थे। सोमवार को गल्ला तिलहन व्यापार संघ ने बैठक बुलाकर वार्ता का प्रयास कियाए लेकिन पल्लेदारों की मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। गल्ला तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष ने कहा कि पल्लेदार मौजूदा दर को दोगुना करने और बोरे की जगह बोरी के इस्तेमाल की मांग कर रहे हैंए जो वर्तमान में संभव नहीं है। मंडी सचिव ब्रजेश कुमार निगम ने बताया कि पल्लेदारों की हड़ताल से मंडी समिति को अब तक करीब 5 लाख रुपये का राजस्व नुकसान हो चुका है।

महेंद्र प्रताप सिंह को सौंपी गई कन्नौज जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

गुरसहायगंज, कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन टिकैत प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी किए गए मनोनयन पत्र में जिलाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि जिला महासचिव महेंद्र सिंह ठाकुर को कन्नौज जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मनोनयन से कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। उन्होंने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर हर्ष व्यक्त किया है। सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा द्वारा जारी किए गए मनोनयन पत्र में कहा गया है कि भारतीय किसान यूनियन कन्नौज जिलाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी के कार्यों निष्ठा एवं लगन को देखते हुए उन्हें प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है, एवं जिला महासचिव महेंद्र प्रताप सिंह कन्नौज जिलाध्यक्ष मनोनीत किया जाता है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, एक जिला अस्पताल में भर्ती

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र में हुई अलग.अलग घटनाओं में दो घायल दोनों घायलों को लहू लुहान हालत कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत एक घायल की हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार इंगोहटा गांव निवासी सुमित पुत्र रमेश रविवार की शाम सड़क दुर्घटना में घायल हो जाने पर राहगीरो की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार ना होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत चलाया अभियान

● एन्टीरोमियों टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को जागरूक किया गया

संवाददाता। कन्नौज

गुरसहायगंज में महिलाओं को जागरूक करतीं महिला कांस्टेवल सीमा।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के पर्यवेक्षण में 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0' के तहत जनपद के थानों पर तैनात एन्टीरोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्र के बस अड्डा/सार्वजनिक स्थानों/कस्बों/मंदिरों/बीट क्षेत्र/मोहल्लों/स्कूल/कालेज आदि के आस-पास गश्त/चेकिंग करते हुए महिलाओं व बालिकाओं को आत्मसुरक्षा के लिये जागरुक किया।

सोमवार को गस्त दौरान सार्वजनिक स्थानो पर घूम रहे शोहदों को चेतावनी भी दी। महिलाओ व छात्राओं से संबंधित अपराध व अपराध से संबंधित सजा के बारे में अवबत कराकर जागरुक किया। वहीं सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहो व साइबर क्राइम के विषय में व महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन्, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय मे पुलिस की पाठशाला/चौपाल लगाकर जागरूक किया गया तथा विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें।

जिम्बाम्बे हर हाल में वर्ष 2040 तक बन जायेगा विकसित देशः राजदूत

● हमीरपुर जिले के निवासी जिम्बांबे में आसीन राजदूत की पत्रकार वार्ता

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के मूल निवासी भारतीय विदेश सेवा में जिम्बांबे में राजदूत पद पर आसीन ब्रम्हकुमार ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिम्बाम्बे हमेशा भारत का अच्छा सहयोगी देश रहा है,जिम्बांबे हर हाल में वर्ष 2040 तक एक विकसित कंट्री बन जायेगा।

राजदूत ने कहा कि किसी देश के विकास के लिये उद्योग व समझ नीति बहुत ही आवश्यक है वह सब जिम्बांबे में है। उन्होने कहा कि दो देशों के मध्य राजनैतिक व सांस्कृतिक संबंध में सेतु के रुप में कार्य कराना अपने आप में एक गौरव की बात है। जिम्बांबे में देश को बहुत की संर्षष करने के बाद स्वतंत्रता 1980 में मिली थी,जिम्बांबेमें लोग भारत के प्रति अच्छी भावना रखते है। मिस्त्र व ओमान मलेशिया में भारतीय दूतावास में काम किया है। जिम्बांबे में पचास मिलियन डालर की पावर यूनिट वाटर इंटेक सिस्टम बनाकर भारत को दिया है जिसमे भारत के राष्ट्रपति ने बड़ी प्रशंसा की है।

उन्होने कहा जिम्बांवे में सैकडो भारतीय काम करते है। उन्होने इसके लिये आरबेनिक भाषा सीखी थी तभी कोई काम हो पाता था। जिम्बांबे को आजाद कराने के लिये जवाहर लाल नेहरु ने बहुत प्रयास किया था यही कारण है कि भारत के प्रति जिम्बांबे की अच्ची गुडविल है। जिम्बांबे में राष्ट्रपति मुगावे जो बहुत ही फेमस रहे है इंदिरा गांधी को भाई वहन के रुप में जाना जाता था। संयुक्त राष्ट्र संघ में जो समेकित रुप से अपनी बात करते है उसमे एक बजन होता है। भारत के मीराकुमार व उपराष्ट्रपति केनारायणन विदेश सेवा में रहे है। हमीरपुर जिले के निवासी नरेंद्र सिंह सरीला भी विदेश सेवा में रहे है उन्होने भारत पाकिस्तान बटवारे को लेकर एक पुस्तक भी लिखी है। जो बहुत ही सराहनीय पुस्तक है।

उन्होने के एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत में डिफेंस कारीडोर व जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत अच्छा विकास होगा इससे आर्थिक स्थिति भी अच्छी होगी। उन्होने कहा कि बुंदेलखंड में अब सरकार द्वारा अच्छी योजनाएं लागू की जा रही है जिससे बहुत की यहा का पिछड़ापन समाप्त हो जायेगा। उन्होने कहा कि कोई भी देश तभी विकास कर सकता है जब उसमे उद्योग के प्रति रुचि व चेतना विकसित होगी। इसके लिये मानसिकता बनानी पड़ती है। कई नीतिया है, इस मौके पर सत्येंद्र कुमार,आशुतोष मिश्रा, देवीदास अनुरागी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

भीषण ठण्ड को लेकर डीएम से मिला संघ का प्रतिनिधि मंडल

फतेहपुर। वर्तमान समय में जिले में पड़ रही भीषण ठण्ड व शीतलहर को देखते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कक्षा बारह तक के विद्यालयों का समय परिवर्तन किए जाने के साथ ही कक्षा आठ की कक्षाओं को स्थगित करने की मांग उठाई। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आलोक शुक्ला की अगुवई में एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा और डीएम को दिए गए ज्ञापन में बताया कि जनपद भीषण ठण्ड व शीतलहर से प्रभावित है। बेसिक शिक्षा विभाग ने कक्षा आठ तक जनपद के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है लेकिन सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं राजकीय विद्यालयों में कक्षा आठ तक की कक्षाएं पूर्व की भांति संचालित हो रही हैं। ठण्ड के कारण विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति लगभग चालीस प्रतिशत भी नहीं हो पा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति तो और भी दयनीय एवं सोंचनीय है क्योंकि विद्यालयों में अधिकांश छात्राओं-छात्रों के पास न तो ठण्ड से बचने के लिए गर्म कपड़े हैं और न ही पैरों में जूते हैं। ऐसी स्थिति में वे कांपते हुए विद्यालय आते हैं और विद्यालय में आने के बाद केवल व केवल अलाव जलाकर ठण्ड से बचने के लिए एक मात्र उपाय करते हैं। बताया कि प्रदेश के कई जनपदों में इंटर तक की कक्षाओं का समय प्रात: दस बजे से अपरान्ह दो बजे तक कर दिया गया है। कई जनपदों में तो विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। भीषण ठण्ड, शीतलहर व कोहरा मौसम विभाग के अनुसार अगले कई दिनों तक जारी रहने की प्रबल संभावना है जिसको दृष्टिगत रखते हुए इंटर तक के सभी बोर्डों की कक्षाओं का समय प्रात:काल दस बजे से अपरान्ह दो बजे तक या उक्त विद्यालयों को अन्य जनपदों की भांति बंद करने का आदेश दिया जाए। सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं राजकीय विद्यालयों में बेसिक शिक्षा परिषद की भांति अवकाश घोषित किया जाए।

देहदान कर प्रेरणा स्त्रोत बने चयन सिंह गौतम

● एक हजार वर्ष तक केजीएमयू में संरक्षित रहेगा पार्थिव शरीर

● बेटे बढ़ा रहें इंडोनेशिया में देश का मान

चयन सिंह गौतम की फाइल फोटो।

फतेहपुर। जनपद के मलवां ब्लॉक के मौहार गांव निवासी पंचायत राज विभाग के एरिया डेवलपमेंट आफिसर के पद पर सेवाएं देने वाले वयोवृद्ध चयन सिंह गौतम का 91 वर्ष में लखनऊ के डा. ओपी चौधरी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में चार जनवरी की सुबह 9.22 बजे निधन हो गया। देहदान कर अमर हो गए न सिर्फ प्रेरणा स्रोत बने बल्कि क्षेत्रीय लोगों के बीच अमिट छाप छोड़ गए। माटी के लाल चयन सिंह गौतम का शव एक हजार वर्षों तक किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में संरक्षित रखने की जानकारी कालेज के डायरेक्टर ने देते हुए कहा नि:संदेह समाज हित (जनहित) में लिया गया फैसला है। जो कि लाखों लोगों के जीवन के लिए वरदान साबित हो सकता है जो देहदान कर अमर हो गए। चर्चा है कि 2012 में पत्नी विद्यावती के गो लोक गमन के बाद कई ज्योतिर्लिंगों के एक साथ दर्शन के बाद श्री सिंह ने अध्यात्म की ओर रुख करने के बाद 2013 में परिजनों को देहदान की जानकारी देते हुए जनहित में अंतिम इच्छा व्यक्त की।

चयन सिंह गौतम की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों के साथ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्र में समाजसेवी के रुप में कई विद्यालय में अतुलनीय सहयोग देकर समाज सेवा के रूप में प्रख्यात हुए खास तौर पर महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूकता हुआ अध्यात्म को लेकर चिंतन में रुचि थी।

निधन की सूचना मिलते ही मौहार, गुगौली, चौडगरा, हरसिंगपुर, रामपुर, साई, गोपालगंज, बिन्दकी, रामपुर, पहुर, कोरसमपुर, अभयपुर, पहरवापुर, दादनखेडा, हरदौलपुर, जलाला, अलीपुर, बरेठर, डुंडरा, पधारा, लहंगी, बडहार, देवमई, मलवां, कोटिया अमौरा में समाहित में जुड़े लोगों नें शोक व्यक्त किया। दिवंगत चयन सिंह गौतम के तीन बेटों में दो एनआरआई हैं, जो बड़े बेटे भालचंद्र सिंह गौतम प्रताप ग्रुप की चार कम्पनियों के जनरल मैनेजर के पद पर हैं जिनका कार्य क्षेत्र अंबाला, हिमांचल, बंगलौर है, जो इण्डिया में कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में बेस्ट मानी जाती है वहीं छोटे भाई धनंजय सिंह गौतम इंडोनेशिया में टेक्सटाइल उद्योग क्षेत्र के पीटी सारी वर्ना अस्ली कम्पनी में कार्यरत हैं जो इंडोनेशिया में टेक्सटाइल के क्षेत्र में लोगों के बीच पसंदीदा मानी जाती है। जिससे भारत का मान बढ़ा रहा है।

उद्योगपति अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को काम पर न रखें : हिमंत विश्व शर्मा

भाषा। मुंबई

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को उद्योगपतियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को सस्ते श्रम के चलते काम पर न रखने का आग्रह किया। उन्होंने टाटा, अदाणी समूह और महिंद्रा सहित कॉरपोरेट घरानों के कई लोगों से मुलाकात के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रवासियों को काम पर न रखकर बांग्लादेश से अवैध प्रवास की समस्या की जड़ पर प्रहार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाई बांग्लादेश से सस्ते मजदूर लाने के लिए बिचौलियों को काम पर रख रहे हैं, जहां कपड़ा इकाइयां बंद हो रही हैं। उन्होंने कहा, भारत में सस्ते मजदूर कौन लाता है? यह हमारा अपना उद्योग है। शर्मा ने कहा कि साधारण पूछताछ से पता चल जाएगा कि पड़ोसी देश में कपड़ा इकाइयों के बंद होने के बाद बांग्लादेशी श्रमिक भारत आ रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या सप्ताहांत में उद्योग प्रमुखों के साथ उनकी बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा, उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दे पर दोबारा जोर देने की कोई जरूरत नहीं, जिसपर असम 1979 से लड़ रहा है। राज्य को उम्मीद है कि फरवरी में गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन में केंद्र सरकार और उसके साथ संबद्ध संस्थाओं से एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता मिल सकती है। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन 25-26 फरवरी को किया जा रहा है, जिसमें पर्यटन, सेमीकंडक्टर और रक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर खासतौर से जोर होगा। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर असेंबली संयंत्र के लिए टाटा समूह का 27,000 करोड़ रुपए का निवेश तय समय के अनुसार है और पहले चरण का उद्घाटन इस साल नवंबर या दिसंबर में किया जाएगा। इसके अलावा, टाटा ने राज्य में 500 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित करने में भी रुचि दिखाई है। इसके तहत चाय बागानों की बंजर भूमि को सौर ऊर्जा पार्कों में बदला जा सकता है। शर्मा ने कहा कि राज्य रक्षा उत्पादन और मरम्मत में भी निवेश आकर्षित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह और महिंद्रा के साथ उनकी बातचीत के दौरान इस पहलू पर चर्चा हुई।

सेबी ने निष्क्रिय खातों में कोष निपटान के नियमों को सरल किया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को कहा कि उसने 30 दिन तक निष्क्रिय रहने वाले ट्रेडिंग खातों में ग्राहकों के कोष के निपटान संबंधी मानदंडों को आसान बना दिया है। संशोधित मानदंड तत्काल प्रभावी हो जाएंगे। यह कदम निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए बाजार प्रतिभागियों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। सेबी ने एक परिपत्र में कहा कि संशोधित दिशानिर्देशों के तहत शेयर ब्रोकर को अब निष्क्रिय खातों की पहचान प्रतिदिन करने और तीन कार्यदिवसों के भीतर उनका निपटान करने की जरूरत नहीं रह गई है। इसके बजाय ऐसे निष्क्रिय खातों में राशि का निपटान शेयर बाजारों द्वारा अपने वार्षिक कैलेंडर में अधिसूचित मासिक चालू खाता निपटान चक्र के दौरान किया जाएगा। पिछले 30 कैलेंडर दिन में कारोबार नहीं करने वाले ग्राहक के कोष का निपटान मासिक चालू खाता निपटान चक्र की आगामी निपटान तिथियों पर किया जाएगा।

मप्र के मुख्यमंत्री ने पीथमपुर की जनता से अदालत में अपना पक्ष रखने का आग्रह किया

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि धार जिले के पीथमपुर के लोगों को यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट के निपटान के मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को सुरक्षा दिशा-निर्देशों के अनुसार यूनियन कार्बाइड कारखाने के अपशिष्ट निपटान पर कार्रवाई करने के लिए छह सप्ताह का समय दिए जाने के बाद यादव ने भोपाल में संवाददाताओं से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने अपशिष्ट निपटान के मुद्दे पर मीडिया को गलत खबरें न देने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्णय उनकी उम्मीदों के अनुरूप आया है और उन्हें अदालत पर पूरा भरोसा है। दो और तीन दिसंबर, 1984 की दरमियानी रात्रि को भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक कारखाने से मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस लीक हुई थी, जिसमें कम से कम 5,479 लोग मारे गए थे और हजारों लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे तथा उनमें लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहीं। कुल 12 सीलबंद कंटेनरों में भरा यह कचरा दो जनवरी को राजधानी भोपाल में यूनियन कार्बाइड के बंद पड़े कारखाने से 250 किलोमीटर दूर धार जिले के पीथमपुर में निपटान स्थल पर ले जाया गया। यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किया है और यूनियन कार्बाइड कारखाने से कचरे को पीथमपुर ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चाहती थी कि लोगों को भी अदालत में अपनी भावनाएं रखने का अवसर मिले और उच्च न्यायालय ने इस पर विचार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय ने सरकार की मंशा को समझा है। उन्होंने कहा, हम सभी को अदालत पर भरोसा है। फैसला हमारी उम्मीदों के अनुरूप आया है। मैं क्षेत्र (पीथमपुर) के लोगों से कहना चाहता हूं कि अब भी समय है और उन्हें अदालत में अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार हमेशा अदालत के निर्देशों के अनुसार कार्वाई करती है। धार जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित पीथमपुर में तीन जनवरी को उस समय विरोध प्रदर्शन हुए, जब भोपाल में यूनियन कार्बाइड कारखाने से निकला कचरा रामकी एनवायरो कंपनी पहुंचा, जहां इसे जलाया जाना है। तीन दिन पहले, पीथमपुर में कचरे के नियोजित निपटान के विरोध में दो लोगों ने आत्मदाह करने की कोशिश की थी। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि यह निपटान मनुष्यों और पर्यावरण के लिए हानिकारक होगा।

इसरो के पीओईएम-4 पर अंकुरित बीज में पहली पत्तियां निकली

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि पीएसएलवी-सी60 पीओईएम-4 प्लेटफॉर्म पर अंतरिक्ष में भेजे गए लोबिया के बीजों में अंकुरण के बाद पहली पत्तियां निकल आई हैं। इसरो ने कहा कि यह अंतरिक्ष आधारित पौध अनुसंधान में एक मील का पत्थर है। भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) द्वारा विकसित कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज (सीआरओपीएस) एक स्वचालित मंच है, जिसे अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वातावरण में पौधों के जीवन को विकसित करने और बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। इसरो ने कहा कि उसके हालिया प्रयोगों में से एक में सक्रिय तापीय प्रबंधन से सुसज्जित नियंत्रित एवं बंद वातावरण में लोबिया के बीज उगाना शामिल था। इसरो ने बताया कि इस प्रणाली ने ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर, सापेक्ष आर्द्रता, तापमान और मिट्टी की नमी सहित विभिन्न मापदंडों की निगरानी की, साथ ही पौधों की वृद्धि पर नजर रखने के लिए तस्वीरें भी लीं। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, इस प्रणाली ने अंतरिक्ष में लोबिया के अंकुरण और दो पत्ती वाली अवस्था तक विकास को सफलतापूर्वक सहायता प्रदान की।इसरो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, यह उपलब्धि न केवल अंतरिक्ष में पौधे उगाने की इसरो की क्षमता को प्रदर्शित करती है, बल्कि भविष्य के दीर्घकालिक मिशन के लिए मूल्यवान जानकारी भी प्रदान करती है। पौधे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल कैसे ढलते हैं, यह समझना जीवन समर्थन प्रणाली विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है जो अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भोजन का उत्पादन कर सकती है और हवा और पानी बना सकती है।

लोकपाल ने पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत का निपटारा किया

भाषा। नई दिल्ली

भ्रष्टाचार-रोधी संस्था लोकपाल ने अधिकार क्षेत्र से बाहर होने का हवाला देते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली एक शिकायत का निपटारा कर दिया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 18 अक्टूबर, 2024 को भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के खिलाफ एक नेता और राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने तथा उन्हें बचाने के लिए पद का दुरुपयोग करने और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शिकायत दी गई थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए। लोकपाल ने अपने आदेश में विस्तार से इस पहलू की जांच की है कि क्या पद संभाल रहे किसी प्रधान न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम की धारा 14 के तहत उसके अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं, जिसके बाद उसने 382 पृष्ठों की इस शिकायत में लगाए गए विभिन्न आरोपों पर विस्तार से चर्चा करने से बचने का निर्णय लिया। तीन जनवरी के आदेश में कहा गया, हम और कुछ नहीं कहेंगे। लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया है, उपर्युक्त के आलोक में, हम इस शिकायत को अधिकार क्षेत्र से बाहर मानते हुए इसका निपटारा करते हैं। आदेश में कहा गया है कि शिकायतकर्ता कानून के तहत अन्य उपायों को अपनाने के लिए स्वतंत्र है। इसमें कहा गया, ऐसा नहीं समझा जा सकता कि हमने आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त की है। लोकपाल ने अधिनियम की धारा 14 के तहत विभिन्न प्रावधानों - प्रधानमंत्री, मंत्रियों, संसद सदस्यों, समूह ए, बी, सी और डी के अधिकारियों तथा केंद्र सरकार के अधिकारियों को शामिल करने के लिए लोकपाल के अधिकार क्षेत्र - की जांच की। इस प्रावधान की शाब्दिक और यहां तक कि प्रासंगिक व्याख्या हमें इस निष्कर्ष पर ले जाती है कि केवल इस प्रावधान में उनके पदनाम या विवरण के साथ संदर्भित व्यक्ति ही लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में हैं, क्योंकि वे एक लोक सेवक हैं, जिनके खिलाफ लोकपाल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के अंतर्गत भ्रष्टाचार के किसी भी आरोप से जुड़े या उससे उत्पन्न होने वाले किसी भी मामले की जांच करने या जांच कराने का कर्तव्य सौंपा गया है, जो लोकपाल को शिकायत के माध्यम से किया गया हो।

प्लास्टिक निर्माताओं ने बजट में पीएलआई योजना की घोषणा की मांग रखी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय प्लास्टिक निर्माता संघ ने सोमवार को सरकार से आगामी बजट में इस क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने का अनुरोध किया ताकि वैश्विक प्लास्टिक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ सके। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक में प्लास्टिक निर्माताओं ने यह मांग रखी। अखिल भारतीय प्लास्टिक निर्माता संघ (एआईपीएमए) ने कहा कि उसने सरकार से प्लास्टिक कचरे के साथ-साथ पुनर्चक्रण मशीनरी पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को शून्य करने का अनुरोध किया है। इससे प्लास्टिक के दोबारा इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सकेगा। इसके अलावा पुनर्चक्रीत प्लास्टिक कणों की रूपांतरण लागत पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने और पुनर्चक्रण के लिए पूंजीगत उपकरण खरीद पर 20 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करने की भी मांग की गई है।

क्विक न्यूज

जम्मू रेलवे मंडल के डीआरएम नियुक्त किए गए ई. श्रीनिवास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जम्मू रेलवे मंडल का डिजिटल माध्यम से सोमवार को उद्घाटन किए जाने के बाद रेलवे बोर्ड ने ई. श्रीनिवास को इसका मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) नियुक्त किया है। नए रेलवे मंडल का उद्घाटन होने के तुरंत बाद बोर्ड द्वारा उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक को भेजे गए लिखित संदेश में कहा गया कि उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्रीनिवास को उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल का डीआरएम नियुक्त किया जाता है। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, जम्मू रेलवे मंडल पठानकोट से बारामूला तक रेल पटरियों के संचालन को कवर करेगा। यह पठानकोट से जोगिंदर नगर तक छोटी लाइन को भी कवर करेगा। उन्होंने कहा, इस मंडल से जम्मू और कश्मीर में रेलवे परिचालन का विकास होगा। कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली नई ट्रेन सेवाओं से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

गुर्दा प्रत्यारोपण के नाम पर 13 लाख की ठगी, मामला दर्ज

कौशांबी (उप्र)। जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक युवक से उसके बीमार भाई का गुर्दा प्रत्यारोपण कराने के नाम पर साढ़े 13 लाख रुपए से ज्यादा की कथित ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव निवासी दिनेश कुमार यादव ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसके भाई राजेश कुमार के गुर्दे खराब थे तथा गुरुग्राम स्थित एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने गुर्दा प्रत्यारोपण कराने की सलाह दी थी। उन्होंने बताया कि इसी दौरान यादव का परिचय भदोही जनपद निवासी अजय कुमार से हुआ तथा यादव का आरोप है कि चार माह पहले अजय कुमार ने गुर्दा प्रत्यारोपण कराने के नाम पर कुल 30 लाख रुपए और अग्रिम भुगतान के रूप में 15 लाख रुपए की मांग की थी। सिंह के मुताबिक, यादव ने कर्ज लेकर 13 लाख 60 हज़ार रुपए अजय कुमार को ऑनलाइन भेज दिए जिसके बाद भी आरोपी अजय कुमार ने पीड़ित यादव के भाई के लिए गुर्दे की व्यवस्था नहीं की।

संभल हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

संभल (उप्र)। संभल में पिछले वर्ष नवंबर माह में हुई हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 24 नवंबर को हुई हिंसा के दौरान दोपहर करीब 12 बजे जब पुलिस दंगाइयों को खदेड़ रही थी, तभी हिंदू पुरा खेड़ा इलाके में छत से एक महिला ने पुलिस टीम पर भारी पथराव किया था। इसके बाद एक वीडियो से उसकी पहचान हुई। कुमार ने बताया कि आरोपी महिला जिगरा (40) को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

शेफडर्स इंडिया इंटरनेशनल की राष्ट्रीय सचिव बनीं विधायक पूजा पाल

प्रयागराज। शेफ्डर्स इंडिया इंटरनेशनल ने चायल कौशांबी की विधायक पूजा पाल को संस्था का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। यह मनोनयन शेफ्डर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए एच विश्वनाथ ने आज मनोनीत किया है। विधायक पूजा पाल ने मनोनयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित किया है। पूजा पाल ने कहा कि जो भी जिम्मेदारी संगठन ने सौंपी है उसका पूरी तरह से निर्वहन करेंगी। विधायक पूजा पाल को राष्ट्रीय सचिव मनोनीत होने पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष पल्लवी पाल प्रदेश उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र पाल जयराम पाल प्रभारी मण्डल अध्यक्ष अशोक पाल वीरेन्द्र बहादुर पाल जिलाध्यक्ष कमलेश प्रधान महानगर अध्यक्ष आशीष पाल सरोज पाल नीलम पाल सहित अन्य लोगों ने बधाई दिया है।

सरकार जल्द ही चीनी का एमएसपी बढ़ाने पर फैसला लेगी: खाद्य मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को कहा कि सरकार जल्द ही चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने पर फैसला लेगी। चीनी का एमएसपी 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बना हुआ है। यह दर फरवरी, 2019 में निर्धारित की गई थी। हालांकि, उद्योग निकाय बढ़ती उत्पादन लागत और चीनी मिलों के समक्ष आ रहे आर्थिक दबाव के कारण लगातार दरों में बढ़ोतरी की मांग करते रहे हैं। जोशी ने यहां एक कार्यक्रम के मौके कहा, इसकी मांग है। विभाग इस मामले से अवगत है। हम जल्द ही फैसला लेंगे कि इसे बढ़ाना है या नहीं। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (इस्मा) और राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) को 39.14 रुपए प्रति किलोग्राम या यहां तक कि 42 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

श्रमिक संगठनों ने बजट में आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग रखी

भाषा। नई दिल्ली

श्रमिक संगठनों ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में ईपीएफओ के तहत मिलने वाली न्यूनतम पेंशन को पांच गुना करने, आठवें वेतन आयोग के तत्काल गठन और अत्यधिक अमीर लोगों (सुपर रिच) पर अधिक कर लगाने की सोमवार को मांग की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अपनी परंपरागत बजट-पूर्व बैठक में श्रमिक संगठनों के नेताओं ने आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए सालाना करने, अस्थाई कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना लाने और सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने की भी मांग की। सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। इस क्रम में वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं। ट्रेड यूनियन को-

ईपीएफओ पेंशन 5,000 रुपए करने की भी मांग

आर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव एसपी तिवारी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार को सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण की पहल पर रोक लगानी चाहिए और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा निधि जुटाने के लिए बेहद अमीर लोगों पर अतिरिक्त दो प्रतिशत कर लगाना चाहिए। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा दिए जाने और उनकी न्यूनतम मजदूरी भी तय किए जाने की मांग रखी। भारतीय मजदूर संघ के संगठन सचिव (उत्तरी क्षेत्र) पवन कुमार ने कहा कि कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (ईपीएस-95) के तहत देय न्यूनतम पेंशन को पहले 1,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 5,000 रुपए मासिक किया जाना चाहिए और फिर इसमें वीडीए (परिवर्तनीय महंगाई भत्ता) को भी जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आयकर छूट की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपए की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पेंशन से होने वाली आय को कर से मुक्त किए जाने की मांग भी सरकार से की। कुमार ने यह भी कहा कि सरकारी कर्मचारियों के वेतन ढांचे को संशोधित करने के लिए आठवें वेतन आयोग का तत्काल गठन किया जाना चाहिए। श्रमिक संगठन भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र के राष्ट्रीय सचिव स्वदेश देव रॉय ने इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि फरवरी, 2014 में सातवें वेतन आयोग का गठन होने के बाद से 10 साल से अधिक समय बीत चुका है। देव रॉय ने सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों में स्थाई कर्मचारियों की संख्या में आई भारी गिरावट पर चिंता जाहिर की।

महिला के लापता होने के बाद दो समुदायों के बीच झड़प

दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ शिकायत की

भाषा। गोरखपुर (उप्र)

कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में एक महिला के लापता होने के बाद अलग-अलग समुदायों के दो परिवारों के बीच विवाद झड़प में बदल गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामला लौकरिया गांव (कुशीनगर जिले में) के निवासी जय कुमार से जुड़ा है, जिनकी बेटी का विवाह गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र में हुआ था। वह 28 दिसंबर, 2024 को लापता हो गई थी। जय कुमार की शिकायत पर कार्वाई करते हुए, गोरखपुर पुलिस उसी गांव के निवासी अली हसन के घर दो जनवरी को पूछताछ करने आई थी। जय कुमार ने अली हसन के पुत्र रोज मोहम्मद पर अपनी बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया, जिसके कारण परिवारों के बीच तनाव बढ़ गया और झड़प हो गई।झड़प के बाद, जय कुमार के पिता बाडू उर्फ रमई पासवान ने चार लोगों के खिलाफ गोरखपुर के गुलरिहा पुलिस स्टेशन में तहत शिकायत दर्ज कराई। यह मामला दो जनवरी को रोज मोहम्मद सहित चार लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था।पुलिस के मुताबिक, इसके बाद रोज मोहम्मद की मां, ऐरुन्निसा ने जय कुमार के परिवार के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई। नेबुआ नौरंगिया थाने (कुशीनगर) में पांच जनवरी को सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। खड्डा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) उमेश चंद भट्ट ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और आगे की जांच चल रही है।

पेज 1 का शेष

भारत पहुंचा...

कि चेन्नई में दो बच्चों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) की पुष्टि हुई है और उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने एचएमपीवी की जांच के लिए उठाए जाने वाले कदमों और इसे फैलने से रोकने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एचएमपीवी पहले से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में है और विभिन्न देशों में इससे संबंधित श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के वर्तमान आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि देश में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वह सभी उपलब्ध निगरानी माध्यमों से स्थिति की निगरानी कर रहा है। आईसीएमआर ने कहा कि वह पूरे साल एचएमपीवी संक्रमण के रुझानों पर नजर रखना जारी रखेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश भर में हाल ही में किए गए तैयारी अभ्यास से पता चला है कि भारत श्वसन संबंधी बीमारियों में किसी भी संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप तुरंत किया जा सकता है। इस बीच, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी अस्पतालों को सांस संबंधी बीमारियों में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का सोमवार को निर्देश दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अत्यंत आवश्यक निर्देश जारी करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को स्थिति पर बारीक नजर रखने तथा समय पर अद्यतन जानकारी के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में रहने का निर्देश दिया। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एचएमपीवी के मामले सामने आने पर चिंता जताई और केंद्र से संभावित स्वास्थ्य संकट को रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया।

ईसी...

करने के लिए ईआरओ और ईआरओ द्वारा 100 फीसदी फ़ील्ड सत्यापन किया जाएगा। ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार ईआरओ संदिग्ध मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई भी कर रहे हैं। मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए झूठे/छेड़छाड़ वाले दस्तावेज जमा करने के आरोप में अब तक 24 लोगों के खिलाफ आठ एफआईआर दर्ज की गई हैं। ईआरओ को उन व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है, जो मतदाता सूची में नामांकन प्राप्त करने के लिए झूठे दावे और झूठे दस्तावेज जमा कर रहे हैं।' चुनाव अधिकारियों ने दावों का खंडन करते हुए कहा है कि मतदाताओं को जोड़ने और हटाने के लिए सभी उचित प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। आप और भाजपा दोनों ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एक-दूसरे पर मतदाता सूची से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। आप ने अनधिकृत विलोपन का दावा करते हुए मतदाता सूची से अपने समर्थकों के नाम कथित तौर पर हटाने पर चिंता जताई है। दूसरी ओर, भाजपा ने मतदाता सूची में विसंगतियों की ओर इशारा किया है, इसके लिए अवैध अप्रवासियों और स्थानांतरित व्यक्तियों की उपस्थिति को जिम्मेदार ठहराया है, जिसके बारे में उनका मानना है कि इसके कारण गलत नाम जोड़े गए हैं। आप ने भाजपा पर केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी का समर्थन करने वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन दायर करने का आरोप लगाया था। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, जहां से आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार करते हुए सिंह समेत आप नेताओं पर चुनाव अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया। दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने विधानसभा चुनाव से पहले विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर), 2025 प्रकाशित किया।

कांग्रेस...

अन्य नेता मौजूद थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की यह पहली बड़ी घोषणा है। इससे पहले, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि सत्ता में फिर से आने पर वह दिल्ली की महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपए की आर्थिक मदद देगी। दिल्ली में 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव अगले महीने होने की संभावना है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इसे कर्नाटक मॉडल की तर्ज पर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्यारी दीदी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने वादा किया कि दिल्ली में कांग्रेस के सत्ता में आने पर नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में ही इसे लागू किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा, आज मैं यहां प्यारी दीदी योजना की शुरुआत करने आया हूं। हमें विश्वास है कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी और नए मंत्रिमंडल के पहले दिन हम राजधानी की प्रत्येक महिला को 2,500 रुपए देने की योजना लागू करेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस की ताकत देश की ताकत है और कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है। हम कामना करते हैं कि यह नया साल दिल्ली में बदलाव लाए। मुझे उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली में कांग्रेस सरकार लाने में हमारी मदद करेंगे। काजी निजामुद्दीन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की, समाज कल्याण और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी यह पहली गारंटी है। उन्होंने कहा, समाज कल्याण और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर रही है। कर्नाटक में भी सरकार बनते ही कांग्रेस ने समाज कल्याण की अपनी योजना पहली कैबिनेट में तय कर लागू की थी। इसलिए महिला सशक्तिकरण के लिए दिल्ली में कांग्रेस जरूरी है। देवेंद्र यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में एक बहुरूपिया और सपनों का सौदागर सत्ता पर काबिज है, जो लगातार लोगों को सपने दिखा रहा है। उन्होंने दावा किया, 11 साल में दिल्ली बद से बदतर होती जा रही है। उसके दिखाए हर सपने टूटते नजर आ रहे हैं। 11 साल में जिस शिक्षा मॉडल, मुफ्त बिजली-पानी देने, भ्रष्टाचार मिटाने की बात की गई थी, उन सभी पहलुओं पर केजरीवाल जी विफल साबित हुए हैं। यादव ने कहा, हमें खुशी है कि हम आपके सामने प्यारी दीदी योजना लेकर आए हैं। आने वाले समय में हम आपके लिए और योजनाएं लेकर आएंगे, जो दिल्ली के लिए बहुत जरूरी हैं।

क्षेत्राधिकार...

भी पुलिस विभाग ने कार्रवाई नहीं की, स्थिति बिगड़ती गई। परिवार के एक अन्य सदस्य ने कहा, 'हम चाहते हैं कि शव परीक्षण जल्दी हो ताकि हम अंतिम संस्कार कर सकें। इस देरी ने हमारे दर्द को और बढ़ा दिया है।' आखिरकार हादसे के चार घंटे बाद रात 11 बजे मध्य प्रदेश पुलिस वापस लौटी और शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. ग्रामीणों के जाम हटाने के बाद ही यातायात परिचालन बहाल हो सका। यह घटना राज्य पुलिस बलों के बीच, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में अराजकता और समन्वय की कमी को उजागर करती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, यहाँ जो हुआ वह शर्मनाक है। एक युवक के शव को लावारिस छोड़ दिया गया और उसके परिवार को कष्ट सहना पड़ा क्योंकि दो राज्य यह तय नहीं कर पा रहे थे कि किसे कार्रवाई करनी चाहिए। पीड़ित परिवार ने हिट-एंड-रन के लिए जिम्मेदार ड्राइवर की पहचान कर उसे दंडित करने की मांग की है। इस बीच, इस घटना ने सोशल मीडिया पर आक्रोश फैला दिया है और अंतर-राज्य क्षेत्राधिकार विवादों से निपटने में सुधार की मांग की जा रही है।

दूसरों को...

और रिवॉल्वर थी। जब विमान का अपहरण किया गया था तब उसमें 180 यात्री मौजूद थे और इनमें से अधिकांश को आठ दिनों तक कष्टदायक समय का सामना करना पड़ा था क्योंकि लोगों की जान बचाने के कारण विमान चालक (कैप्टन) को विमान को अमृतसर, लाहौर, दुबई और कंधार में रोकना पड़ा था। हालांकि, इस हादसे में एक यात्री की मौत भी हो गई थी। इंडियन एयरलाइंस का 2007 में एयर इंडिया में विलय कर दिया गया।

जल्द ही भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देशभर से हाई स्पीड ट्रेनों की बढ़ती मांग और अपनी सरकार के तहत रेल के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी।वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नए जम्मू रेलवे डिवीजन के उद्घाटन सहित रेल से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि पिछले दशक में रेलवे में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं।इस दौरान मोदी ने तेलंगाना में चारलापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन का भी उद्घाटन किया और पूर्वी तटीय रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी।उन्होंने हाल ही में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन के परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि 50 से अधिक मार्गों पर 136 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।उन्होंने कहा, वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। पिछले कुछ दिनों में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत किए जाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने नए साल में संपर्क के मामले में भी तेज रफ्तार बनाए रखी है।उन्होंने कहा, मैंने कल दिल्ली-एनसीआर में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। मोदी ने कहा कि बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना, देश के सभी हिस्सों में संपर्क को बढ़ावा देना और रोजगार व उद्योग को समर्थन देना, रेल क्षेत्र में विकास के चार मानकों पर सरकार काम कर रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग लंबी दूरी तय करने में कम समय बिताना चाहते हैं, जिससे हाई स्पीड ट्रेनों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में रेल संपर्क का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत, रेल लाइनों के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुंच को भी लगातार विस्तार दिया है। बीते 10 वर्षों में 30 हजार किमी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक बदलावों का रहा है। रेलवे अवसंरचना में ऐसा बदलाव आया है जो दिख रहा है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गुरु गोबिंद सिंह सिखों के 10वें गुरु थे और उनकी जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। खालसा पंथ की स्थापना करने वाले गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1666 में आज ही के दिन बिहार के पटना साहिब में हुआ था। राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद जताई कि गुरु गोबिंद सिंह की शाश्वत शिक्षाएं सभी को धर्म, शांति और सौहार्द के मार्ग पर ले जाएंगी।राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर सभी लोगों को बधाई। मानवता के कल्याण के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा हमें प्रेरित करती रहती है।

अमित शाह ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मत्था टेका

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब जाकर गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह ने संस्कृति, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया तथा कट्टरपंथी आक्रमणकारियों के सामने अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। अधिकारियों ने बताया कि शाह मध्य दिल्ली स्थित गुरुद्वारे पहुंचे और सभी के कल्याण के लिए अरदास की। उन्होंने हिंदी में लिखा, दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर मैं उन्हें याद करता हूं और उन्हें नमन करता हूं। संस्कृति, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले गुरु गोबिंद सिंह जी कट्टर आक्रांताओं के सामने अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। त्याग, वीरता और समर्पण का प्रतीक उनका जीवन अनंत काल तक सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा। गृहमंत्री शाह ने यह भी कहा कि अन्याय और अत्याचार के खिलाफ डटकर लड़ने वाले गुरु गोबिंद सिंह का जीवन त्याग, वीरता और सेवा का अनूठा उदाहरण है। सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह का जन्म पटना में आज ही के दिन हुआ था। उनकी जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है।

छत्तीसगढ़ के पत्रकार हत्याकांड का मुख्य आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

भाषा। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार की हत्या के मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पेशे से ठेकेदार आरोपी चंद्राकर पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद से ही फरार था।बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि हत्या मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने रविवार देर रात हैदराबाद से सुरेश चंद्राकर को हिरासत में लिया।अधिकारी ने बताया कि आरोपी को सोमवार की सुबह बीजापुर लाया गया और उससे पूछताछ की जा रही है।उन्होंने बताया कि सुरेश चंद्राकर के भाई रितेश चंद्राकर और दिनेश चंद्राकर तथा सुपरवाइजर महेंद्र रामटेके को पहले ही इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

भारत ने अफगानिस्तान पर पाक हवाई हमलों की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की सोमवार को निंदा की और कहा कि अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान ने इन हमलों के बारे में कहा कि इसका उद्देश्य कुछ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने महिलाओं और बच्चों सहित अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों की मीडिया रिपोर्ट पर गौर किया है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। हम निर्दोष नागरिकों पर किसी भी तरह के हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते है। उन्होंने कहा, अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है।

न्युवोको ने वीसीएल का अधिग्रहण पूरा किया

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह और पूर्वी भारत में एक प्रमुख कंपनी, वडराज सीमेंट लिमिटेड वीसीएल के अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। न्युवोको वीएसएल के सफल एसआरए के रूप में उभरा है, जो वर्तमान में कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी समाधान प्रक्रिया से गुजर रहा है। न्युवोको द्वारा प्रस्तुत रेजोल्यूशन प्लान को कमेटी ऑफ क्रेडिटर्सद्वारा मंजूर किया गया है और एक लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया गया है। इस महत्वपूर्ण मौके पर जयकुमार कृष्णास्वामी मैनेजिंग डायरेक्टरए न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि ष्यह अधिग्रहणए न्युवोको के सफल सफ़र में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री में पांचवें सबसे बड़े उत्पादक के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है और हमारी बाजार में पकड़ को और मजबूत करता है।

एसयूडी लाइफ का मोमेंटम इंडेक्स फंड लॉन्च

कानपुर। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एस.यू.डी. लाइफ) ने नए साल में एस.यू.डी. लाइफ मिडकैप मोमेंटम इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड पॉलिसीधारकों को भारत के तेजी से बढ़ते मिडकैप मार्केट में निवेश करने का शानदार मौका दे रहा है। मिडकैप कंपनियां वे होती हैं जिनका काफी मजबूत बिज़नेस मॉडल होता है और जो तेजी से बढ़ने के लिए तैयार होती हैं। मोमेंटम इन्वेस्टिंग यानी उन स्टॉक्स पर फोकस करना जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और कमजोर स्टॉक्स को समय-समय पर हटा देना। एस.यू.डी. लाइफ मिडकैप मोमेंटम इंडेक्स फंड हर 6 महीने में री-बैलेंस होता है जिससे मजबूत और कम अस्थिरता वाले स्टॉक्स पर फोकस बना रहता है।यह फंड निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है। यह इंडेक्स मिडकैप स्टॉक्स को उनके प्राइस मोमेंटम के आधार पर चुनता है। एस.यू.डी. लाइफ के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर प्रशांत शर्मा के मुताबिक, यह फंड उन लोगों के लिए है जो मिडियम से हाई रिस्क लेने के लिए तैयार हैं और लंबे समय में अपने निवेश को बढ़ाना चाहते हैं। अगर आप अपने पोर्टफोलियो में स्मार्ट और मोमेंटम-ड्रिवन निवेश जोड़ना चाहते हैं तो यह आपके लिए सही है।

हैदराबादः कार में आग लगने से दो लोग जिंदा जले

हैदराबाद। हैदराबाद मे सोमवार शाम एक कार मे आग लग जाने से उसमे सवार दो लोग जिंदा जल गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।घाटकेसर थाना पुलिस के एक अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे हुई, जब वाहन घाटकेसर से बाछराम जा रहा था। इस दौरान कार मे अचानक लगी आग की चपेट मे आने से उसमे सवार दो लोगो की मौत हो गई। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

एनआईए अदालत ने देशविरोधी मामलों के आरोपियों का बचाव करने वाले एनजीओ की जांच का निर्देश दिया

लखनऊ। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने देश में आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामलों में आरोपियों का बचाव करने वाले एक दर्जन से अधिक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) को झटका देते हुए केंद्र और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को इन संगठनों के फंड स्रोतों और उनके कामकाज के तरीके की जांच करने का निर्देश दिया है। अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और बीसीआई को इन एनजीओ के सामूहिक उद्देश्यों के बारे में जानकारी एकत्र करने और न्यायिक प्रक्रिया में इन एनजीओ के अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए उचित कार्वाई करने को भी कहा है। विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश वीएस त्रिपाठी ने कासगंज सांप्रदायिक हिंसा मामले में हाल में 28 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए केंद्र और बीसीआई को उपरोक्त निर्देश जारी किए। 2018 में कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान एक युवक की मौत हो गई थी। अदालत के आदेश के बाद भारत स्थित एनजीओ- सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस (मुंबई), पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (दिल्ली), रिहाई मंच (लखनऊ) और यूनाइटेड अगेंस्ट हेट (दिल्ली) जांच के दायरे में आएंगे। इनके अलावा, विदेशी एनजीओ - अलायंस फॉर जस्टिस एंड अकाउंटेबिलिटी (न्यूयॉर्क), इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (वाशिंगटन डीसी) और साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप (लंदन) - को भी जांच का सामना करना पड़ेगा। एनजीओ की खिंचाई करते हुए अदालत ने सभी बुद्धिजीवियों, संस्थाओं और न्यायिक व्यवस्था के हितधारकों से कहा कि वे इस बात पर गौर करें कि आखिर ऐसे एनजीओ आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामलों में आरोपियों का बचाव करने और उन्हें कानूनी सहायता देने के लिए आगे क्यों आते हैं, जबकि कानून में पहले से ही प्रावधान है कि अगर कोई आरोपी अदालत में अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं है तो उसे मुफ्त में वकील मुहैया कराया जा सकता है।

जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर गिरफ्तार, जमानत लेने से किया इनकार

बीपीएससी परीक्षा विवाद

भाषा। पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गांधी मैदान में गैर-कानूनी तरीके से आमरण अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। जमानत लेने से इनकार करने के बाद अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया। किशोर ने जमानत शर्तों को अनुचित करार दिया। सैंतालीस वर्षीय किशोर ने कहा कि वह जेल में अपना आंदोलन जारी रखेंगे। उनके खिलाफ पिछले सप्ताह गांधी मैदान में आमरण अनशन शुरू करने के लिए मामला दर्ज किया गया था, जो पटना उच्च न्यायालय के उस आदेश का उल्लंघन है, जिसके तहत शहर के गर्दनी बाग इलाके के अलावा किसी अन्य स्थान पर इस तरह के किसी भी प्रदर्शन पर रोक है। किशोर की पार्टी से सक्रिय रूप से जुड़े वरिष्ठ वकील वाई वी गिरि ने कहा कि जमानत इस अनुचित शर्त के साथ दी गई कि किशोर को एक लिखित हलफनामा देना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करना अपराध स्वीकार करने के समान होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने किशोर और उनके समर्थकों को प्रदर्शन स्थल से हटा दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन प्रतिबंधित क्षेत्र के पास किया जा रहा था और इस तरह से उनका प्रदर्शन गैरकानूनी था। बीपीएसपी द्वारा 13 दिसंबर को आयोजित की गई परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के विरोध में किशोर ने दो जनवरी को आमरण अनशन शुरू किया था और अनशन के पांचवें दिन उन्हें गिरफ्तार किया गया। शहर के बाहरी इलाके में स्थित बेउर केंद्रीय जेल में ले जाए जाने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए किशोर ने आरोप लगाया, सुबह चार बजे हिरासत में लिए जाने के बाद, मुझे मेडिकल जांच के लिए पटना के एम्स ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जरूरी जांच करने से इनकार कर दिया, जिसकी वजह उन्हें ही पता होगी। किशोर ने दावा किया, सुबह 5 बजे से 11 बजे के बीच, पुलिस मुझे अपनी एम्बुलेंस में घुमाती रही, लेकिन उन्होंने स्थान बताने की जहमत नहीं उठाई। जब मैंने पूछताछ की, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे पीएमसीएच या एनएमसीएच (शहर के दोनों सरकारी अस्पताल) में जांच के लिए ले जा सकते हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने यह भी दावा किया कि उन्हें आखिरकार शहर के बाहरी इलाके में फतुहा के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, जहां उन्होंने मेडिकल जांच के लिए सहमति देने से इनकार कर दिया।

सौर ऊर्जा से मीठे पानी में बदलेगा खारा पानी, आईआईटी इंदौर ने ईजाद की खास तकनीक

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने खासकर तटीय क्षेत्रों और दूर-दराज के इलाकों में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से खारे पानी को मीठे पानी में बदलने वाली किफायती तकनीक विकसित की है। आईआईटी इंदौर के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर रूपेश देवन के नेतृत्व वाले अनुसंधान दल ने इंटरफेशियल सोलर स्टीम जनरेशन (आईएसएसजी) तकनीक से खारे पानी को मीठे पानी में बदलने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने बताया कि यह पर्यावरण हितैषी तकनीक खारे पानी को शुद्ध करने के लिए ऐसे उन्नत फोटोथर्मल पदार्थों का इस्तेमाल करती है जो सूर्य के प्रकाश को ऊष्मा में बदल देते हैं और इस ऊष्मा का इस्तेमाल खारे पानी को गर्म करने में किया जाता है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने बताया, सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर ए फोटोथर्मल पदार्थ आईएसएसजी तकनीक के कारण तेजी से गर्म हो जाते हैं। इस ऊष्मा से खारे पानी का वाष्पीकरण हो जाता है और इसमें मौजूद लवण और प्रदूषक तत्व अलग हो जाते हैं। इसके बाद भाप शुद्ध पानी में बदल जाती है।

इंदौर में 1,000 रुपए के इनाम के लिए प्रशासन को भिखारियों की सूचना दे रहे लोग

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर को देश का पहला भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने के लक्ष्य से जुड़ी अनूठी इनामी योजना का लाभ लेने के लिए स्थानीय लोग भिखारियों के बारे में प्रशासन को फोन करके सूचना दे रहे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने शहर में भीख लेने के साथ ही भीख देने और भिखारियों से कोई सामान खरीदने पर कानूनी रोक लगा दी है और इस प्रतिबंध के उल्लंघन पर कार्वाई का प्रावधान किया है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रशासन के दो जनवरी को जारी प्रतिबंधात्मक आदेश में भिक्षावृत्ति की सही सूचना देने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1,000 रुपए का इनाम देने की घोषणा भी की गई है। उन्होंने बताया कि भिखारियों के बारे में प्रशासन को सूचना देने के लिए एक मोबाइल नम्बर भी जारी किया गया है। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि पिछले चार दिनों में करीब 200 व्यक्तियों ने इस नंबर पर फोन करके प्रशासन को भिखारियों के बारे में सूचना दी है जिनमें से 12 लोगों की सूचना जांच में सही पाई गई है। इन 12 में से छह लोगों को सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय बुलाकर उन्हें1000-1,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। भिखारियों के बारे में सही सूचना देने वाले दूसरे लोगों को भी यह राशि प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि भिक्षावृत्ति के खिलाफ प्रशासन के जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।इस कानूनी प्रावधान के तहत दोषी को एक वर्ष तक के कारावास या 5,000 रुपए तक के जुर्माने या दोनों सजाओं से दण्डित किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक, गुजरे चार महीनों के दौरान शहर में भिक्षावृत्ति में शामिल करीब 400 लोगों को पुनर्वास के लिए एक आश्रय स्थल भेजा गया है, जबकि 64 बच्चों को बाल देखरेख संस्थान पहुंचाया गया है।

वेदांता ने हासिल की दूसरी रैंक

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक, वेदांता एल्युमीनियम को सतत विकास के अपने उत्कृष्ट प्रयासों के लिए पहचान मिली हैए और इसने ग्लोबल एल्युमीनियम सेक्टर में एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट ;ीएसए में दूसरी रैंक हासिल की है। 77 के कुल स्कोर के साथ, यह उपलब्धि मजबूत पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन ईएसजी, मानकों पर आधारित हैए जो कि सतत विकास के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। वेदांता एल्युमीनियम लगातार चौथे साल इस रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर शीर्ष कंपनियों में शामिल है। यह बात इस उपलब्धि को और भी खास बना देती है। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए एक बहुत ही प्रतिष्ठित वैश्विक बेंचमार्क है, जो कंपनियों के प्रदर्शन को आर्थिकए पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों के आधार पर ट्रैक करता है। एसएंडपी ग्लोबल ईएसजी स्कोर यह मापता है कि एक कंपनी ईएसजी जोखिमों, अवसरों और प्रभावों को कैसे प्रबंधित करती है,और इसका आकलन कंपनी के खुलासोंए मीडिया और स्टेकहोल्डर विश्लेषणए मॉडलिंग दृष्टिकोणोंए और एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के माध्यम से कंपनी के गहन जुड़ाव के आधार पर किया जाता है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुएए प्रिया अग्रवाल हेब्बर वेदांता लिमिटेड की नॉन.एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड की चेयरपर्सनने कहा कि यह मान्यता वेदांता एल्युमीनियम के लिए अत्यधिक गर्व का क्षण है। सुनील गुप्ता सीओओए वेदांता एल्युमीनियमने कहा कि हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमें सतत विकास के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता के रूप में मान्यता मिली है और एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट में हमें दूसरा स्थान मिला है।

घर के दरवाजे पर भैंस के आ जाने से पड़ोसी ने मारपीट कर किया घायल

बाराबंकी। बाराबंकी के थाना घंगटेर में दरवाजे पर भैंस के पहुंचने पर पीड़ित को पड़ोसियों ने जमकर पीटा। मारपीट इतनी भयानक रही की पीड़ित को लखनऊ के मेडिकल कालेज के ट्रामा में भर्ती कराया गया। घायल वर्तमान में वेंटिलेटर पर है। पीड़ित रमेश चन्द्र के पुत्र विवेक ने पुलिस में मामला दर्ज करा दिया है। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र में बताया कि वह ग्राम गोपालपुर मजरे बडखेरिया थाना घुंगटेर तहसील फ्तेहपुर जनपद बाराबंकी का निवासी है। पीड़ित ने लिखा विपक्षी द्वारा उनके पिता को लाठी एवं लोहे के पाइप से प्रहार किया है। प्रार्थी ने बताया कि रमेश चन्द्र पुत्र स्व खुशीराम निवासीए प्रतिवादी संतोष कुमार पुत्र छोटे लाल निवसी ग्राम उपरोक्त रेनू पत्नी संतोषए पवन पुत्र सहजराम घर सैता मजरे अटहरा थाना घुघटेरए लक्ष्मी यादव पुत्र ईश्वरदीन निवासी घर सैता मजरे अटहरा थाना घुंघटेर जनपद बाराबंकी विपक्षी से पुरानी रंजिश चल रही थी प्राथी का जानवर छूट कर विपक्षी के दरवाजे पर चली गयी थी। प्रार्थी अपनी भैंस को पकडने के लिए विपक्षी के दरवाजे पर गया था। तभी विपक्षी गाली.गलौज करने लगा और मना करने पर सभी लाठी डंडा व लोहे की राड लेकर मेरे पिता को मारने लगे जिससे उनके सिर और आंख पर गम्भीर चोटे आयी हैए नाक से खून बह रहा है खून कि उल्टियां भी हुई है।

अनमोल बिश्नोई ने अपने अपराध नेटवर्क का दबदबा बनाने के लिए सिद्दीकी की हत्या का आदेश दिया : पुलिस

मुंबई। भगोड़े गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने अपने संगठित अपराध सिंडिकेट के जरिए आतंक का माहौल बनाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का आदेश दिया था। मुंबई पुलिस द्वारा सोमवार को दाखिल आरोपपत्र में यह कहा गया है। अपराध शाखा ने 4,590 पन्नों के आरोपपत्र में 29 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें 26 पहले से ही गिरफ्तार हैं और तीन वांछित हैं। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के अलावा मोहम्मद यासीन अख्तर और शुभम लोनकर वांछित आरोपी हैं। उसने सभी 29 आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए हैं। अपराध शाखा ने मुंबई में विशेष महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी (66) की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। गिरफ्तार किए गए 26 आरोपियों में कथित मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम और उसके साथी शामिल हैं। पुलिस ने उन सभी के खिलाफ मकोका लगाने से पहले उन पर हत्या के लिए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

हिंदू संगठन ने 1991 के उपासना स्थल कानून को लेकर कोर्ट से हस्तक्षेप का अनुरोध किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय संत समिति नामक हिंदू संगठन ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर 1991 के उपासना स्थल कानून के प्रावधानों की वैधता के खिलाफ दायर मामलों में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। इस कानून में 15 अगस्त 1947 के समय के धार्मिक स्वरूप को बरकरार रखने को कहा गया है। वकील अतुलेश कुमार के माध्यम से दायर संगठन की याचिका में 1991 के अधिनियम की धारा तीन और चार को चुनौती दी गई है। दलील दी गई है कि इन धाराओं से समानता के अधिकार एवं धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता सहित कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। उपासना स्थल कानून किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक स्वरूप को उसी रूप में बनाए रखने का प्रावधान करता है जैसा वह 15 अगस्त 1947 को था। हालांकि, अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद से संबंधित विवाद को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने 12 दिसंबर, 2024 को अगले निर्देश तक सभी अदालतों को नए मुकदमों पर सुनवाई और धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से मस्जिदों और दरगाहों पर दावों के संबंध में लंबित मामलों में कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने वाली लगभग छह याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एचएमपीवी का संक्रमण नई बात नहीं

दुनिया भर में इसके मामले सामने आए है

भाषा। नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को श्वसन संबंधी बीमारी का कारण बनने वाले वायरस के रूप में जाना जाता है। हाल ही में चीन में इस वायरस के प्रकोप की खबर के बाद इसकी तरफ लोगों का ध्यान गया। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा नियमित निगरानी के तहत हाल ही में कर्नाटक में एचएमपीवी के दो मामले सामने आए थे।

एचएमपीवी क्या है?: एचएमपीवी एक वायरल रोगाणु है जो सभी उम्र के लोगों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है। इसका पता पहली बार 2001 में चला। यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार से संबंधित है और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) से निकटता से संबंधित है। एचएमपीवी खांसने या छींकने से निकलने वाली सांस की बूंदों के साथ-साथ दूषित सतहों को छूने या संक्रमित व्यक्तियों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। यह वायरस श्वसन संबंधी मामूली परेशानी से लेकर गंभीर जटिलता से जुड़ी बीमारियों तक का कारण माना जाता है, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में। यह पूरी दुनिया में पाया जाता है और समशीतोष्ण क्षेत्रों में सर्दियों के उत्तरार्ध और वसंत की शुरुआत के दौरान चरम पर होता है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में यह साल भर फैलता रहता है।

एचएमपीवी के लक्षण: एचएमपीवी के लक्षण व्यक्ति की उम्र, सामान्य स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के आधार पर भिन्न होते हैं। हल्के मामलों में आमतौर पर नाक बहना, गले में खराश, खांसी और बुखार का आना शामिल है, जो सामान्य सर्दी जैसा होता है। मध्यम लक्षणों में लगातार खांसी और थकान को शामिल किया जा सकता है। गंभीर मामलों में (विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों वाले लोगों में) एचएमपीवी ब्रोंकाइटिस, ब्रोंकियोलाइटिस या निमोनिया जैसी जटिलताओं का कारण बन सकता है। गंभीर तीव्र श्वसन संबंधी बीमारी (एसएआरआई) के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ सकती है। ये गंभीर स्थिति विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए चिंताजनक हैं।

संचरण और रोकथाम: एचएमपीवी अन्य श्वसन वायरस जैसे आरएसवी

और इन्फ्लूएंजा के समान ही फैलता है। संचरण मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्तियों की श्वसन बूंदों या दूषित सतहों के संपर्क के माध्यम से होता है। एचएमपीवी के प्रसार को रोकने के लिए साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोने सहित अन्य स्वच्छता उपायों को अपनाना आवश्यक है। छींकते या खांसते समय मुंह और नाक को ढंकना और मास्क पहनना भी इसके प्रसार को सीमित कर सकता है। संक्रमित व्यक्तियों के साथ निकट संपर्क से बचना और बार-बार छुई जाने वाली सतहों को नियमित रूप से कीटाणुरहित करना अतिरिक्त निवारक उपाय हैं।

एचएमपीवी संक्रमण से उबरने की अवधि कितनी है?: एचएमपीवी संक्रमण के हल्के मामले आमतौर पर कुछ दिनों से लेकर एक सप्ताह तक रहते हैं। गंभीर मामलों में, बेहतर महसूस करने में संभवत: अधिक समय लगेगा। खांसी जैसे लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों को दूर होने में अधिक समय लग सकता है।

वैश्विक और राष्ट्रीय निगरानी: एचएमपीवी कोई नया रोगाणु नहीं है, इसके मामले दुनिया भर में सामने आए हैं। भारत में आईसीएमआर और आईडीएसपी जैसी निगरानी प्रणालियां श्वसन संबंधी बीमारी के रुझान पर नजर रखती हैं जिसमें इन्फ्लूएंजा और आरएसवी समेत एचएमपीवी रोगाणु शामिल हैं। सरकार ने अपने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और निगरानी नेटवर्क की मजबूती पर जोर दिया है, जो उभरते खतरों का पता लगाने और प्रतिक्रिया देने के लिए सतर्क रहे।

एचएमपीवी और कोविड-19 के बीच समानता और अंतर: कोविड-19 संक्रमण के कारण सार्स-कोव-2 वायरस और एचएमपीवी, दोनों श्वसन संबंधी रोग देते हैं लेकिन इनकी वायरोलॉजी, संचरण गतिशीलता और इनसे जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव में काफी भिन्नता है। समानता यह है कि दोनों ही वारयस व्यक्ति को मामूली से लेकर गंभीर स्तर की श्वसन संबंधी बीमारी देते हैं। दोनों में से किसी से भी संक्रमित होने पर खांसी, बुखार और सांस फूलने के लक्षण दिखते हैं। अंतर यह है कि कोविड-19 से जुड़े वायरस से होने वाली बीमारी का दायरा विस्तृत है जिसमें स्वाद और गंध लेने में अक्षम होना और खून के थक्के जमना शामिल है। कोविड-19 से बचाव के लिए जहां वैक्सीन और एंटीवायरल उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

एचएमपीवी का निदान

केवल लक्षणो के आधार पर एचएमपीवी का निदान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि यह आरएसवी और इन्फ्लूएंजा जैसे अन्य श्वसन संक्रमणो की नकल लगता है। रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) एचएमपीवी आरएनए का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, जबकि एंटीजन की पहचान करने वाली जांच से त्वरित परिणाम मिलते है। भारत मे, श्वसन संबंधी बीमारियो की निगरानी और नियंत्रण के अपने प्रयासो के तहत, आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) जैसे निगरानी कार्यक्रम नियमित रूप से एचएमपीवी सहित श्वसन संबंधी बीमारी देने वाले अन्य वायरस का परीक्षण करते है।

एचएमपीवी का उपचार

वर्तमान मे एचएमपीवी के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा या टीका उपलब्ध नही है। उपचार सहायक है और संक्रमण की गंभीरता पर निर्भर करता है। हल्के मामलो मे आराम, पर्याप्त जलयोजन, बुखार और नाक बंद होने की समस्या के लिए ओवर-द-काउंटर दवाएं पर्याप्त है। गंभीर मामलो मे, विशेष रूप से निमोनिया या ब्रोंकियोलाइटिस से जुड़े मामलो मे, ऑक्सीजन थेरेपी और अस्पताल मे भर्ती कराने की आवश्यकता हो सकती है।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 7 जनवरी 2025

ब्रह्मपुत्र पर बनने वाले बांध से भारत में पानी का प्रवाह प्रभावित नहीं होगा: चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने भारत की सीमा के पास तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की अपनी योजना को लेकर कहा कि प्रस्तावित परियोजना गहन वैज्ञानिक सत्यापन से गुजर चुकी है और नदी प्रवाह के निचले इलाकों में स्थित भारत और बांग्लादेश पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। लगभग 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना पारिस्थितिक रूप से नाजुक हिमालई क्षेत्र में टेक्टोनिक प्लेट सीमा पर स्थित है, जहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के नए प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, यारलुंग जांगबो नदी के निचले इलाकों में जलविद्युत परियोजना पर चीन ने अपना रुख साफ कर दिया है। मैं दोहराना चाहता हूं कि परियोजना के निर्माण का निर्णय गहन वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद लिया गया तथा इस परियोजना से पारिस्थितिकी पर्यावरण, भूवैज्ञानिक स्थितियों और प्रवाह के निचले देशों के जल संसाधनों से संबंधित अधिकारों और हितों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत ने बांध पर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत की यात्रा पर आए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन के साथ भारतीय अधिकारियों की वार्ता में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। इस बारे में पूछे जाने पर जियाकुन ने कहा कि यह कुछ हद तक आपदा की रोकथाम और जोखिम कम करने तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में अनुकूल कदम होगा। वर्तमान में दिल्ली के दौरे पर आए सुलिवन ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत की और जो बाइडन प्रशासन के तहत पिछले चार वर्षों में भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। सुलिवन अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से दो सप्ताह पहले भारत की यात्रा पर हैं। पिछले महीने, चीन ने तिब्बत में भारतीय सीमा के करीब ब्रह्मपुत्र नदी पर यारलुंग जांगबो नामक एक बांध बनाने की योजना को मंजूरी दी थी। योजना के अनुसार, विशाल बांध हिमालय की पहुंच में एक विशाल घाटी पर बनाया जाएगा, जहां से ब्रह्मपुत्र अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में पहुंचती है। प्रस्तावित बांध पर तीन जनवरी को अपनी पहली प्रतिक्रिया में, भारत ने चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह वाले निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में होने वाली गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में मीडिया से कहा, हम अपने हितों की रक्षा के लिए निगरानी जारी रखेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे। जायसवाल ने कहा, नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में जल के उपयोग का अधिकार रखने वाले देश के रूप में, हमने विशेषज्ञ स्तर के साथ-साथ कूटनीतिक माध्यम से, चीनी पक्ष के समक्ष उसके क्षेत्र में नदियों पर बड़ी परियोजनाओं के बारे में अपने विचार और चिंताएं लगातार व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा, हालिया रिपोर्ट के बाद, इन बातों को दोहराया गया है। साथ ही, नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के साथ पारदर्शिता बरतने और परामर्श की जरूरत बताई गई है। उन्होंने कहा, चीनी पक्ष से आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के हितों को नदी के प्रवाह के ऊपरी क्षेत्र में गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुचे।

इससे पहले, 27 दिसंबर को विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की चीन की योजना का बचाव करते हुए कहा था कि परियोजना का नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चीन नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के साथ संवाद जारी रखेगा और नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लाभ के लिए आपदा निवारण व राहत पर सहयोग बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यारलुंग जांगबो नदी के निचले इलाकों में चीन की जलविद्युत परियोजना का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी लाना और जलवायु परिवर्तन तथा जल संबंधी आपदाओं से निपटना है।

पोप फ्रांसिस ने वेटिकन के प्रमुख कार्यालय के नेतृत्व के लिए पहली बार महिला को नामित किया

रोम। पोप फ्रांसिस ने सोमवार को वेटिकन के एक प्रमुख कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए पहली बार महिला को नामित किया है। पोप ने इतालवी नन, सिस्टर सिमोना ब्रैम्बिला को कैथोलिक चर्च के सभी धार्मिक आदेशों के लिए जिम्मेदार विभाग का प्रीफेक्ट नामित किया है।

पोप फ्रांसिस ने चर्च के संचालन में महिलाओं को अधिक नेतृत्व की भूमिका देने का संकल्प लिया है और यह नियुक्ति उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। वेटिकन के कुछ कार्यालयों में महिलाओं को वरीयता क्रम में दूसरे स्थान पर नियुक्त किया जा चुका है, लेकिन पहली बार है जब किसी महिला को कैथोलिक चर्च के केंद्रीय शासी अंग, होली सी क्यूरिया के किसी डिकास्टरी का प्रीफेक्ट नियुक्त किया गया है। इस ऐतिहासिक नियुक्ति की पुष्टि वेटिकन मीडिया द्वारा की गई। उसने सुर्खी लगाई सिस्टर सिमोना ब्रैम्बिला वेटिकन में पहली महिला प्रीफेक्ट है। पोप फ्रांसिस ने एक सह-नेता या प्रो-प्रीफेक्ट के रूप में कार्डिनल एंजेल फर्नांडीज आर्टाइम को नामित किया है। लेकिन वेटिकन के दैनिक बुलेटिन में घोषित नियुक्ति में ब्रैम्बिला को पहले प्रीफेक्ट और फर्नांडीज को दूसरे स्थान पर उनके सह-नेता के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह धार्मिक रूप से अहम है क्योंकि प्रीफेक्ट को सामूहिक प्रार्थना और अन्य धार्मिक कार्य करने में सक्षम होना चाहिए जो वर्तमान में केवल पुरुषों द्वारा किए जा सकते हैं। डिकास्टरी वेटिकन में सबसे महत्वपूर्ण कार्यालयों में से एक है। यह जेसुइट्स और फ्रांसिस्कन से लेकर छोटे नए आंदोलनों तक हर धार्मिक आदेश के लिए जिम्मेदार है। ब्रैम्बिला (59) कंसोलाटा मिशनरीज धार्मिक आदेश की सदस्य हैं और पिछले वर्ष से धार्मिक आदेश विभाग में वरी

पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने कुर्म में दो माह के लिए निषेधाज्ञा लागू की

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने सरकारी काफिले पर हमले के बाद शांति बहाली के प्रयास के तहत हिंसा प्रभावित कुर्म जिले में दो माह के लिए निषेधाज्ञा (धारा-144) लागू कर दी है। इस हमले में जिले के एक शीर्ष अधिकारी घायल हो गए थे।खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की अध्यक्षता में रविवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में धारा 144 लागू करने का निर्णय लिया गया। इस धारा के तहत, हथियार लेकर खुलेआम घूमने और पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध है।बैठक में टारी और चापरी क्षेत्रों के बीच मुख्य पारचिनार राजमार्ग पर सभी जनसभा और रैलियों पर प्रतिबंध लगाने का भी निर्णय लिया गया। सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित कुर्म जिले में शांति और सद्भाव बहाल करने के लिए यह कदम उठाया गया है। कुर्म जिले के उपायुक्त जावेदुल्लाह महसूद और सात अन्य लोग शनिवार को उस समय घायल हो गए जब पहाड़ी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पेशावर से लगभग 200 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में बागान के पास कोजलाई बाबा गांव में उनके सैन्य वाहनों पर गोलीबारी की गई। अलीजाई और बागान कबीलों के बीच बुधवार को शांति समझौता हुआ। इससे पहले 21 नवंबर से दो दिसंबर के बीच जिले में सांप्रदायिक झड़पों में 133 लोगों की मौत हो गई थी। यह झड़पें पारचिनार के निकट यात्री वैन पर हुए घातक हमले के बाद शुरू हुईं, जिसमें 57 लोग मारे गए थे। बताया गया है कि उपायुक्त महसूद के वाहन को निशाना बनाने वाले हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। हमलावरों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि सरकार हमलावरों पर इनाम घोषित करेगी।

पाकिस्तान में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए जर्मन राजनयिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित जर्मन दूतावास में द्वितीय सचिव के रूप में नियुक्त एक जर्मन राजनयिक इस्लामाबाद में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए। पुलिस ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की। थॉमस फील्डर नामक राजनयिक इस्लामाबाद के डिप्लोमैटिक एन्क्लेव स्थित कराकोरम हाइट्स के अपने फ्लैट में रह रहे थे। यह स्थान सचिवालय पुलिस थाना क्षेत्र में आता है। पाकिस्तानी टेलीविजन समाचार चैनल एक्सप्रेस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, फील्डर का शव दूतावास के कर्मचारियों ने देखा। दूतावास के कर्मचारियों के मुताबिक, फील्डर दो दिनों से काम पर नहीं आए थे। दूतावास के कर्मचारी जब राजनयिक के अपार्टमेंट में घुसे और उनका शव पाया, इसके बाद उन्होंने तुरंत इस्लामाबाद पुलिस को इस बारे में सूचित किया। बाद में शव को अस्पताल ले जाया गया। जर्मनी के राजनयिक की मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। हालांकि, पुलिस थाने के अधिकारी इरशाद के अनुसार, राजनयिक हृदय रोग से पीड़ित थे और उन्हें कुछ समय पहले इलाज के लिए इस्लामाबाद के कुलसुम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रूस ने पूर्वी यूक्रेन में एक और शहर पर कब्जा करने का दावा किया

कीव। रूस के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेन में महीनों तक चली लड़ाई के बाद महत्वपूर्ण शहर कुराखोव पर कब्जा कर लिया है। कुराखोव पूर्वी सीमा रेखा पर यूक्रेनी सेना के लिए एक महत्वपूर्ण गढ़ है। इसमें एक औद्योगिक क्षेत्र और एक ताप विद्युत संयंत्र है। यह पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन को जोड़ने वाले राजमार्ग पर स्थित है। रूस-यूक्रेन युद्ध के लगभग तीन साल पूरे होने के बीच रूस ने यह दावा किया है। हालांकि, इस दावे को लेकर कीव की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक दिन पहले ही रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में नया आक्रमण शुरू किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो सप्ताह बाद शपथ लेने के मद्देनजर युद्ध में अनिश्चितता का एक नया तत्व आ गया है, तथा किसी भी संभावित शांति वार्ता से पहले युद्ध क्षेत्र में बढ़त बनाने के लिए दोनों पक्षों द्वारा प्रयास तेज हो गए हैं। ट्रंप ने युद्ध को समाप्त करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी योजनाओं का विवरण नहीं दिया है, लेकिन व्हाइट हाउस में उनकी उपस्थिति से युद्ध की स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है।

वेस्ट बैंक में इजराइलियों को ले जा रही बस पर गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

तेल अवीव। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइलियों को ले जा रही एक बस पर गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ गई है, जिससे वहां जारी युद्ध और भी तेज हो गया है। यह हमला फलस्तीनी गांव अल-फुंदुक में हुआ है। इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि हमले में 60 वर्ष की दो महिलाएं और 40 वर्ष का एक पुरुष मारे गए हैं। सेना ने कहा कि वह हमलावरों की तलाश कर रही है। यह हमला फिलिस्तीनी गांव अल-फुंडुक में हुआ, जो क्षेत्र को पार करने वाली मुख्य पूर्व-पश्चिम सड़कों में से एक पर है। मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि 60 वर्ष की दो महिलाएं और 40 वर्ष का एक पुरुष मारे गए हैं, तथा सेना ने कहा कि वह हमलावरों की तलाश कर रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि सोमवार को हुए जघन्य हमले में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मालदीव में भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त ने राष्ट्रपति मुइज्जू को परिचय पत्र सौंपा

माले। मालदीव में भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त जी बालासुब्रमण्यम ने सोमवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को अपने परिचयपत्र सौंपा और दोनों पक्षों ने विकास संबंधी सहयोग को बढ़ाने, विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत बनाने पर चर्चा की। बालासुब्रमण्यम 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी हैं और वह मनु महावर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल पिछले साल नवंबर में पूरा हो गया था।बालासुब्रमण्यम ने सोमवार को राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र सौंपा। भारतीय उच्चायोग ने यहां सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उच्चायुक्त जी. बालासुब्रमण्यम ने मालदीव के राष्ट्रपति महामहिम मोहम्मद मुइज्जू को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया और भारत तथा मालदीव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया: भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने पुलिस से यून को हिरासत लेने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा

एपी। सियोल

दक्षिण कोरिया की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने पुलिस से अनुरोध किया है कि महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक एओल को हिरासत में लेने के लिए इस मामले को अपने हाथ में ले ले।पिछले सप्ताह शुक्रवार को भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने यून को हिरासत में लेने का प्रयास किया था लेकिन राष्ट्रपति की सुरक्षा सेवा के साथ कई घंटों के गतिरोध के कारण वह ऐसा करने में नाकाम रही थी। इसके बाद एजेंसी की क्षमता पर सवाल उठने लगे। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी और पुलिस ने सोमवार को यून की हिरासत के संबंध में एक सप्ताह के वारंट की अवधि समाप्त होने से कुछ घंटे पहले इस चर्चा किए जाने की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि वह एजेंसी के अनुरोध पर विचार कर रही है। भ्रष्टाचार जांच कार्यालय उच्च पदस्थ अधिकारियों से संबंधित ऐसे मामलों को देखता है और पुलिस के अनुसार, यून को हिरासत में लेने के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय के अदालत से नया वारंट जारी करने का अनुरोध करने की संभावना है। वारंट की अवधि सोमवार मध्य रात्रि को समाप्त हो रही है। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी इस अवधि के समाप्त होने से पहले यून को हिरासत में लेने का एक और प्रयास करेगी या नहीं। माना जाता है कि पुलिस के पास राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के वास्ते संभवत: अधिक सशक्त प्रयास करने के लिए संसाधन हैं। सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने यून को हिरासत में लेने का वारंट 31 दिसंबर को जारी किया था, क्योंकि वह पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के समक्ष पेश नहीं हो रहे थे। लेकिन जब तक यून अपने आधिकारिक आवास में हैं उन्हें हिरासत में लिया जाना काफी जटिल है। राष्ट्रपति इस बात से निराश थे कि विपक्षी दलों की बहुमत वाली संसद उनकी नीतियों को बाधित कर रही थी, जिसके बाद उन्होंने तीन दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की। हालांकि मार्शल लॉ केवल कुछ घंटे तक ही लागू रहा लेकिन इसने देश की राजनीति, कूटनीति और वित्तीय बाजारों में हलचल मचा दी। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी, पुलिस और सैन्य जांच अधिकारी संयुक्त रूप से इस मामले की जांच कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में मिसाइल दागी

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 2025 में भी अपनी हथियार परीक्षण गतिविधियों को जारी रखते हुए सोमवार को कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी जिसका निशाना।,100 किलोमीटर दूर तक था। दक्षिण कोरिया के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने बताया कि मिसाइल को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास के इलाके से दागा गया और प्रक्षेपण की तैयारियों का अमेरिका तथा दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने पहले ही पता लगा लिया था। दक्षिण कोरिया ने प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे उकसावे की गतिविधि करार दिया जो कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि सेना संभावित अतिरिक्त प्रक्षेपणों की तैयारी में अपनी निगरानी और रक्षा क्षमता को मजबूत कर रही है और अमेरिका तथा जापान के साथ मिसाइल को लेकर जानकारी साझा कर रही है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन उत्तर कोरिया से जुड़े परमाणु खतरे और अन्य मुद्दों पर दक्षिण कोरियाई सहयोगियों के साथ बातचीत के लिए सियोल की यात्रा पर हैं।

ट्रंप की चुनावी जीत की पुष्टि करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस तैयार

वाशिंगटन। (एपी) अमेरिका के बर्फीले तूफान से जूझने के बीच कांग्रेस (संसद) की बैठक बुलाई गई है जिसमें राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव की पुष्टि की जाएगी। यह बैठक छह जनवरी (2021) की घटना की पृष्ठभूमि में आयोजित हो रही है जब उस समय के पराजित उम्मीदवार ने चुनाव परिणाम को पलटने की कोशिश की थी लेकिन इस बार वह निर्वाचित होकर वैध तरीके से सत्ता में वापस आ रहे हैं। संसद की बैठक सोमवार को दोपहर में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू होगी। संसद भवन परिसर के चारों ओर ऊंची काली बाड़ चार साल पहले की घटनाओं की याद दिलाती हैं, जब पराजित ट्रंप ने अपने समर्थकों को पूरे जी जान से लड़ने के लिए भेजा था, जो 200 साल में अमेरिकी लोकतंत्र के केंद्र पर सबसे भीषण हमला था। इस बार कांग्रेस में किसी भी तरह की हिंसा, विरोध या प्रक्रियागत आपत्ति की उम्मीद नहीं है। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाले रिपब्लिकन सदस्यों को इस बार उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराने के बाद कोई शिकायत नहीं है। ट्रंप उस समय जो बाइडन से हार गए थे।रिपब्लिकन नेता और स्पीकर माइक जॉनसन ने 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने के ट्रंप के प्रयासों का नेतृत्व करने में मदद की थी। उन्होंने रविवार को फॉक्स न्यूज से कहा, चाहे हम बर्फीले तूफान का सामना कर रहे हों या नहीं, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सदन में मौजूद रहेंगे कि यह हो जाए। ट्रंप दो सप्ताह में सत्ता संभालने की तैयारी कर रहे हैं। वह इस बात से इनकार करते हैं कि चार साल पहले वह हार गए थे। इसके साथ ही वह छह जनवरी की घटना के लिए दोषी ठहराए गए करीब।,250 लोगों में से कुछ को माफी देने के पर भी विचार कर रहे हैं।

ऑस्ट्रिया में गठबंधन सरकार की उम्मीदें बढ़ीं

विएना। (एपी) ऑस्ट्रियन फ्रीडम पार्टी के नेता हर्बर्ट किकल ने सोमवार को देश के राष्ट्रपति से मुलाकात की, जिससे सरकार बनाने का उन्हें मौका मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं और अगर ऐसा होता है तो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऑस्ट्रिया में पहली बार धुर दक्षिणपंथी नेता के नेतृत्व में सरकार बनेगी। किकल की पार्टी ने सितंबर में ऑस्ट्रिया के संसदीय चुनाव में 28.8 प्रतिशत मत प्राप्त कर जीत हासिल की तथा निवर्तमान चांसलर कार्ल नेहमर की रूढ़िवादी ऑस्ट्रियन पीपुल्स पार्टी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। हालांकि, राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन ने अक्टूबर में नेहमर को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी क्योंकि उनकी पार्टी ने कहा था कि वह किकल के नेतृत्व वाली फ्रीडम पार्टी के साथ सरकार में शामिल नहीं होगी। अन्य पार्टियों ने भी फ्रीडम पार्टी के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, धुर दक्षिणपंथी विचारधारा वाली पार्टी के बिना, देश में बहुमत की गठबंधन सरकार बनाने की कोशिशें नए साल के शुरुआती कुछ दिनों में ही असफल हो गईं और नेहमर ने शनिवार को इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। पीपुल्स पार्टी ने तब संकेत दिया कि वह किकल के नेतृत्व में काम करने को तैयार है। दोनों दलों की बातचीत सफल होने की गारंटी नहीं है, लेकिन मौजूदा संसद में अब कोई अन्य गठबंधन का विकल्प नहीं है और सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जल्द ही होने वाले नए चुनाव फ्रीडम पार्टी को और मजबूत कर सकते हैं।

फ्रांस में पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी पर गद्दाफी से चुनाव प्रचार के लिए पैसे लेने के मामले में मुकदमा शुरू

पेरिस,। (एपी) फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी द्वारा 2007 में अपने राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के लिए लीबिया के तत्कालीन शासक मुअम्मर गद्दाफी की सरकार से कथित तौर पर धन प्राप्त करने के मामले में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। सरकोजी (69) वर्ष 2007 से 2012 तक फ्रांस के राष्ट्रपति रहे। वह सुनवाई के लिए सोमवार को जब पेरिस की अदालत पहुंचे तो मीडिया से कोई बात नहीं की। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद पर लगे आरोपों का खंडन किया है। सरकोजी कई विवादों में घिरे हैं और लीबिया का मामला संभवत: सबसे बड़ा और चौंकाने वाला है और इस मामले में 10 अप्रैल तक सुनवाई होगी और उसके बाद फैसला आने की उम्मीद है। सरकोजी पर भ्रष्टाचार, प्रचार अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण, सार्वजनिक धन के गबन को छिपाने और आपराधिक साठगांठ बनाने के आरोप हैं और दोषी करार दिए जाने पर 10 साल कारावास की सजा हो सकती है। इस मामले में सरकोजी के साथ ही उनके तीन पूर्व मंत्रियों सहित 11 अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ मुकदमा चल रहा है। मध्यस्थ की भूमिका निभाने के आरोपी फ्रांसीसी-लेबनानी व्यवसाई जियाद ताकीदीन लेबनान भाग गए हैं और उनके पेरिस की अदालत में पेश होने की उम्मीद नहीं है।

अमेरिका में भारतीय मूल के पांच लोगों पर भारतीय व्यक्ति की हत्या का आरोप

लास वेगास। अमेरिका में 35 वर्षीय एक भारतीय व्यक्ति की मौत के मामले में भारतीय मूल के पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। ओसियन काउंटी के अभियोजक ब्रैडली बिलहिमर और न्यू जर्सी राज्य पुलिस अधीक्षक कर्नल पैट्रिक कैलाहन द्वारा शनिवार को दिए गए एक बयान के अनुसार, न्यूयॉर्क के साउथ ओजोन पार्क के निवासी 34 वर्षीय संदीप कुमार पर 22 अक्टूबर, 2024 के आसपास मैनचेस्टर टाउनशिप में कुलदीप कुमार की हत्या की साजिश रचने और हत्या का आरोप लगाया गया है। कुलदीप कुमार की मौत की जांच में यह सामने आया कि संदीप कुमार ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर कुलदीप कुमार की हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। इस मामले में अन्य प्रतिवादी सौरव कुमार (23), गौरव सिंह (27), निर्मल सिंह (30), और गुरदीप सिंह (22) हैं। ये सभी इंडियाना के ग्रीनवुड के निवासी हैं।ओशन काउंटी अभियोजक कार्यालय की मेजर क्राइम यूनिट को 14 दिसंबर, 2024 को मैनचेस्टर टाउनशिप के ग्रीनवुड वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट एरिया में एक व्यक्ति का शव पड़ा होने के बारे में सूचना मिली।

मच्छर भगाने वाली दवाओं की कार्य प्रणाली को जानिए

द कन्वरसेशन। मेलबर्न

हम लोगों में बहुत से लोगों के लिए गर्मियों का मतलब है बाहर खुले में अधिक समय बिताना, लेकिन दुर्भाग्यवश मच्छर का सामना करना पड़ता है। तापमान में वृद्धि और प्रचुर मात्रा में पानी की उपलब्धता इन खून-चूसने वाले मच्छरों के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए आदर्श स्थिति है। मच्छर एक प्रकार के कीट हैं, जो डंक मारते हैं। दूसरे परिप्रेक्ष्य में मच्छर पृथ्वी पर किसी अन्य जानवर की तुलना में अधिक लोगों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार रोगों के वाहक हैं। उन्हें दूर रखने के लिए, हम में से कई लोग कीट नाशक की बोतल या सिट्रोनेला मोमबत्तियों का सहारा लेते हैं, ताकि काटने और उसके कारण होने वाली लगातार खुजली से बचा जा सके। लेकिन, ये मच्छर निरोधक दवाएं वास्तव में कैसे काम करती हैं?

एक जटिल परस्पर क्रिया---

यह समझने के लिए काफी शोध किया गया है कि मादा मच्छर - जो हमें काटती हैं - कैसे और क्यों मनुष्यों की ओर आकर्षित होती हैं। ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं जो यह दर्शाते हैं कि मच्छर हमारे द्वारा छोड़ी गई कॉर्बन डाइऑक्साइड, हमारे पसीने में पाए जाने वाले लैक्टिक एसिड तथा अन्य विभिन्न प्रकार की त्वचा की गंधों और वाष्पशील यौगिकों के प्रति आकर्षित होते हैं। इन सभी कारकों के बीच परस्पर क्रिया काफी जटिल है। मच्छरों को दूर रखने के लिए जाल जैसी भौतिक बाधाएं सबसे अच्छी सुरक्षा प्रदान करती हैं। हालांकि, आप घर के पिछले दरवाजे के आंगन और बारबेक्यू के चारों ओर जाल लगा सकते हैं, लेकिन किसी भी बड़े स्थान के लिए ऐसा करना व्यावहारिक नहीं है। इन परिस्थितियों में यह मच्छर निरोधक दवाएं काम करती हैं-बाजार में विभिन्न प्रकार के मच्छर भगाने वाले उत्पाद उपलब्ध हैं। मच्छर भगाने वाले सबसे अधिक परीक्षण किए गए उत्पाद एन,एन-डाइएथिल-मेटा-टोलुआमाइड नामक पदार्थ पर आधारित हैं, जिसे सामान्यत: डीईईटी के नाम से जाना जाता है। यह अणु 1957 से व्यावसायिक रूप से उपलब्ध है, जब अमेरिका की सेना ने पाया कि यह एक प्रभावी कीट निवारक है। डीईईटी का इस्तेमाल अक्सर वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की जांच करने वाले अध्ययनों के

लिए तुलना बिंदु के रूप में किया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि, डीईईटी उत्पाद सुरक्षित और प्रभावी हैं बशर्ते उनका उपयोग निर्देशों के अनुसार किया जाए। उदाहरण के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि जब आवश्यक हो, तो मच्छर निरोधक दवाओं के इस्तेमाल से पहले सनस्क्रीन लगाया जाए। शिशुओं के लिए डीईईटी उत्पादों की अनुशंसा नहीं की जाती है। डीईईटी मच्छरों और अन्य कीटों को किस प्रकार दूर रखता है, इसकी सटीक क्रियाविधि का आज भी पता लगाया जा रहा है।कई अध्ययनों में इसकी सफलता को मच्छरों में मौजूद रिसेप्टर्स से जोड़ा गया है, जो डीईईटी की उपस्थिति को पहचान लेते हैं और उन्हें हमारी त्वचा के करीब आने से रोकते हैं। कुछ शोधों से पता चलता है कि जब डीईईटी का पता चलता है, तो यह मच्छरों का हमारे प्रति आकर्षण कम कर देता है, जबकि अन्य अध्ययनों से यह प्रमाण मिलता है कि मच्छर डीईईटी को सूंघकर उससे बचते हैं। ऐसी भी अनेक रिपोर्टें हैं जो यह दर्शाती हैं कि मच्छर डीईईटी लगी हुई त्वचा पर बैठने पर काटते नहीं हैं।

अन्य प्रभावी विकल्प---

मच्छर भगाने वाले उत्पादों का एक और हालिया परिवार पिकारिडिन (या इकारिडिन) नामक सक्रिय घटक पर निर्भर करता है। वर्तमान में आम सहमति यह है कि पिकारिडिन उत्पाद सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी हैं। कई लोगों के लिए, उन्हें प्रभावी माना जाता है क्योंकि उनमें डीईईटी जितनी तेज गंध नहीं होती।

सिट्रोनेला के बारे में क्या?---

मोमबत्तियों और सामयिक फॉर्मूलेशन सहित सिट्रोनेला उत्पाद मच्छरों को दूर रखने के लिए लोकप्रिय विकल्प हैं। हालांकि, व्यवस्थित परीक्षण में यह पाया गया है कि ए डीईईटी की तुलना में बहुत कम प्रभावी हैं। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि सिट्रोनेला मोमबत्तियां मच्छरों को उतना नहीं भगातीं जितना की आप चाहते हैं। बाजार में मच्छर भगाने वाले कई अन्य उत्पाद भी उपलब्ध हैं।

चोटिल बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ कई मैच नहीं खेलेंगे

● सीमित ओवरों की श्रृंखला के ज्यादातर हिस्सों से बाहर रहेंगे

भाषा। सिडनी

पीठ की ऐंठन से जूझ रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर ध्यान रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ भारत की घरेलू सफेद गेंद की श्रृंखलाओं के अधिकांश भाग से आराम दिए जाने की संभावना है।बुमराह रविवार को खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के हाथों।–3 से करारी हार में 32 विकेट लेकर भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। 30 साल का यह खिलाड़ी पीठ की ऐंठन के कारण ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सका था। उन्होंने पांच मैचों की इस श्रृंखला में 150 से ज्यादा ओवर फेंके। बुमराह अत्यधिक कार्यभार के कारण चोटिल हुए है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी कि वह आईसीसी के प्रमुख आयोजन के लिए तैयार रहे। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन काफी हद तक बुमराह की मौजूदगी पर निर्भर करेगा। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि बुमराह की पीठ की ऐंठन का ग्रेड (चोट का स्तर) अभी तक पता नहीं चला है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। बुमराह की चोट अगर ग्रेड एक श्रेणी में है तो उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी यानी रिटर्न टू प्ले) से पहले कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैबिलिटेशन में बिताने होंगे। ग्रेड दो की चोट से उबरने में छह सप्ताह लग सकते हैं जबकि गंभीर माने जाने वाले ग्रेड तीन के लिए कम से कम तीन महीने की आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत होती है। यह लगभग पहले से तय था कि बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला नहीं खेलेंगे क्योंकि इस साल इस प्रारूप का विश्व कप नहीं है। चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में उनके तीन में से कम दो मैच खेलने का अनुमान था। अब हालांकि उनकी चोट की गंभीरता से पता चलेगा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में खेल पाएंगे या नहीं। इस श्रृंखला का आखिरी मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद में होगा। भारत 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेगा।

ख्वाजा और हेड ने स्वीकार किया कि बुमराह के गेंदबाजी नहीं करने से खुश थे ऑस्ट्रेलियाई

सिडनी। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों उस्मान ख्वाजा और ट्रैविस हेड ने स्वीकार किया कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिच पर जसप्रीत बुमराह के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं करने के कारण उनकी टीम आसानी से जीत दर्ज करने में सफल रही। बुमराह पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल विकेट पर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया ने 162 रन का लक्ष्य हासिल करके पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की।पूरी श्रृंखला में बुमराह का प्रभाव इस तरह से था कि जब यह पता चला कि यह तेज गेंदबाज चोटिल होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएगा तो ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने राहत की सांस ली। इनमें ख्वाजा भी शामिल थे जिन्हें पूरी श्रृंखला में बुमराह के सामने संघर्ष करना पड़ा था। ख्वाजा ने कहा, बुमराह मुझ पर हावी था। उसका सामना करना आसान नहीं था और मुझे हर बार नई गेंद से उसका सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने एबीसी स्पोर्ट से कहा, आप कभी नहीं चाहते कि कोई खिलाड़ी चोटिल हो और उसका घायल होना निराशाजनक था लेकिन हमारे लिए यह खुदा का शुक्र था। इस विकेट पर उसका सामना करना दु:स्वप्न की तरह होता। जैसे ही हमने देखा कि वह मैदान पर नहीं उतर रहा है तो हमने सोचा कि यह हमारे लिए मौका है।

सुपरस्टार कल्चर से आगे नही बढ़ पा रही टीम, प्रदर्शन आधारित चयन हो : हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने बीसीसीआई से टीम में सुपरस्टार क्लचर खत्म करने और खिलाड़ियों का चयन साख पर नहीं बल्कि पूरी तरह से प्रदर्शन के आधार पर करने का अनुरोध किया है। एक दशक में पहली बार भारतीय टीम की आस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद हरभजन ने यह टिप्पणी की। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा , टीम में सुपरस्टार कल्चर बन गया है। हमें सुपरस्टार नहीं चाहिए, अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी चाहिए। टीम में अच्छे परफॉर्मर होंगे तो ही टीम आगे बढेगी। जो भी सुपरस्टार बनना चाहता है, वह घर में रहकर वहीं क्रिकेट खेले। उन्होंने कहा , अभी इंग्लैंड का दौरा आने वाला है। अब हर कोई बात करने वाला है कि उसमें क्या होगा , कौन टीम में रहेगा और कौन नहीं। मेरा मानना है कि यह सीधा मसला है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ही टीम में रहने चाहिए। आप साख के आधार पर टीम नहीं चुन सकते। हरभजन ने कहा ,

अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो कपिल देव सर और अनिल भाई को भी ले जाइए। यहां बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को सख्त होना होगा। सुपरस्टार तेवरों से टीम आगे नहीं जा सकती। ोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली खराब फॉर्म में थे। भारत ने हार के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलने का मौका भी गंवा दिया। कोहली ने नौ पारियों में 190 रन बनाए और अक्सर स्लिप में कैच देकर आउट हुए। हरभजन ने कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे क्रिकेटरों को किसी भी प्रारूप में खेलकर इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के लिए अपनी उपयोगिता साबित करनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में बहुत कुछ सीखा, हम और मजबूत होकर लौटेंगे: जायसवाल

नई दिल्ली। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे को सीखने वाला अनुभव बताया और ऑस्ट्रेलिया से।-3 से हारकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद और मजबूत होकर लौटने का संकल्प लिया। श्रृंखला में 43.44 की औसत से 391 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे 23 वर्षीय जायसवाल ने पर्थ टेस्ट में 161 रन की शानदार पारी खेली जिसने भारत की 295 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। जायसवाल ने दो अर्द्धशतक भी लगाए लेकिन भारत रविवार को सिडनी में पांचवां और अंतिम टेस्ट छह विकेट से हारने के बाद एक दशक में पहली बार ट्रॉफी बरकरार रखने में विफल रहा।जायसवाल ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, मैंने ऑस्ट्रेलिया में बहुत कुछ सीखा... दुर्भाग्य से, परिणाम वह नही था जिसकी हमें उम्मीद थी लेकिन हम और मजबूत होकर लौटेंगे। आपका समर्थन ही सब कुछ है। इस हार ने भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को भी तोड़ दिया।

अफगानिस्तान ने जिंबॉब्वे से श्रृंखला जीती

बुलावायो। अनुभवी लेग स्पिनर राशिद खान ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 66 रन देकर सात विकेट लिए जिससे अफगानिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में जिंबॉब्वे को 72 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला 10 से जीती। अफगानिस्तान को पांचवें और अंतिम दिन जीत के लिए केवल दो विकेट की दरकार थी। उसने 13 मिनट और 15 गेंद के अंदर दोनों विकेट हासिल करके जिंबॉब्वे को कल के स्कोर 205 रन पर आउट कर दिया। राशिद के अलावा जिया उर रहमान ने 44 रन देकर दो विकेट लिए।

छह वर्षीय रेयांश ने रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराया

ठाणे। ठाणे के छह वर्षीय रेयांश खामकर ने समुद्र में 15 किलोमीटर की दूरी पूरी करने वाले सबसे कम उम्र के तैराक बनकर रिकॉर्ड बुक मे अपना नाम दर्ज कराया। रेयांश ने विजयदुर्ग में मालपे जेट्टी से वाघोटन जेट्टी तक की 15 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे मे पूरी की। उनकी इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मे जगह मिली है। रेयांश स्टारफिश स्पोर्ट्स फाउंडेशन में कोच कैलाश अखाड़े से कोचिंग लेते है। उन्होने अपने पहले प्रयास मे ही यह उपलब्धि हासिल की।

अभिषेक यूरोपीय टी20 लीग के सह मालिक बने

डबलिन। यूरोप में क्रिकेट को बढावा देने के लिए शुरू की जा रही निजी स्वामित्व वाली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में मशहूर अभिनेता और खेलप्रेमी अभिषेक बच्चन सह मालिक बन गए है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से मान्यता प्राप्त यह लीग स्कॉटलैंड, आयरलैंड और नीदरलैंड की भागीदारी के साथ शुरू हो रही है और इसका पहला सत्र 15 जुलाई से तीन अगस्त 2025 के बीच खेला जाएगा। इसमे इन तीन देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दुनिया भर के नामचीन खिलाड़ियो के साथ यूरोपीय शैली मे खेलेगे।

गाफ ने स्वियातेक को हराया,युनाइटेड कप जीता

सिडनी। कोको गाफ ने युनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के पहले मैच में दूसरी रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक को 6-4, 6-4 से हरा दिया और अमेरिका ने पोलैंड को 2-0 से हराकर फाइनल जीता। टेलर फ्रिट्ज ने दूसरे मैच में हुबर्ट हुरकाज को 6-4, 5-7, 7-6 से मात दी। बीस वर्ष की गाफ ने युनाइटेड कप में सारे एकल मैच सीधे सेटों में जीते जिससे 12 जनवरी से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन की उनकी तैयारी पुख्ता हुई है।

मैनचेस्टर युनाइटेड ने लिवरपूल से ड्रॉ खेला

लिवरपूल। अमाद डियालो ने आखिरी मिनटों मे बराबरी का गोल दागकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज लिवरपूल के खिलाफ मैनचेस्टर युनाइटेड का मैच 2 . 2 से ड्रॉ कराया। अमाद ने 80वें मिनट में अलेजांद्रो गारनाशो के क्रॉस पर बराबरी का गोल दागा। इससे पहले मोहम्मद सालाह ने पेनल्टी पर गोल करके लिवरपूल को बढत दिलाई थी।

ओडिशा सरकार ने भारतीय खो-खो टीम बना प्रायोजक

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने देश में स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय खो-खो टीम के साथ तीन साल के प्रायोजन की घोषणा की।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि राज्य जनवरी 2025 से दिसंबर 2027 तक सालाना पांच करोड़ रुपए का निवेश करेगा। ओडिशा खनन निगम के माध्यम से वित्त पोषण प्रदान किया जाएगा। हॉकी टीम के साथ सफल प्रायोजन के बाद खो-खो के लिए 15 करोड़ रुपए का प्रायोजन लिया।

भारतीय टेस्ट टीम में सबसे चिंताजनक स्थिति गेंदबाजी की

भाषा। सिडनी

बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में आसानी से घुटने टेकने के बाद भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन सवालों के घेरे में है लेकिन वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची देखे तो यह पता चलता है कि टीम के भविष्य के लिए बल्लेबाजी से ज्यादा चिंताजनक स्थिति गेंदबाजी को लेकर है।बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज विराट कोहली का टेस्ट भविष्य अधर में लटक गया है। राष्ट्रीय चयन समिति के पास इन दोनों की जगह लेने के लिए कुछ अच्छे विकल्प मौजूद है। बात जब गेंदबाजी की आती है और खासकर तेज गेंदबाजी की तो बदलाव के दौर से गुजर रही टीम की स्थिति ज्यादा उत्साहजनक नहीं दिख रही है। टीम को जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा जैसी गेंदबाजों को तैयार करने में काफी समय लग सकता है। मौजूदा गेंदबाज अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे है लेकिन उनका प्रदर्शन कही से भी इन तीनों नामों के करीब नहीं है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुमराह को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला जिससे उनका कार्यभार काफी बढ़ गया। वह पीठ में चोट होने के कारण टीम के लिए निर्णायक पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके। मोहम्मद सिराज 36 टेस्ट खेलने के बाद भी मैच का रुख बदलने वाले गेंदबाज नहीं बन पाए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा के पास अच्छी गति है लेकिन वह लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफल रहते हैं। आकाश दीप और मुकेश कुमार के पास कौशल है लेकिन खेल के शीर्ष स्तर पर खुद को साबित करने का उन्हें अभी पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं। रणजी सर्किट में भी देखे तो चयनकर्ताओं के पास इस मामले में अच्छे विकल्प की कमी है। सबसे बड़ी समस्या बाए हाथ के तेज गेंदबाज की है। अर्शदीप सिंह सीमित ओवरों को खुद को साबित कर चुके हैं लेकिन लाल गेंद से उतने प्रभावी नहीं रहे हैं। यश दयाल और खलील अहमद भी विश्वास हासिल करने वाला प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। जब बल्लेबाजी की बात आती है तो इसमें कुछ अच्छे विकल्प मौजूद है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति हालांकि रणजी ट्रॉफी सत्र के अंत तक कुछ भी तय नहीं करेगी।

रोहित को मानसिक रूप से तोड़ने की आस्ट्रेलिया की रणनीति कारगर रही : ओकीफे

सिडनी। पूर्व स्पिनर कैरी ओकीफे का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान विरोधी कप्तान को मानसिक तौर पर तोड़ने की आस्ट्रेलिया की पारंपरिक रणनीति कारगर साबित हुई। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला में1-3 से पराजय का सामना करना पड़ा। रोहित तीन मैचों में 31 रन ही बना सके। ओकीफे ने फॉक्स स्पोर्टस से कहा , वे जसप्रीत बुमराह को नही तोड़ सके। वह बहुत अच्छा खेल रहा था। इसके बाद उन्होंने रोहित शर्मा को निशाना बनाया और इस कदर तोड़ा कि वह फाइनल टेस्ट से खुद बाहर हो गया। उन्होंने कहा , यह उनकी पुरानी रणनीति रही है। अगर वह विरोधी कप्तान को तोड़ देते है तो इससे उन्हे ताकत मिलती है। 75 वर्ष के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम 2021-22 की श्रृंखला में अजिंक्य रहाणे को नही तोड़ सकी थी। उन्होंने कहा , पिछली बार अजिंक्य रहाणे पर उनका असर नही हुआ और भारत ने वह श्रृंखला जीती। लेकिन इस बार रोहित शर्मा को परेशान किया और श्रृंखला जीती। इसी तरह पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद को मानसिक तौर पर तोड़ा और 3-0 से जीते। क्रेग ब्रेथवेट को निशाना बनाया और वेस्टइंडीज के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

श्रीराम और मिगुएल जीते, नागल बाहर

नई दिल्ली। भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के मिगुएल रेएस-वेरेला की पुरुष युगल जोड़ी ने सोमवार को एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि सुमित नागल को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद ऑकलैंड एएसबी क्लासिक के पुरुष एकल में हार का सामना करना पड़ा।बालाजी और मिगुएल की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए भारत के रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के उनके जोड़ीदार निकोलस बेरिनटोस को 4-6, 6-2, 10-7 से हराया।बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ दो साल की साझेदारी का अंत करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले बेरिनटोस के साथ जोड़ी बनाई है।पहला सेट गंवाने के बावजूद बालाजी और मिगुल ने दूसरे सेट में वापसी की और विरोधी टीम की खराब सर्विस और रिटर्न का फायदा उठाते हुए एक घंटे और 15 मिनट में जीत दर्ज की।भारत और मैक्सिको की गैरवरीय जोड़ी इस एटीपी 250 टूर्नामेंट के अगले दौर में फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पेटेन की जोड़ी से भिड़ेगी।

क्विक न्यूज

सात्विक-चिराग की अगुवाई में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मलेशिया ओपन में छाप छोड़ने को तैयार

कुआलालंपुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष जोड़ी के साथ लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय जैसे भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के पहले टूर्नामेंट मलेशिया सुपर 1000 में यादगार प्रदर्शन के साथ साल का आगाज करना चाहेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी 1.45 मिलियन डॉलर (लगभग 12.44 करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। यह जोड़ी पिछले साल खिताब से चूक गई थी लेकिन तीन और फाइनल में पहुंची, जिनमें से दो में जीत हासिल करने में सफल रही। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी पिछले सत्र की लय को जारी रखना चाहेगी।

बहादुर सागू बनेंगे एएफआई प्रमुख

चंडीगढ़। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शॉटपुट खिलाड़ी बहादुर सिंह सागू को मंगलवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की आमसभा की सालाना बैठक में अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना जाना तय है जो लंबे समय से इस पद पर बने आदिले सुमरिवाला की जगह लेंगे। 51 वर्ष के सागू ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2000 और 2004 ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया। वह एथलीट आयोग प्रतिनिधि के तौर पर निवर्तमान कार्यकारी परिषद के सदस्य भी हैं। वह सीनियर चयन समिति के भी सदस्य हैं। एएफआई की सीनियर उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज के नाम वापिस लेने के बाद सागू अकेले उम्मीदवार बचे हैं।

आईसीसी, बीसीसीआई, सीए, ईसीबी दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली की संभावना तलाश रहे

सिडनी। भारत, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ आईसीसी तीन बड़े देशों के बीच और श्रृंखलाएं करवाने के लिए दो स्तरीय टेस्ट व्यवस्था की संभावना पर विचार कर रहा है। द ऐज की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह इस महीने के आखिर में इस संदर्भ में क्रिकेट आस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड और क्रिकेट इंग्लैंड के प्रमुख रिचर्ड थॉम्पसन से बात करेंगे। अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा , टेस्ट क्रिकेट में दो स्तरीय व्यवस्था की कोई भी योजना 2027 में मौजूदा भावी दौरा कार्यक्रम खत्म होने के बाद ही शुरू होगी। बीसीसीआई इस समय 12 जनवरी को मुंबई में आमसभा की विशेष बैठक की तैयारी में है जिसमें अंतरिम सचिव देवजीत सैकिया पूर्णकालिक पद संभालेंगे। सैकिया को शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद रिक्त हुए पद पर कार्यवाहक सचिव चुना गया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा , हमें अभी तक इसकी कोई जानकारी नहीं है। एसजीएम की तैयारी की जा रही है और आस्ट्रेलिया के हाल ही में खत्म हुए दौरे पर भी बात की जाएगी।

सीग्रम्स का स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। सीग्रम्स रॉयल स्टैग ने नेटफ्लिक्स पर रिकॉर्ड.तोड़ सफ्लता हासिल करने वाली सीरीज़ स्क्विड गेम के दूसरे सीज़न के साथ साझेदारी की घोषणा की है। स्क्विड गेम के साथ यह साझेदारी रॉयल स्टैग की शिलव इट लार्जश् फि लॉसफी के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह दर्शकों को दुनिया के एक सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है जो अब तक लाखों दिलों को जीत चुका है। आज के युवाओं के बीच के.ड्रामा बहुत ही लोकप्रिय है। ऐसे में यह सहयोग ब्रांड को युवाओं के जुनून का हिस्सा बनने उनसे जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं में शामिल होने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुएए पेरनोड रिकार्ड इंडिया के मार्केटिंग जनरल मैनेजर जॉयदीप बसुरॉय ने कहा कि नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम के साथ रॉयल स्टैग का यह सहयोग ब्रांड को के.कल्चर के प्रति युवाओं की दीवानगी का लाभ उठाने में मदद करेगा। इस साझेदारी के साथ न सिर्फ ब्रांड युवाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ेगा बल्कि इससे ब्रांड की युवा छवि को भी उभारने में मदद मिलेगी।

बीएल एग्रो राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 के विजेताओं को पांच साल तक समर्थन देने का संकल्प लिया

नई दिल्ली। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में उत्तर प्रदेश के एथलीटों की अभूतपूर्व उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 विजेताओं के लिए एक व्यापक पांच वर्षीय सहायता कार्यक्रम की घोषणा की है। बीएल एग्रो के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ;सीएसआरद्ध कार्यक्रम का एक हिस्सा यह पहल पैरा.एथलीटों को अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने का लक्ष्य रखती है। बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक और यूपी पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संरक्षक आशीष खंडेलवाल ने पैरा.एथलेटिक्स की प्रशंसा करते हुए कहा हमारे पैरा.एथलीटों द्वारा प्रदर्शित धैर्य और दृढ़ संकल्प वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने हमें और भारत को गौरवान्वित किया है। बीएल एग्रो मेंए हम इस प्रतिभा को पोषित करना चाहते हैं और इन चैंपियनों को उत्कृष्टता की उनकी यात्रा जारी रखने में मदद करना चाहते हैं। इस पहल के साथए हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके पास और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के लिए आवश्यक सभी संसाधन हों। ये पुरस्कार भारतीय खेलों में उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में 17 जनवरीए 2025 को राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाएंगे। सम्मानित होने वालों में शामिल हैं। प्रवीन कुमार पैरा.एथलेटिक्स. पुरुष ऊंची कूद मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2024 के प्राप्तकर्ता, सुश्री प्रीति पाल पैरा.एथलेटिक्स . महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर, अजीत सिंह ;पैरा.एथलेटिक्स पुरुष जेवलिन, सिमरन एथलेटिक्स . महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटररू प्रत्येक को 2024 का अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

हरमनप्रीत, रेणुका को मिला विश्राम

● आयरलैंड के खिलाफ मंधाना संभालेंगी भारतीय महिला टीम की कमान

भाषा। नई दिल्ली

नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिए जाने के बाद अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आयरलैंड के खिलाफ इस महीने खेली जाने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यहां जारी विज्ञप्ति में तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को भी विश्राम देने की घोषणा की। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की यह श्रृंखला 10 जनवरी से शुरू होगी। इसके सभी मैच राजकोट में खेले जाएंगे। हरमनप्रीत को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान घुटने में चोट लग गई थी। वह इस चोट के कारण शुरुआती दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सकी थी। उन्होंने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में टीम में वापसी की और इसके बाद तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में टीम का नेतृत्व किया। इस 35 साल की खिलाड़ी को इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में दुबई में महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान गर्दन में चोट लग गई थी। टीम की मुख्य तेज गेंदबाज रेनुका वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों में 10 विकेट लेकर श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई थी। अतीत में वह पीठ की स्ट्रेस फ्रैक्चर से परेशान रही है। ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

भारत के पूर्व हरफनमौला रिषि ने घरेलू सीमित ओवरों के क्रिकेट से विदा ली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व हरफनमौला रिषि धवन ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप चरण के मैचों के बाद घरेलू सीमित ओवरों के टूर्नामेंटों से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के लिए 2016 में एक टी20 और तीन वनडे खेलने वाले धवन ने हिमाचल प्रदेश के नॉकआउट चरण में नहीं पहुंच पाने के बाद यह फैसला लिया। चौतीस वर्ष के धवन 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के बाकी सत्र में खेलेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा , भारी मन से मैं भारतीय क्रिकेट (सीमित ओवरों के) से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं हालांकि मुझे कोई पछतावा नहीं है। पिछले दो दशक से यह खेल मेरे जीवन का अभिन्न अंग रहा है और इसने मुझे बेशुमार खुशियां और अनगिनत यादें दी हैं। हिमाचल को 2021 . 22 में हजारे ट्रॉफी जिताने वाले धवन इस साल सात मैचों में 196 रन ही बना सके। उन्होंने सात मैचों में आठ विकेट लिए।उन्होंने 134 लिस्ट ए मैचों में 2906 रन बनाए और 186 विकेट लिए। इसके अलावा 135 टी20 मैचों में 1740 रन बनाए और 118 विकेट लिए। आईपीएल में वह 2013 और 2024 के बीच पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले।

जाधव को लक्ष्य कप में एयर राइफल का स्वर्ण

मुंबई। नौसेना के किरण जाधव ने कई जाने-माने निशानेबाजों को पछाड़ते हुए यहां 15वें लक्ष्य कप आमंत्रण टूर्नामेंट में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2018 से हर बार फाइनल में जगह बनाने वाले 29 साल के जाधव ने 251.7 अंक के साथ पहली बार खिताब जीता। जाधव ने महाराष्ट्र के गजानन खानदागले (250.9) और महाराष्ट्र के ही मोहित गौड़ा (229.3) को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाले रेलवे के अर्जुन बबूता खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे लेकिन वह 208.2 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। पुरुष और महिला राष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियन क्रमश: साहु माने और अनन्या नायडू फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। रेलवे के माने ने क्वालीफिकेशन दौर में 629.0 अंक जुटाए। शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई और 630.5 अंक के साथ आठवें क्वालीफायर गौड़ा थे। राजस्थान के दिव्यांश सिंह पंवार (629.0) और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट के संदीप सिंह (629.0) जैसे ओलंपिक भी फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

भारतीय यूथ टीम खिताब से एक जीत दूर

● कजाखिस्तान को दी शिकस्त

● आईएचएफट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया

लखनऊ। भारत की यूथ अंडर.18 टीम ने आईएचएफट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप में यूथ वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने कजाखिस्तान को 31-27 से हराकर खिताबी होड़ में इंट्री की। भारत की अब फाइनल में उज्बेकिस्तान से टक्कर होगी जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को शिकस्त दी। आज रोमांचक सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने शुरू से ही अटैकिंग गेम का प्रदर्शन किया और प्रतिद्वंद्वी टीम पर दबाव बनाए रखा। हालांकि कजाखिस्तान के खिलाड़ियों ने भी अपनी चुस्ती से उन्हें खासी टक्कर दी। जीत में भारत के गोलकीपर नवीन की बड़ी भूमिका रही जिन्होंने पिछले मैचों की अपनी फार्म जारी रखते हुए विरोधी खिलाड़ियों के कई अटैक को नाकाम कियाए उनको शानदार खेल दिखाने के चलते प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस मैच में जैसे.जैसे खेल आगे बढ़ाए भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद लेकर दौड़ लगाई और कजाखिस्तान के डिफेंस में कई बार सेंध लगाई लेकिन प्रतिद्वंद्वियों ने भी जवाबी अटैक से गोल दागे। मैच में मेजबान खिलाड़ी मध्यांतर तक 17-9 से आगे थे। भारत की जीत में रवि ने सर्वाधिक 13 गोल दागे। उनका साथ देते हुए रोहित ने 7 गोल करने में सफलता हासिल की। अंशु ने 4ए मनीष यादव व सुयश अवस्थी ने 3-3 एवं प्रवीण गिल ने एक गोल किया। कजाखिस्तान की ओर से इगोर सुडारिकोव ने सर्वाधिक 10 गोल व वादिम कैसिन ने 7 गोल किए। चैंपियनशिप में आज के अतिथि अतुल गुप्ता रिटायर्ड आईएएसए पूर्व चीफ सेक्रेटरी उत्तर प्रदेश शासनने खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उनका स्वागत हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा आनन्देश्वर पाण्डेय ने किया। इससे पूर्व खेले गए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान ने यूथ व जूनियर दोनों वर्गो के फाइनल में जगह बना ली।

बैटल स्पोर्ट्स डांस में यूपी ओवरऑल चैंपियन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टीम ने शिरडी-महाराष्ट्र में गत 4 व 5 जनवरी 2025 तक आयोजित 10वीं राष्ट्रीय बैटल स्पोर्ट्स डांस चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी जीत ली। बैटल स्पोर्ट्स डांस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव कमल जोशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया और 25 स्वर्ण, 5 रजत व 3 कांस्य सहित कुल 33 पदक जीते।

कॅरियर लायंस की जीत

लखनऊ। मैन ऑफद मैच अफसर सिद्दीकी ;131द्ध के तूफानी शतक से कॅरियर लायंस ने तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी.20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सीवीसीएल को 22 रन से पराजित किया। दूसरे मैच में लाइव टीवी एक्सप्रेस ने स्मैश क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर कॅरियर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 3 विकेट पर 211 रन बनाए। अफसर सिद्दीकी ने 131 रन की पारी खेली। जवाब में सीवीसीएल 6 विकेट पर 189 रन ही बना सका। इसी मैदान पर दूसरे मैच में लाइव टीवी एक्सप्रेस ने स्मैश क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान सम्पादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001